1. सामान्य अध्ययन
(General Knowledge)

A. इतिहास (History)

1. सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)

- मोहनजोदड़ो, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मृतकों का टीला' सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। इसकी खोज वर्ष 1922 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के राखल दास बनर्जी ने की थी। यह स्थल ईंट से बने फुटपाथ, विकसित जल आपूर्ति, जल निकासी, शौचालयों, विशाल अन्नागार और स्नानागार एवं स्मारक भवनों के साथ परस्पर समकोण पर काटती हुई सड़कों तथा विस्तृत नगर नियोजन प्रणाली के लिए प्रसिद्ध हैं।
- रेडियोकार्बन C^{14} जैसी नवीन विश्लेषण-पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2400 ईसा पूर्व से 1700 ईसा पूर्व मानी गयी है।
- लोथल एवं सुतकोतदा– सिन्धु सभ्यता का बन्दरगाह नगर था।
- सिन्धु सभ्यता के लोगों ने नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए ग्रिड पद्धति अपनाई।
- सैंधव सभ्यता के लोग यातायात के लिए दो पहियों एवं चार पहियों वाली बैलगाड़ी या भैंसागाड़ी का उपयोग करते थे।
- सिन्धु सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा किया करते थे।
- वृक्ष–पूजा एवं शिव-पूजा के प्रचलन के साक्ष्य भी सिन्धु सभ्यता से मिलते हैं।
- सिन्धु सभ्यता में मातृदेवी की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी।
- पशुओं में कूबड़ वाला साँड, इस सभ्यता के लोगों के लिए विशेष पूजनीय था।
- हड़प्पा स्थल कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। कालीबंगन राजस्थान में घग्घर नदी के तट पर स्थित है। इस स्थल की खोज बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर ने की थी।
- कालीबंगा एकमात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर भी रक्षा प्राचीर दीवारों से घिरा हुआ था। कालीबंगा से अग्नि पूजा की प्रथा के भी प्रमाण मिले हैं।
- मेसोपोटामिया सभ्यता का विकास दजला एवं फरात नदियों के किनारे, वर्तमान इराक और कुवैत के क्षेत्र में हुआ था। मेसोपोटामिया विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला स्थान है, इसे कांस्ययुगीन सभ्यता का उद्गम स्थल माना जाता है। यहाँ सुमेर, अक्काद, बेबीलोन तथा असीरिया के साम्राज्य अलग-अलग समय में स्थापित हुए थे। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था।

सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	नदी तट	वर्तमान स्थिति
आलमगीरपुर	यज्ञदत्त शर्मा	हिंडन	मेरठ (उत्तर प्रदेश)
लोथल	एस.आर.राव, भार्गव	भोगवा	अहमदाबाद (गुजरात)
कालीबंगा	अमलानन्द घोष, बी.बी.लाल, बी.के. थापर	घाघरा	हनुमानगढ़ (राजस्थान)
सुरकोटदा	यज्ञदत्त शर्मा	-	कच्छ (गुजरात)
बनावली	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	घाघरा	हिसार (हरियाणा)
हड़प्पा	श्री दयाराम साहनी	रावी	पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में माण्टगोमरी जिले में
मोहनजोदड़ो	राखलदास बनर्जी	सिंधु	पाकिस्तान के सिंध प्रान्त के लरकाना जिले में
सुत्कागेंडोर	ऑरेल स्टाइन	दाश्क	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)
चन्हूदड़ो	मैके, गोपाल मजुमदार	सिंधु	सिंध (पाकिस्तान)
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	सतलुज	पंजाब का रोपड़ जिला (भारत)
कोटदीजी	फजल अहमद खां	सिंधु	सिंध प्रांत का खैरपुर नगर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. हड़प्पा के एक बन्दरगाह का नाम लिखिए।

(a) लोथल (b) नागपट्टनम
(c) महास्थानगढ़ (d) सिकन्दरिया

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : लोथल हड़प्पा कालीन बंदरगाह स्थल है। यह भारत के गुजरात राज्य में भोगवा नदी के तट पर स्थित हैं। इसकी खोज सन् 1955-60 में रंगनाथ राव द्वारा की गयी थी। लोथल को मिनी हड़प्पा के नाम से भी जाना जाता है। लोथल के पूर्वी भाग में 223 मीटर लम्बा 35 मीटर चौड़ा एवं 38 मीटर गहरा गोदीवाड़ा (बन्दरगाह) के साक्ष्य मिले हैं।

2. हड़प्पा सभ्यता के दौरान डांसिंग गर्ल (नर्तकी) की कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए________ तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।

(a) पत्थर की नक्काशी (b) हाथीदांत नक्काशी
(c) लकड़ी की नक्काशी (d) मोम लोपी ढलाई (कास्टिंग)

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (d) : हड़प्पा सभ्यता के दौरान डांसिंग गर्ल (नर्तकी) की कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए मोम लोपी ढलाई (लॉस्ट वैक्स कास्टिंग) तकनीक का प्रयोग किया गया था। यह प्रसिद्ध मूर्ति मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई थी। हड़प्पा सभ्यता विश्व की प्राचीनतम् नगरीय सभ्यताओं में से एक है, इसका विस्तार पश्चिमोत्तर भारत में था।

3. पाँचवीं-छठी शताब्दी ईसा पूर्व में, तुर्की के लोगों ने सिंधु के पूर्व में लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को कहा था-

(a) हिंदी (b) हिन्दवी
(c) अल-हिंद (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (b) : पाँचवी-छठी शताब्दी ईसा पूर्व में, तुर्की लोगों ने सिंधु के पूर्व में लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को हिन्दवी कहा था। पाँचवी-छठी शताब्दी ई.पू. में सिंधु नदी के पूर्व के क्षेत्र को संदर्भित करने के लिए फारसी शब्द 'हिन्दू' का प्रयोग किया गया। तुर्कों ने सिंधु के पूर्व के लोगों को 'हिन्दू' उनकी भूमि को 'हिन्दुस्तान' और उनकी भाषा को 'हिन्दवी' कहा।

4. हड़प्पा संस्कृति की मुहर और टेराकोटा कला पर निम्नलिखित में से किस जानवर को दर्शाया नहीं गया था?

(a) बाघ (b) गाय
(c) गैंडा (d) हाथी

UPSSSC Assit.Boring Technician 3-7-2022

Ans. (b) : हड़प्पा संस्कृति की मुहर और टेराकोटा कला पर 'गाय' को नहीं दर्शाया गया था। इस काल की मुहरें वर्गाकार, त्रिकोणीय तथा आयताकार होती थी। मुद्रालेख दाई से बाई ओर लिखा गया है। इस पर बैल, गैंडा, हाथी आदि का चित्र मिलता है। टेरा कोटा पकी हुई मिट्टी से बनाई गई मूर्तियाँ होती थी। टेराकोटा कला राजस्थान की प्रसिद्ध हस्तकलाओं में से एक है।

5. हड़प्पाकाल का इनमें से कौन सा नगर, तीन भागों में विभाजित था?

(a) लोथल (b) मोहनजोदाड़ो
(c) कालीबंगा (d) धौलावीरा

[UPSSSC Computer Operator 10/01/2020]

Ans. (d) : हड़प्पाकाल का पुरास्थल धौलावीरा गुजरात के 'कच्छ के रण' के मध्य स्थित द्वीप 'खादिर' में स्थित है। धौलावीरा तीन भागों में विभाजित था। नगर के महाप्रासाद वाले भाग के उत्तर में एक विस्तृत सम्पूर्ण एवं व्यापक समतल मैदान के अवशेष मिले हैं। इसके उत्तर में नगर का मध्य भाग है जिसे 'पुर' की संज्ञा दी गयी थी। इसके पूर्व में नगर का तीसरा महत्वपूर्ण भाग स्थित है जिसे 'निचला शहर' या 'अवम नगर' कहा जाता है। यह भारत में स्थित सिन्धु सभ्यता का दूसरा सबसे बड़ा नगर है। धौलावीरा की खोज 1967-68 में जे.पी. जोशी ने की। धौलावीरा से विशाल जलाशय के साक्ष्य प्राप्त हुए।

2. वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization)

- ऋग्वेद में सर्वप्रथम 'भरत जन' का उल्लेख मिलता है, जिसके नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। ऋग्वेद प्राचीनतम वेद माना जाता है। इसमें कुल 10 मंडल तथा 1028 सूक्त है। इस वेद को पढ़ने वाले ऋषि को 'होतृ' कहते है। ऋग्वेद का पहला एवं 10वाँ मंडल सबसे अंत में जोड़ा गया।
- दसराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का वर्णन ऋग्वेद में 7वें मंडल में है। यह परुषणी नदी के तट पर लड़ा गया। इसमें भरत जन के राजा सुदास ने दस राजाओं के संघ को हराया।
- चार वेदों में से अथर्ववेद में बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है। अथर्वा ऋषि द्वारा रचित इस वेद में कुल 731 मंत्र तथा लगभग 6000 पद्य हैं।
- अथर्ववेद में आयुर्वेद और चिकित्सा पद्धति का वर्णन है।

वैदिक साहित्य

ऋग्वेद	10 मंडल, 1028 सूक्त देवताओं की स्तुतियाँ। सूक्त रचनाकार– विश्वामित्र, गृत्समद, वामदेव, अत्रि भारद्वाज, वशिष्ठ आदि।
यजुर्वेद	दो शाखाएँ- शुक्ल यजुर्वेद एवं कृष्ण यजुर्वेद। शुक्ल यजुर्वेद (वाजसनेयी संहिता) का अंतिम अध्याय ईशोपनिषद है। यह अनुष्ठानों से सम्बन्धित है।
सामवेद	तीन शाखाएँ– कौथुक, राणायनीय, जैमिनीय। इसमें 75 मंत्र को छोड़कर शेष सभी ऋग्वेद के हैं।
अथर्ववेद	दो शाखाएँ– शौनक एवं पिप्लाद। इनमें औषधि, भूत-प्रेत, जादू-टोने आदि से संबंधित मंत्र है।
ब्राह्मण ग्रंथ	ब्राह्मण ग्रन्थ गद्य साहित्य की सबसे प्राचीन रचना मानी जाती है। इसमें प्रार्थना एवं यज्ञक्रिया से संबंधित विचार है।

16 संस्कार

01. गर्भाधान	09. विद्यारंभ
02. पुंसवन	10. कर्णवेध
03. सीमन्तोन्नयन	11. यज्ञोपवीत/उपनयन
04. जातकर्म	12. वेदारम्भ
05. नामकरण	13. केशान्त
06. निष्क्रमण	14. समावर्तन
07. अन्नप्राशन	15. विवाह
08. मुंडन/चूडाकर्म	16. अन्त्योष्टि/ श्राद्ध

वैदिक काल में राजा की सहायता के लिए नियुक्त अधिकारी एवं उनके कार्य

अधिकारी	कार्य
पुरोहित	राजा का मुख्य परामर्शदाता
सेनानी	सेना का नेतृत्व करने वाला
कुलपति	परिवार का मुखिया
विशपति	विश का प्रधान
व्रजपति	चारागाह के अधिकारी तथा कुलप को संगठित कर युद्ध के मैदान में ले जाता था।
ग्रामणी	ग्राम का प्रधान तथा युद्ध में कबीले की सेना का नेतृत्व करता था।
स्पर्श	गुप्तचर
दूत	यह विभिन्न राजनीतिक इकाइयों को एक-दूसरे के विषय में सूचित करता था।
पुरप	दुर्ग का अधिकारी होता था।
उग्र	अपराधियों को पकड़ता था। (पुलिस)

वैदिक कालीन नदियाँ

प्राचीन नाम	आधुनिक नाम
वितस्ता	झेलम
अस्किनी	चिनाब
परुषणी	रावी
सरस्वती	घग्घर
सदानीरा	गंडक
विपाशा	व्यास
शतुद्रि	सतलज

- भारत के प्राचीनतम् धर्म ग्रंथ वेद की संख्या चार- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद है जिसमें से ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। ऋग्वेद को ऋषियों-मुनियों के द्वारा मौखिक रूप में वर्णित ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संकलन के रूप में जाना जाता है।
- यजुर्वेद को मंत्रों तथा बलि विधि के लिए जाना जाता है।
- सामवेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है।
- उपवेद वेदों से सम्बन्धित माने जाते हैं ये चार हैं– आयुर्वेद, गन्धर्व वेद, धनुर्वेद और शिल्पवेद। आयुर्वेद ऋग्वेद का उपवेद है इसमें चिकित्सा सम्बन्धी ज्ञान का वर्णन है।
- वैदिक युग में राजा को गोपति (गायों का स्वामी) कहा गया। वैदिक काल में गायों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। ऋग्वेद में गायों को अघन्या (मारना वर्जित) कहा गया है। गायों को पूज्य एवं पवित्र माना गया।
- भारत में वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के किनारे विकसित हुई थी। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को नदियों की अग्रवती, नदियों की माता, वाणी, प्रार्थना एवं कविता की देवी, बुद्धि को तीव्र करने वाली और संगीत की प्रेरणादायी कहा गया है। सरस्वती नदी ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी मानी जाती थी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. 'उपनयन समारोह' से क्या तात्पर्य है?

(a) बच्चे को एक औपचारिक नाम दिया जाता है।
(b) बच्चे को सूर्य और चन्द्र के औपचारिक दर्शन कराए जाते हैं।
(c) बच्चे को पवित्र जनेऊ धारण कराया जाता है।
(d) बच्चे का विवाह किया जाता है।

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans : (c) उपनयन संस्कार को यज्ञोपवीत संस्कार के नाम से भी जानते हैं, इसमें बच्चे को पवित्र जनेऊ (यज्ञोपवीत) धारण कराया जाता है। इसमें तीन धागे होते थे, जिन्हें सत्, रज एवं तम का प्रतीक माना जाता है।
'प्राचीन समय से आज के समय में इस संस्कार का स्वरूप बिल्कुल बदल चुका है-
पहले इस संस्कार को शुद्धिकरण संस्कार के रूप में जानते थे जिसके उपरान्त शिष्य गुरू के साथ आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे। इस संस्कार के उपरान्त बालकों को 'द्विज' कहा जाता था। पहले यह अनिवार्य नहीं था। परन्तु कर्मकाण्डों में इसे अनिवार्य कर दिया गया तथा सामान्यतः विवाहपूर्व किया जाने लगा।

2. 'सत्यमेव जयते' महावाक्य कहाँ से उद्धृत है?

(a) शतपथ ब्राह्मण से (b) ईशोपनिषद से
(c) मुंडकोपनिषद् से (d) महाभारत से

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans. (c) 'सत्यमेव जयते' मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है। इसी उपनिषद में यज्ञ की तुलना टूटी नाव से की गई है। मुण्डकोपनिषद्, अथर्ववेद से संबंधित है। 'सत्यमेव जयते' भारत का आदर्श वाक्य है। सत्यमेव जयते, उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सारनाथ में 250 ई. पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाये गये सिंह स्तम्भ के शिखर पर अंकित है। इसका अर्थ है– 'सत्य की सदैव विजय' होती है।

3. वेदों के गद्य प्रकरण क्या कहलाते हैं

(a) संहिता (b) ब्राह्मण
(c) आरण्यक (d) उपनिषद्

कनिष्ठ सहायक - 31-05-2015

Ans. : (b) वेदों के गद्य प्रकरण ब्राह्मण कहलाते हैं। वे वेदों के गद्य भाग हैं जिनके द्वारा वेदों को समझने में सहायता मिलती है।
आरण्यक : आरण्यक शब्द का अर्थ वन में लिखा जाने वाला। इन्हें वन पुस्तक कहा जाता है, इन्हें जंगलों में रहने वाले संन्यासियों और छात्रों के लिए लिखा गया था।

उपनिषद : उपनिषद शब्द ब्रह्म विद्या या आत्म विद्या का प्रकाशक है उपनिष्द् शब्द तीन शब्द उप, नि,सद् के संयोजन से बना है– उप-निकट, नि :– श्रद्धा, सद-बैठना। अतः उपनिषद् शब्द का अर्थ हुआ शिष्य का गुरू के निकट उपदेश प्राप्ति के लिए श्रद्धा पूर्वक, परमत्व का गूढ़ उपदेश सुनने के लिए बैठना। ये वेदों के अंतिम भाग हैं। इन्हें वेदांत भी कहते हैं।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा 'ज्ञान' के सिद्धान्त पर बल देता है?

(a) योग दर्शन (b) वेदान्त दर्शन
(c) सांख्य दर्शन (d) उपनिषद्

स्टेनोग्राफर - 26-07-2015

Ans : (d) उपनिषद हिन्दू धर्म का महत्वपूर्ण श्रुति ग्रंथ है। ये वैदिक वांग्मय के अभिन्न भाग हैं। इसमें परमेश्वर, परमात्मा, ब्रह्म और आत्मा के स्वभाव और संबंध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञानपूर्ण वर्णन किया गया है। दुनिया के कई दार्शनिक उपनिषद् को सबसे अच्छा **ज्ञानकोश** मानते हैं। ये संस्कृत से जुड़े हैं 17वीं सदी में **दाराशिकोह** ने उपनिषदों का फारसी अनुवाद सिर्र-ए- अकबर नाम से किया।

5. ऋग्वेद में निम्नलिखित में से किस देवता की सर्वाधिक महत्ता का वर्णन है?

(a) वरुण (b) इंद्र
(c) अग्नि (d) शिव

स्टेनोग्राफर - 26-07-2015

Ans : (b) ऋग्वेद प्राचीनतम वेद है, जिसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त 10,580 ऋचायें हैं। ऋग्वेद के पढ़ने वाले ऋषियों को होतृ (होता) कहते हैं। इसमें सर्वाधिक वर्णन इन्द्र का है, इन्द्र के लिए 250 तथा अग्नि के लिए 200 ऋचाओं की रचना की गयी है। इन्द्र को वृत्तासुर हन्ता, पुरभिद्, पुरन्दर, सोमापा, मधवान आदि नामों से उद्घोषित किया गया है।

6. प्राचीनतम वेद कौन-सा है?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद
(c) यजुर्वेद (d) सामवेद

कनिष्ठ सहायक - 31-05-2015

Ans. : (a) ऋग्वेद आर्यों का सबसे प्राचीन ग्रंथ है। इसकी रचना सम्भवतः सप्त सैन्धव प्रदेश में हुई। इसके वेदों का संकलन महर्षि कृष्ण द्वैपायन (वेद व्यास) ने किया। ऋग्वेद के काल के सम्बन्ध में विद्वानों में मतभेद है। बाल गंगाधर तिलक वैदिक सभ्यता का आरम्भ 6000 ई0पू0 मानते है जबकि याकोबी 4500 ई0पू0 से 2500 ई0पू0, मैक्स मूलर का मत है कि ऋक् संहिताओं का काल 1200 ई0पू0 से 1000 ई0पू0 तक था।

3. बौद्ध धर्म/ जैन धर्म (Buddhism/Jainism)

महात्मा बुद्ध

जन्म	563 ई.पू.
जन्मस्थल	लुम्बिनी वन (कपिलवस्तु- वर्तमान रुम्मिनदेई, नेपाल)
पिता	शुद्धोधन (शाक्यों के राज्य कपिलवस्तु के शासक)
माता	महामाया देवी (कोलिय गणराज्य)
बचपन का नाम	सिद्धार्थ (गोत्र–गौतम)
पालन पोषण	विमाता प्रजापति गौतमी
पत्नी	यशोधरा (कोलिय गणराज्य की राजकुमारी)
पुत्र	राहुल
ज्ञान प्राप्ति स्थल	गया (बोधगया, बिहार) निरंजना नदी का तट (घटना–सम्बोधि)
प्रथम उपदेश स्थल	ऋषि पत्तन (सारनाथ) (वाराणसी)
जीवन का अंत (महापरिनिर्वाण)	483 ई.पू., आयु–80 वर्ष, दिन– वैशाख पूर्णिमा, स्थल–कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)
उपदेश	मागधी भाषा (पाली) में।
महाभिनिष्क्रमण	गृहत्याग (29 वर्ष की अवस्था में)
धर्मचक्रप्रवर्तन	प्रथम उपदेश ऋषिपत्तन मृगदाव (सारनाथ वाराणसी)

- कुषाण वंश के शासक कनिष्क के शासनकाल के दौरान चतुर्थ बौद्ध संगीत का आयोजन कश्मीर के कुण्डलवन में हुआ। इसके अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायो हीनयान एवं महायान में विभाजित हुआ। ध्यातव्य है कि जिन अनुयायियों ने बिना किसी परिवर्तन के बुद्ध के मूल उपदेशों को स्वीकार किया वे हीनयानी कहलाये, ये लोग रूढ़िवादी व निम्नमार्गी थे एवं बुद्ध को महापुरुष मानते थे और भगवान के रूप में उनकी पूजा नही करते थे। बौद्ध धर्म के कठोर तथा परपंरागत नियमों मे परिवर्तन करने वाले महायानी कहलाये।
- तीन भागों में विभाजित त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है। त्रिपिटक में महात्मा बुद्ध के बुद्धत्व (ज्ञान) प्राप्त करने से लेकर महापरिनिर्वाण तक दिये हुए प्रवचनों का संकलन किया गया है। सुत्तपिटक में बुद्ध के उपदेश तथा विचार मिलते हैं, विनयपिटक में बौद्ध संघ के नियम एवं विधान है तथा अभिधम्मपिटक में बौद्ध दर्शन की जानकारी मिलती है। यह पालि भाषा में लिखा गया है।
- महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अन्तिम उपदेश वैशाली में दिया था। कुशीनगर में रामाभार स्तूप का निर्माण बुद्ध की राख के एक हिस्से के साथ किया गया था; जहाँ उनका दाह संस्कार हुआ था।

बौद्ध संगीतियाँ

क्रम	समय	अध्यक्ष	शासक
प्रथम	483 ई.पू.	महाकश्यप	अजातशत्रु (हर्यक वंश)
द्वितीय	383 ई.पू.	सब्बाकामी (सर्वकामी)	कालाशोक (शिशुनाग वंश)
तृतीय	251 ई.पू.	मोगलिपुत्ततिस्स	अशोक (मौर्य वंश)
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी ई.पू.	वसुमित्र	कनिष्क (कुषाण वंश

- जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। इनका जन्म वैशाली जिले के कुण्डलग्राम में हुआ था, जिसे आधुनिक बसाढ़ कहते है। बारह वर्ष की कठिन तपस्या के बाद महावीर को अंग देश के जृम्भिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान (कैवल्य)

प्राप्त हुआ। ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी ने अपना पहला उपदेश राजगृह में बितूलाचल पहाड़ी पर बराकर नदी के तट पर दिया। महावीर की मृत्यु (मोक्ष की प्राप्ति) राजगृह के निकट पावापुरी में 72 वर्ष की अवस्था में हुई।

- पार्श्वनाथ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे।

महावीर स्वामी (24वें तीर्थंकर)

जन्म	540 ई.पू.
जन्मस्थल	वैशाली के कुण्डग्राम के निकट (बिहार)
पिता	सिद्धार्थ (वज्जि संघ के, कुण्डग्राम के ज्ञातृक क्षत्रिय कुल के प्रधान)
माता	त्रिशला (लिच्छवी शासक चेटक की बहन)
बचपन का नाम	वर्द्धमान
पत्नी	यशोदा (कुण्डिय गोत्र के राजा समरवती की कन्या)
पुत्री	प्रियदर्शना (अणोज्जा)
प्रमुख उपाधि	केवलिन (कैवल्य-सर्वोच्च ज्ञान प्राप्त व्यक्ति), जिन (विजेता), निर्ग्रन्थ (बंधनरहित), अर्हत (पूज्य)।
निर्वाण प्राप्ति	पावापुरी (राजगृह) बिहार में 72 वर्ष की आयु में 468 ई. में सस्तिपाल के यहाँ (मल्ल गणराज्य के प्रधान का शासित क्षेत्र)

- जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और चतुर्थ तीर्थंकर अभिनंदनाथ का जन्म स्थान अयोध्या (उत्तर प्रदेश) था। विदित है कि जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए तथा 24 वें एवं अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे।

प्रमुख जैन तीर्थंकर एवं उनके प्रतीक

ऋषभदेव	वृषभ (सांड)
अजितनाथ	हाथी
सम्भवनाथ	घोड़ा
नेमिनाथ	नील कमल
मुनि सुव्रत	कच्छप
मल्लिनाथ	कलश
पार्श्वनाथ	सर्प
महावीर	सिंह
अरिष्टनेमी	संख

जैन धर्म के त्रिरत्न एवं सिद्धान्त

सिद्धान्त→ अनेकांतवाद/स्यादवाद/सप्तभंगी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. जैन धर्म का सबसे महत्त्वपूर्ण मौलिक सिद्धान्त है:

(a) कर्म (b) अहिंसा
(c) वैराग्य (d) निष्ठा

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (b) : अहिंसा जैन धर्म के पाँच सिद्धांतों में सबसे मौलिक है। भगवान महावीर ने भी अहिंसा को प्रमुख स्थान दिया। ''अहिंसा परमों धर्म''।
जैन धर्म के पाँच सिद्धान्त -
- अहिंसा : जीव को चोट न पहुँचाना
- सत्य : झूठ न बोलना
- अस्तेय : चोरी न करना
- अपरिग्रह : संपत्ति का संचय न करना और
- ब्रह्मचर्य : किसी स्त्री से संसर्ग की मनाही।

2. गौतम बुद्ध को ज्ञान किस नदी के तट पर प्राप्त हुआ था?

(a) गंगा (b) गंडक
(c) पुनपुन (d) निरंजना

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (d) : गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। उन्होंने 29 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग दिया। उनके गृहत्याग की इस घटना को बौद्ध साहित्य में महाभिनिष्क्रमण कहा गया। उन्हें बोधगया में एक पीपल वृक्ष के नीचे निरंजना नदी के तट पर बैशाख पूर्णिमा के दिन ज्ञान की प्राप्ति हुई।

3. गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश .... में दिया था।

(a) भूमिस्पर्श मुद्रा (b) धम्म-चक्र-प्रवर्तन मुद्रा
(c) अभय मुद्रा (d) ध्यान मुद्रा

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (b) : गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश धम्म-चक्र-प्रवर्तन मुद्रा में दिया था। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का जन्म (563 ई.पू.) कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी (आधुनिक नेपाल) में हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन कपिल वस्तु के शाक्य गण के प्रधान थे तथा माता महामाया कोलिय गणराज्य की कन्या थी। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। सांसारिक दुःखों से व्यथित होकर सिद्धार्थ ने 29 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग किया, जिसे बौद्ध धर्म ग्रंथों में महाभिनिष्क्रमण कहा गया है।

4. पहले जैन तीर्थंकर कौन थे?

(a) महावीर (b) ऋषभ
(c) पारस नाथ (d) पद्मब्राभ

राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)

Ans : (b) ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर थे। जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए, जिनमें पहले ऋषभदेव, दूसरे अजितनाथ, बाइसवें अरिष्टनेमि, तेइसवें पार्श्वनाथ एवं चौबीसवें महावीर थे। ऋषभदेव एवं अरिष्टनेमि का उल्लेख ऋग्वेद में तथा अजितनाथ का उल्लेख यजुर्वेद में मिलता है। इस धर्म के महात्माओं की उपाधि 'तीर्थंकर' है।

5. जैन धर्म में, तीन रत्न (त्रिरत्न) दिए जाते हैं और उन्हें निर्वाण का मार्ग कहा जाता है। वे क्या हैं?

(a) सही भाषण, सही ज्ञान और सही आचरण।
(b) सही विश्वास, सही ज्ञान और सही व्यवहार।
(c) सही विश्वास, सही पथ और सही आचरण।
(d) सही विश्वास, सही ज्ञान और सही आचरण।

ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)

Ans : (d) जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर हुए। महावीर स्वामी का जन्म 540 ई. पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। महावीर स्वामी ने अपने उपदेश प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा में दिए। जैन धर्म में निर्वाण की प्राप्ति के लिए त्रिरत्न का अनुशीलन आवश्यक है। जैन धर्म के त्रिरत्न हैं–
(i) सम्यक् दर्शन (सही विश्वास) (ii) सम्यक् ज्ञान (सही ज्ञान)
(iii) सम्यक् आचरण (सुख दुःख में समभाव आचरण) जैन धर्म में ईश्वर की मान्यता नहीं है इसमें आत्मा की मान्यता है। महावीर स्वामी पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करते थे।

4. महाजनपद/मौर्य साम्राज्य/ मौर्योत्तर साम्राज्य (Maha Janpada/ Maurya Dynasty/ Post Maurya Dynasty)

- हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की राजगद्दी पर 544 ई.पू. (बौद्ध ग्रंथों के अनुसार) में बैठा था। प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक मगध के सम्राट बिम्बिसार के राजवैद्य थे। महात्मा बुद्ध की सेवा में बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य 'जीवक' को भेजा था। इसके अतिरिक्त जब अवन्ति प्रदेश के राजा प्रद्योत पाण्डु रोग से ग्रसित थे तब भी बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को उनकी सेवा के लिए भेजा था। जीवक 7 वर्ष तक तक्षशिला में चिकित्सा शास्त्र का अध्ययन किया था।
- नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रांतक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (परशुराम का अवतार) कहा गया है उसने 'एकराट' और 'एकच्छत्र' की उपाधि धारण की। महापद्मनंद के आठ पुत्रों में घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसी के समय सिकन्दर (325 ई.पू.) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। ग्रीक लेखकों ने घनानंद को 'अग्रमीज' कहा है। 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से घनानंद की हत्या कर मौर्यवंश के शासन की नीव डाली।
- हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु, बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु 492 ई.पू. में अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके गद्दी पर बैठा। अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था तथा प्रारम्भ में वह जैन धर्म का अनुयायी था परन्तु बाद में इसने बौद्ध धर्म अपना लिया। इसने राजगृह में स्तूपों का निर्माण करवाया और 483 ई.पू. राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया।

अशोक के अभिलेखों में वर्णित विषय

शिलालेख	वर्णित विषय
पहला	अहिंसा पर बल, पशुबलि की निंदा एवं समारोह पर प्रतिबंध।
दूसरा	समाज कल्याण हेतु कार्य, मनुष्यों एवं पशुओं के लिए चिकित्सा की व्यवस्था एवं पड़ोसी राज्य चोल-पाण्ड्य-सत्यपुत्र एवं केरलपुत्र का वर्णन
तीसरा	ब्राह्मणों तथा श्रमणों से उदारतापूर्ण व्यवहार। इसमें राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया गया कि वे हर पांचवें वर्ष दौरा पर जाएं।
चौथा	भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा की गई है। पशु हत्या को बहुत हद तक रोके जाने का दावा है।
पांचवां	शासन के 13वें वर्ष में धम्ममहामात्र नामक अधिकारी की नियुक्ति की चर्चा।
छठा	आत्म–नियंत्रण की शिक्षा दी गई है।
सातवां	सभी संप्रदायों के लिए सहिष्णुता।
आठवां	अशोक के धर्म (तीर्थ) यात्राओं का उल्लेख।
नौवां	सच्ची भेंट एवं सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख
दसवां	इसमें ख्याति एवं गौरव की निंदा की गई है तथा धम्मकीर्ति की श्रेष्ठता पर बल दिया गया है।
ग्यारहवां	धर्म के दान को सर्वोत्कृष्ट एवं धम्म की व्यख्या किया गया है।
बारहवां	सभी प्रकार के विचारों का सम्मान, विभिन्न सम्प्रदायों के बीच टकराव एवं महिला महामात्रों की नियुक्ति।
तेरहवां	कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय परिवर्तन की बात तथा पड़ोसी राजाओं का वर्णन है।
चौदहवां	अशोक ने जनता को धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

- बिहार की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। सम्राट अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने यहाँ साम्राज्य स्थापित कर अपनी राजधानी बनाई। जिससे पाटलिपुत्र सत्ता का केन्द्र बन गया। फाहियान ने अपने यात्रा वृतान्त में उसका जीवन्त वर्णन किया और मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया।
- चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ई.पू. में मौर्यवंश की नींव रखी और विशाल मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। चन्द्रगुप्त का साम्राज्य उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कर्नाटक तक तथा पूर्व में बंगाल से लेकर उत्तर-पश्चिम मे फारस (वर्तमान ईरान) तक फैला हुआ था। चंद्रगुप्त के शासन में चाणक्य को प्रधानमंत्री का पद प्राप्त था। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना की थी, जिसमें प्रशासनिक नियमों का उल्लेख किया गया है।
- मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने 305 ईसा पूर्व में सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। हार के बाद निकेटर ने अपनी पुत्री कोर्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी तथा हेरात एवं मकरान प्रान्त चन्द्रगुप्त को दिए।
- मेगस्थनीज सेल्यूकान निकेटर का राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त के दरबार में रहता था। इसकी पुस्तक इंडिका है।
- सम्राट अशोक (273-236 ईसा पूर्व) मौर्य वंश का तीसरा शासक था। कलिंग की विजय (261 ई.पू.) के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया। अशोक धम्म की नीति में विश्वास रखता था। उसकी लुम्बिनी की यात्रा और लुम्बिनी को कर से छूट देने का वर्णन रुम्मिनदेई स्तम्भ शिलालेख में किया गया है।
- सुदर्शन झील गुजरात के गिरिनार क्षेत्र में स्थित है। इस झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के आदेश से उसके गिरिनार में नियुक्त राज्यपाल 'पुष्यगुप्त वैश्य' ने करवाया था।
- अशोक प्राचीन भारत में मौर्य राजवंश का तीसरा राजा था। अशोक को 'देवानाम प्रिय' एवं 'प्रियदर्शी' आदि नामों से भी जाना जाता है।
- मौर्य शासक अशोक ने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई.पू.) में अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी।

मौर्यकालीन अधिकारी एवं संबंधित विभाग

अधिकारी	विभाग
सीताध्यक्ष	कृषि विभाग का अध्यक्ष
आकाराध्यक्ष	खानों का अध्यक्ष
लक्षणाध्यक्ष	मुद्रा विभाग का प्रधान
शुल्काध्यक्ष	व्यापारिक कर का प्रधान
मुद्राध्यक्ष	पासपोर्ट विभाग का अध्यक्ष
संस्थाध्यक्ष	व्यापारिक मार्गों का अध्यक्ष

- शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था। पुष्यमित्र शुंग मौर्यो का सेनापति था। उसने मौर्य के अन्तिम शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग द्वारा सत्ता प्राप्ति की तिथि 185 ई.पू. मानी जाती है। पुराणों के अनुसार उसका शासनकाल 36 वर्ष का था अर्थात् उसने 149 ई.पू. तक शासन किया। पुष्यमित्र शुंग उज्जैन का एक ब्राह्मण था इसके पुरोहित एवं प्रधानमंत्री महर्षि पतंजलि थे जिन्होंने दो बार अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन करवाया था। इण्डो यूनानी शासक मिनांडर को इसने पराजित किया था और भरहुत स्तूप का निर्माण भी करवाया था। पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी– अग्निमित्र → वसुज्येष्ठ →वसुमित्र → भद्रक → भागवत → देवभूति
- देवभूति अंतिम शासक था इसकी हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में करके कण्व वंश की स्थापना की थी।
- शक संवत 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया था, जबकि 319 ई. में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा गुप्त संवत का प्रारम्भ किया गया था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. राजा बिंबिसार के दरबार में उस प्रसिद्ध चिकित्सक का क्या नाम है जो भगवान बुद्ध के निजी चिकित्सक थे?

(a) अजातशत्रु (b) सारिपुत्त
(c) जीवक (d) राहुल

Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)

Ans. (c) बिम्बिसार हर्यक वंश का संस्थापक था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। इसके दरबार में प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक रहते थे, जिन्हें भगवान बुद्ध का निजी चिकित्सक के रूप में उनकी सेवा के लिए भेजा गया था। अजातशत्रु पूर्वी भारत में मगध के हर्यकवंश का एक राजा था वह बिंबिसार का पुत्र था।

2. निम्नलिखित में से कौन वह व्यक्ति हैं जिनका नाम 'देवानामपिय पियदस्सी' भी था?

(a) मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त (b) मौर्य सम्राट अशोक
(c) गौतम बुद्ध (d) भगवान महावीर

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1

Ans. (b) : मौर्य सम्राट अशोक को 'देवानामपिय पियदस्सी' भी कहा जाता है। यह बौद्ध धर्म के सबसे प्रतापी राजा थे। उनका शासनकाल 273 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व तक था।

3. राजा कनिष्क के शासनकाल के दौरान दरबारी चिकित्सक का नाम बताइए।

(a) सुश्रुत (b) कश्यप
(c) चरक (d) पतंजलि

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (c) : चरक कुषाण राजा कनिष्क के दरबारी चिकित्सक थे। वे आयुर्वेद के प्रख्यात विद्वान तथा कनिष्क के राजवैद्य थे। चरक कृत 'चरक संहिता' औषधि शास्त्र के ऊपर प्राचीनतम रचना है। उल्लेखनीय है कि कनिष्क की राजसभा में नागार्जुन, पार्श्व, वसुमित्र, मातृचेट आदि विद्वान निवास करते थे।

4. नगरपालिका प्रशासन की एक विस्तृत प्रणाली की स्थापना के लिए निम्नलिखित में से सबसे प्रसिद्ध राजा का नाम बताइए।

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) कनिष्क (d) अकबर

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (b) : मौर्य काल में नगरपालिका प्रशासन की विस्तृत प्रणाली की स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य को दिया जाता है। नगर शासन के लिए एक सभा होती थी, जिसका प्रमुख 'नागरक' अथवा 'पुरमुख्य' होता था। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र के नगर-परिषद की पाँच-पाँच सदस्यों वाली छः समितियों का उल्लेख किया है।

महत्वपूर्ण तथ्य-

प्रथम समिति - औद्योगिक कलाओं तथा कारीगरों का निरीक्षण करती थी।

द्वितीय समिति -विदेशी यात्रियों का भोजन, निवास, चिकित्सा का प्रबन्ध करती थी।

तृतीय समिति - जनगणना का हिसाब रखती थी।

चतुर्थ समिति - नगर के व्यापार वाणिज्य की देख-रेख करती थी।

पाँचवी समिति -उद्योग समिति थी जो वस्तुओं में मिलावट को रोकती थी।

छठी समिति - कर समिति थी जिसका काम क्रय-विक्रय की वस्तुओं पर कर वसूलना था।

5. अशोक के प्रधान शिलालेखों में सबसे बड़ा शिलालेख है–

(a) 11वां (b) 12वां
(c) 13वां (d) 14वां

लोअर द्वितीय- 06-03-2016

Ans: (c) अशोक (273 ई.पू.-232 ई.पू.) के प्रधान शिलालेखों में 13वाँ शिलालेख सबसे बड़ा है जिसमें अशोक के शासन के 8वें वर्ष होने वाले कलिंग युद्ध का वर्णन मिलता है।

5. गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

गुप्तकालीन अधिकारी

महासेनापति	सेना का सर्वोच्च अधिकारी
महापीलुपति	गजसेना का अध्यक्ष
महाश्वपति	अश्वसेना का अध्यक्ष
महासंधिविग्राहिक	युद्ध और शांति का मंत्री
दण्डपाशिक	पुलिस विभाग का मुख्य अधिकारी
चाट एवं भाट	साधारण कर्मचारी (पुलिस)
विनयस्थित स्थापक	धार्मिक मामलों का मुख्य अधिकारी
शौल्किक	शुल्क वसूलने वाला (व्यापार)
प्रस्तपाल	अभिलेखों को सुरक्षित रखने वाला अधिकारी
ध्रुवाधिकरण	राजस्व विभाग का अधिकारी

- चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई.) गुप्तवंश का प्रथम महान शासक था। वह गुप्त साम्राज्य का प्रथम स्वतंत्र शासक था, जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह कर अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया।

गुप्तकालीनः भूमि वर्गीकरण

क्षेत्र	खेती करने योग्य भूमि।
वास्तु	निवास करने योग्य भूमि
खिल	जो भूमि कृषि योग्य नहीं होती थी।
अप्रहत	जंगली भूमि
चारागाह	पशुओं के चरने के लिए छोड़ी गई भूमि

- चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई०) भारतीय इतिहास के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजाओं में से एक था, जिसे गुप्त वंश का प्रथम वास्तविक संस्थापक माना जाता है। वह गुप्त शासक घटोत्कच का पुत्र था, जिसने एक गुप्त संवत 319 ई. चलाया। उसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की और लिच्छिवी राज्य की राजकुमारी 'कुमार देवी' के साथ विवाह कर लिच्छिवियों की सहायता से शक्ति बढ़ाई।
- प्राचीन भारत में गुप्त शासक 'कुमार गुप्त' ने 450-470 ई. पू. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। प्राचीन भारत में यह शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था जहां हिन्दू व बौद्ध अनुयायी शिक्षा ग्रहण करते थे। यह यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में भी शामिल है।
- इलाहाबाद प्रशस्ति इसे 'प्रयाग प्रशस्ति' के नाम से भी जाना जाता है। समुद्रगुप्त का एक स्तंभ है जो इलाहाबाद में है तथा यह संस्कृत में लिखा गया है। इसकी रचना हरिषेण ने की थी। गुप्तकाल के राजनीतिक इतिहास के बारे में जानने के लिए यह महत्वपूर्ण अभिलेख स्रोतों में से एक है।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था। समुद्रगुप्त गुप्त वंश के चौथे राजा थे एवं उनके साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। समुद्रगुप्त एक कुशल योद्धा था। इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने उसे भारत का नेपोलियन कहा।

गुप्तकालीन प्रसिद्ध साहित्य एवं साहित्यकार

साहित्य	साहित्यकार	वर्णित विषय
अभिज्ञानशाकुन्तलम्	कालिदास	दुष्यन्त तथा शकुन्तला की प्रेम-कथा
मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास	अग्निमित्र तथा मालविका की प्रेम–कथा
विक्रमोवर्शीयम	कालिदास	पुरूरवा एवं उर्वशी की प्रेम कथा0
स्वप्नवासवदत्ता	भास	उदयन् तथा वासवदत्ता की कथा
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त	चन्द्रगुप्त मौर्य से संबंधित कथा
देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त	चन्द्रगुप्त व ध्रुवस्वामिनी के विवाह का वर्णन है
मृक्षकटिकम्	शूद्रक	ब्राह्मण चारूदत्त तथा गणिका वसंतसेना की कहानी।
आर्यभट्टीयम्, सूर्यसिद्धांत	आर्यभट्ट	गणित एवं खगोल विज्ञान से सम्बन्धित

- चीनी यात्री शुंग-युन 518 ई. में भारत आया और उसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध ग्रन्थों की प्रतियाँ प्राप्त की। ध्यातव्य है कि फाह्यान, ह्वेनसांग तथा इत्सिंग भी चीनी यात्री थे जिन्होंने भारत की यात्रा की। फाह्यान, चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' (375-415 ई.) के दरबार में आया। ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में (629 ई. के लगभग) भारत आया था। भारत आने वाले चीनी यात्री–
  - **(क) फाह्यान–** भारत में आने वाला यह प्रथम चीनी यात्री था, जो चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के समय भारत की यात्रा की। इसने 15 वर्षों तक बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन किया।
  - **(ख) शुंग युन–** यह 518 ईस्वी में भारत आया। इसने बंगाल व बिहार की तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक स्थितियों का वर्णन किया।
  - **(ग) इत्सिंग–** यह 671–693 ईस्वी तक भारत में रहा। यह चीनी बौद्ध यात्री था जो नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहा तथा त्रिपिटकों की 400 प्रतियाँ अपने साथ ले गया।
  - **(घ) माल्वेन लिन–** 7वीं शताब्दी में भारत आया। इसने हर्षवर्धन की पूर्वी भारत आक्रमण अभियान का वर्णन किया है।
  - **(ङ) चाउ-जू-कुआं–** यह 1125–1254 ईस्वी तक भारत में रहा। इसने अपनी रचना चू–फान–ची में 13वीं शताब्दी के चीनी–अरबी व्यापार पर प्रकाश डाला है।

गुप्तकाल के प्रमुख मन्दिर

मंदिर	स्थान
तिगवा का विष्णु मंदिर	जबलपुर (मध्य प्रदेश)
भूमरा का शिव मंदिर	नागौदा (मध्य प्रदेश)
पार्वती मंदिर	नचनाकुठार (मध्य प्रदेश)
दशावतार मंदिर	देवगढ़, झांसी (उत्तर प्रदेश)
भीतरगाँव का मंदिर	भीतरगांव, कानपुर (उत्तर प्रदेश)
लक्ष्मण मंदिर	सिरपुर-ईंटों से निर्मित (छत्तीसगढ)
उदयगिरि का विष्णु मंदिर	उड़ीसा

चन्द्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न

अमर सिंह	कालिदास	वेताल भट्ट
घटकर्पर	क्षपणक	वररुचि
शंकु	धन्वंतरि	वराहमिहिर

- प्रयाग प्रशस्ति कवि हरिषेण द्वारा समुद्रगुप्त के विषय में लिखी गयी है।
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त ने की थी।
- समुद्रगुप्त संगीत प्रेमी थे। इसके सिक्कों पर इसे वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. निम्नलिखित में से किस शासक के दरबार में बहुत से विद्वानों को 'नवरत्न' के रूप में अलंकृत किया गया था?

(a) चन्द्रगुप्त II (b) इनमें से कोई नहीं
(c) श्रीगुप्त (d) समुद्रगुप्त

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त II (375 ई.-415 ई.) के दरबार में बहुत से विद्वानों को नवरत्न के रूप में अलंकृत किया गया था। नवरत्नों में सम्मिलित विद्वान-धन्वन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, घटकर्पर, कालिदास, वेतालभट्ट, वररुचि और वाराहमिहिर उज्जैन में विक्रमादित्य के दरबार में थे। चन्द्रगुप्त द्वितीय ने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की थी।

2. निम्नलिखित में से किस शासक के दरबारी कवि हरिषेण थे?

(a) इनमें से कोई नहीं (b) समुद्रगुप्त
(c) स्कंदगुप्त (d) कुमारगुप्त

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (b) : हरिषेण, समुद्रगुप्त का दरबारी कवि था। ये चौथी शताब्दी के संस्कृत के महान कवि और गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त के मंत्री थे। इसके द्वारा ही 'प्रयाग प्रशस्ति' की रचना की गयी थी। प्रयाग प्रशास्ति गुप्त वंश के राजनीतिक इतिहास के बारे में जानने के लिए महत्वपूर्ण अभिलेखीय स्रोतों में से एक है। समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त प्रथम का पुत्र और उत्तराधिकारी था और गुप्त वंश का सबसे महान शासक था।

3. भारतीय इतिहास में धनवन्तरी कौन थे?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य के प्रसिद्ध सेनापति
(b) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य की सभा को सुशोभित करने वाले प्रसिद्ध चिकित्सक
(c) हर्ष के समय के एक प्रसिद्ध नाटककार
(d) इनमें से कोई नहीं

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-II]

Ans. (b) : भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध चिकित्सक धनवन्तरी गुप्त वंश के प्रतापी शासक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (375 ई. से 415 ई.) के दरबार में रहते थे। ये शल्य क्रिया के प्रवर्तक एवं प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य थे। चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में नवरत्नों में से एक धनवंतरी थे अन्य-क्षपणक, शंकु, बेतालभट्ट, घटकर्पर, वररूचि, अमरसिंह, वराहमिहिर एवं कालिदास थे।

4. विक्रम संवत् प्रारम्भ हुआ-

(a) 57 ई.पू. (b) 78 ई.पू.
(c) 57 ई. (d) 78 ई.

जूनियर इंजीनियर/तकनीकी- 31-07-2016

Ans. : (a) विक्रम संवत् अत्यन्त प्राचीन संवत् है। विक्रम संवत का प्रणेता सम्राट विक्रमादित्य को माना जाता है। जिन्होंने लगभग 57 ईसा पूर्व विक्रम संवत् का प्रारम्भ किया था।

संवत्	प्रारम्भ	प्रणेता
विक्रम संवत्	57 ई.पू.	विक्रमादित्य
शक संवत्	78 ई.	कनिष्क
हिजरी संवत्	622 ई.	मुहम्मद साहब

5. खगोलविद वराहमिहिर और कवि कालिदास किसके दरबार का हिस्सा थे?

(a) विक्रमादित्य (b) बिम्बिसार
(c) बिन्दुसार (d) पृथ्वीराज चौहान

व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)

Ans : (a) खगोलविद् वराहमिहिर और कवि कालिदास चन्द्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई0) के शासनकाल में प्रमुख कवि थे। समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त द्वितीय था। चन्द्रगुप्त द्वितीय का अन्य नाम देवगुप्त, देवराज, देवश्री तथा उपाधियाँ विक्रमांक, विक्रमादित्य, परमभागवत थी। चन्द्रगुप्त के दरबार में नौ विद्वानों की मण्डली निवास करती थी यथा– कालिदास, धनवन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेताल भट्ट, घटकर्पर, वराहमिहिर, वररुचि।

6. पुष्यभूति वंश (Pushyabhuti Dynasty)

हर्षवर्द्धन

- 16 वर्ष की आयु में हर्षवर्द्धन 606 ई. में पुष्यभूति वंश के सिंहासन पर विराजित हुए
- हर्षवर्द्धन की प्रथम राजधानी थानेश्वर थी।
- हर्ष ने शशांक को पराजित करके कन्नौज पर अधिकार कर लिया तथा कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।
- शशांक शैव धर्म का अनुयायी था। इसने बोधि वृक्ष को कटवा दिया।
- हर्ष चरित्र का लेखक बाणभट्ट, हर्षवर्द्धन का दरबारी कवि था। इनकी अन्य रचना – कादम्बरी है।

हर्ष का मंत्रिपरिषद्	
भण्डि	प्रधान सचिव
सिंहनाद	महासेनापति
कुन्तल	अश्वसेना का प्रधान
स्कन्दगुप्त	हस्तिसेना का प्रधान

हर्ष काल में बौद्ध धर्म से संबंधित तथ्य

- ह्वेनसांग नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने और बौद्ध ग्रंथ संग्रह करने के उद्देश्य से भारत आया था। ह्वेनसांग के समय शीलभद्र नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति थे।
- बोधगया के स्तूप ग्रेनाइट पत्थर के बने है।
- अमरावती स्तूप घंटाकृति में बना है। इसमें पाषाण के स्थान पर संगमरमर का प्रयोग हुआ है।
- नागार्जुनकोण्डा एवं जग्गरयमपेट्ट स्तूप इक्ष्वाकु शासको ने बनवाया।
- धमेक स्तूप (सारनाथ) धरातल पर ईंट से निर्मित स्तूप है।
- ह्वेनसांग के अनुसार गुप्त सम्राट नरसिंह गुप्त बालादित्य ने नालन्दा में 80 फुट ऊँची ताँबे की बुद्ध प्रतिमा को स्थापित करवाया।
- जावा के शैलेन्द्र शासक बालपुत्र देव ने पाल नरेश देवपाल की अनुमति से नालन्दा में जावा के भिक्षुओं के निवास के लिए एक विहार का निर्माण करवाया।
- फाह्यान ने नालन्दा में बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र की अस्थियों पर निर्मित स्तूप का उल्लेख किया है।
- ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है।

- बाणभट्ट सम्राट हर्ष वर्धन के दरबारी कवि थे। हर्षचरित एवं कादम्बरी इनके द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तके हैं। हर्षचरित में इन्होंने हर्षवर्द्धन के जीवन चरित्र का वर्णन किया है, जबकि कादम्बरी एक प्रसिद्ध उपन्यास है।
- एहोल अभिलेख से पता चलता है कि चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय का हर्षवर्धन से नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्षवर्धन पराजित हुआ।
- हर्ष को 'साहित्यकार सम्राट' कहा जाता है क्योंकि उसने तीन नाटक प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानन्द की रचना की।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान निम्नलिखित में से कौन-सी नई राजधानी थी जो थानेश्वर से स्थानांतरित हुई थी?

(a) कुरुक्षेत्र (b) मगध
(c) पाटलिपुत्र (d) कन्नौज

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (d) : हर्षवर्धन प्राचीन उत्तर भारत का एक सम्राट था जिसने 606 ई. से लेकर 647 ई. तक शासन किया। यह पुष्यभूति वंश का था। इन्होंने अपने शासनकाल में अपनी राजधानी थानेश्वर से कन्नौज स्थानांतरित किया था।

2. हर्षवर्धन ने '5 इंडीज' को अपने नियंत्रण में लिया। इनमें से कौन सा '5 इंडीज' था?

(a) पंजाब, कन्नौज, बंगाल, बिहार और जयपुर
(b) पंजाब, कन्नौज, बंगाल, बिहार और उड़ीसा
(c) पंजाब, कन्नौज, बंगाल, उत्तर प्रदेश और उड़ीसा
(d) राजस्थान, कन्नौज, बंगाल, बिहार और उड़ीसा

ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)

Ans : (b) हर्षवर्धन पुष्यभूति वंश का महान राजा था। इसने 606 से 647 ई. तक शासन किया। ह्वेनसांग के अनुसार, हर्ष ने उत्तर के 5 राज्यों पंजाब, कन्नौज, बंगाल, बिहार (मिथिला) और उड़ीसा तक अधिकार किया था। हर्षवर्धन ने कन्नौज को राजधानी बनाया। यह एक अच्छा नाटककार और कवि भी था। इन्होंने 'नागानंद', 'रत्नावली' और 'प्रियदर्शिका' नामक नाटक की रचना की है। ये विद्वान सम्भवतः उज्जैन दरबार को सम्बोधित करते थे जो चन्द्रगुप्त की द्वितीय राजधानी थी।

3. वह स्थल जहाँ हर्षवर्धन ने बौद्ध महा-सम्मेलन का आयोजन किया था?

(a) काशी (b) प्रयाग
(c) अयोध्या (d) सारनाथ

जूनियर इंजीनियर/तकनीकि - 27-12-2015

Ans. (b): प्रयाग, वह स्थल है, जहां हर्षवर्धन ने बौद्ध महा-सम्मेलन का आयोजन किया था। कहा जाता है कि वह हर पाँचवे वर्ष प्रयागराज में महामोक्षपरिषद का आयोजन करता था तथा भारी दान करता था। वर्तमान में इस महामोक्षपरिषद को कुंभ के तौर पर देखा जा सकता है।

4. कन्नौज से पूर्व हर्षवर्धन कहाँ का शासक था?

(a) कौशाम्बी (b) कुशीनगर
(c) श्रावस्ती (d) थानेश्वर

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (d) हर्षवर्धन अंतिम हिन्दू सम्राट था जिसने कश्मीर को छोड़कर समस्त उत्तरी भारत पर राज्य किया। हर्षवर्धन 606 ई. में थानेश्वर के सिंहासन पर बैठा तथा बाद में कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।

5. कनिष्क प्रथम के शासनकाल के दौरान कौन सा प्रसिद्ध आयुर्वेद विद्वान रहता था?

(a) पराशर (b) सुश्रुत
(c) चरक (d) धन्वन्तरि

ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)

Ans : (c) चरक एक महर्षि एवं आयुर्वेद विद्वान के रूप में विख्यात थे। वे कुषाण राज्य के राजवैद्य थे। इन्हें आयुर्वेद के पितामह के रूप में जाना जाता है। इनके द्वारा रचित चरक संहिता एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रन्थ है। ये कुषाण साम्राज्य के संस्थापक कनिष्क प्रथम (78 ई. से 105 ई.) के दरबार में रहते थे।

7. चोल/चालुक्य/पाल राजवंश/ विजय नगर साम्राज्य (Chola/ Chalukya/ Pal Dynasty/ Vijay Nagar Empire)

- चोल साम्राज्य (राजवंश) की स्थापना विजयालय ने की थी। उसने 8वीं शताब्दी में तंजौर साम्राज्य पर अधिकार कर लिया और पल्लवों को हराकर शक्तिशाली चोलों के उदय का नेतृत्व किया। चोलों के विषय में प्रथम जानकारी पाणिनी कृत अष्टाध्यायी से मिलता है।
- **चोल राजा राजराज प्रथम (985-1014 ई.)**- परान्तक द्वितीय का पुत्र एवं उत्तराधिकारी हुआ। उसने अपने पितामह परान्तक प्रथम की लौह व रक्त की नीति का पालन करते हुये राजराज की उपाधि धारण की। तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया।
- राजेन्द्र प्रथम (1015-1044 ई.) चोल वंश का शासक था। इसने संपूर्ण श्रीलंका को जीतकर वहां के शासक महेन्द्र पंचम को बन्दी बनाकर को चोल राज्य लाया। इसने पाल शासक महीपाल को पराजित किया तथा 'गगैंकोण्डचोल' की उपाधि धारण की। इसने कावेरी नदी के किनारे 'गंगैकोण्डचोलपुरम' नामक नयी राजधानी की स्थापना की। राजेन्द्र प्रथम की उपलब्धियों का वर्णन 'तिरुवालगांडु' और 'करंदाई' अभिलेख में मिलता है।
- पांड्य राजाओं की राजधानी 'मदुरै' थी। पांड्य वंश दक्षिण भारत में एक प्राचीन तमिल सम्राज्य था। इसका उल्लेख अष्टाध्यायी ग्रंथ से मिलता है। नेडियान इस वंश का प्रथम राजा था।
- नेंदुज चेलियन द्वितीय दक्षिण भारत के पांड्य वंश का प्रसिद्ध शासक था। इसे 'पसुम्पन पांडियन' के नाम से भी जाना जाता है। इसने पांड्य साम्राज्य का लगभग पश्चिमी तट तक विस्तार किया, जिससे उसे 'विदंबलम्बा नित्रा पांडियन' की उपाधि मिली।
- प्रारम्भ में राष्ट्रकूट कर्नाटक के चालुक्यो के अधीनस्थ (सामंत) थे। राष्ट्रकूट साम्राज्य का संस्थापक दन्तिदुर्ग था जिसने आठवीं शताब्दी के मध्य (752 ई.) चालुक्य शासक कीर्तिवर्मन को हराकर स्वतंत्र राज्य की स्थापना की तथा अपनी राजधानी मान्यखेत बनाई।

- चालुक्य वंश 6वीं शताब्दी से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण व मध्य भारत में शासन किया। इन्होंने अपनी प्रारम्भिक राजधानी एहोल (कर्नाटक) को बनाया गया। बाद में पुलकेशिन प्रथम ने राजधानी बादामी को बनाया था
- चालुक्य राजवंश की मुख्यतः तीन शाखाएँ थीं– जिनकी राजधानी क्रमशः–

शाखाएँ		**राजधानी**
बादामी/वातापी के चालुक्य (मूल शाखा)	–	बादामी
वेंगी के चालुक्य (पूर्वी शाखा)	–	वेंगी (पहले) राजमुंद्री (बाद में)
कल्याणी के चालुक्य	–	मान्यखेत

- **पुलकेशिन-II–** बादामी के चालुक्य वंश का चौथा व सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। उसने 'सत्याश्रय पृथ्वीवल्लभ महाराज' की उपाधि धारण की थी। पुलकेशिन द्वितीय के बारे में जानकारी उसके 'ऐहोल प्रशस्ति' अभिलेख से मिलती है। जिसमें उसके दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा रचित उसकी प्रशस्ति वर्णित है।
- पाल राजवंश के संस्थापक गोपाल थे। इस राजवंश ने बिहार और बंगाल पर लगभग 750 ई. से 1174 ई. तक शासन किया। वह बंगाल का पहला बौद्ध राजा था और वह बिहार के ओदंतपुरी में एक मठ का निर्माण किया था
- विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंशी राजा धर्मपाल ने की, यह वर्तमान बिहार के भागलपुर में है। इसके लेखों में इसे 'परमसौगत' कहा गया है। इसकी राजसभा में प्रसिद्ध बौद्ध लेखक 'हरिभद्र' निवास करता था।
- विक्रमशिला लगभग चार शताब्दियों से भी अधिक समय तक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का विश्वविद्यालय बना रहा। विश्वविद्यालय में अध्ययन के विशेष विषय व्याकरण, तर्कशास्त्र, मीमांसा, तंत्र आदि थे, मुस्लिम आक्रमकणकारी बख्तियार खिलजी ने 1193 के आस-पास इसे नष्ट कर दिया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय के भग्नावशेष बचे हुए हैं।
- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने स्थापना की। ये पहले काकतीय राजवंश के अन्तर्गत सामंत थे।
- कृष्णदेवराय (1509-1529) विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा थे। वे स्वयं कवि एवं कवियों के संरक्षक थे तेलुगू भाषा में उनका काव्य 'आमुक्तमाल्यद' साहित्य का एक रत्न है। तेलुगू भाषा के आठ प्रसिद्ध कवि उनके दरबार में थे जो 'अष्टदिग्गज' के नाम से प्रसिद्ध थे।
- हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह उत्तरी कर्नाटक में स्थित एक शहर था, जो हिन्दू और जैन धर्म का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है,यह तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित है। हम्पी-विजयनगर को 1500 ईस्वी के बीजिंग के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मध्ययुगीन शहर माना जाता था। 1986 में यूनेस्को को विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया गया।
- कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक थे। इन्ही के समय 1526 ई. में उत्तर भारत पर बाबर का आक्रमण और मुगल सत्ता का प्रारम्भ हुआ। बाबर ने अपनी आत्मकथा (तुजुक-ए-बाबरी) में कृष्णदेव राय को भारत का सबसे शक्तिशाली शासक बताया है। अपनी सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए इन्हें आंध्रभोज कहा जाता है।
- चन्द्रगिरि किला भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में तिरुपति के निकट चंद्रगिरि नामक स्थान पर स्थित एक दुर्ग है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में श्रीकृष्ण देवराय द्वारा कराया गया था।
- कृष्णदेव राय के समय में पुर्तगाली यात्री डुआर्ट बारबोसा और डोमिंगों पॉयस भारत आए थे। जिसने समकालीन भारत के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन का वर्णन किया था।
- विजयनगर कला का सबसे अच्छा उदाहरण हम्पी है। हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह नगर अब खडंहर के रूप में शेष है। भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित यह नगर विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. पाल साम्राज्य भारत के किस हिस्से से संबंधित है?

(a) पश्चिमी (b) पूर्वी
(c) दक्षिणी (d) उत्तरी

विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)

Ans. (b) : पाल साम्राज्य का विस्तार भारत के 'पूर्वी' हिस्से में था। पाल साम्राज्य मध्यकालीन भारत का एक महत्त्वपूर्ण राजवंश था जो कि 750–1174 ईस्वी तक चला। इस साम्राज्य की स्थापना गोपाल ने की थी। इस वंश की राजधानी मुंगेर थी। पाल वंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की।

2. पाल वंश का पहला शासक कौन था?

(a) देवपाल (b) रामपाल
(c) गोपाल (d) महीपाल

कृषि प्राविधिक - 15-02-2019

Ans : (c) पाल वंश का संस्थापक गोपाल था। वह एक योग्य और कुशल शासक था। गोपाल ने 750 से 770 ई. तक शासन किया। उसने ओदंतपुरी अर्थात वर्तमान बिहार शरीफ में एक मठ का निर्माण करवाया था।

3. निम्नलिखित में से कौन सा शिव मंदिर चोल शासकों के संरक्षण में नहीं बनाया गया था?

(a) नटराज मंदिर, चिदंबरम
(b) गोंडेश्वर मंदिर, सिन्नार
(c) पलाईवन्नाथर मंदिर, तंजावुर
(d) बृहदेश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलपुरम

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (b) : नटराज मंदिर (चिदंबरम) पलाईवन्नाथर मंदिर, तंजावुर और बृहदेश्वर मंदिर (गंगैकोंड चोलपुरम) को चोल शासकों के संरक्षण में बनवाया गया था जबकि गोंडेश्वर मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में यादव वंशीय राजकुमार राजगोविंद ने करवाया था। यह शिव मंदिर महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले के सिन्नार तालुका गाँव में स्थित है।

4. महोदयपुरम के चेर साम्राज्य में बोली जाने वाली संभावित भाषा .... थी?

(a) मलयालम (b) तमिल
(c) संस्कृत (d) फारसी

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (a) : महोदयपुरम के चेर साम्राज्य में बोली जाने वाली संभावित भाषा मलयालम थी। महोदयपुरम में चेर साम्राज्य की स्थापना 10वीं शताब्दी में दक्षिण-पश्चिमी प्रायद्वीपीय हिस्सों में की गई थी, जो वर्तमान केरल का हिस्सा था। इसके शासकों ने अपने

उत्कीर्णन में मलयालम भाषा का प्रयोग किया। जिस अवधि में संगम साहित्य संकलित किया गया था उसे संगम काल के रूप में जाना जाता है। संगम काल के दौरान तीन प्रमुख तमिल राज्य चेर, चोल और पांड्य थे।

5. सिंचाई के लिए सोलह मील लम्बी 'चोल झील' का निर्माण इनमें से किस चोल शासक ने करवाया था?

(a) अधिराज (b) राजेन्द्र प्रथम
(c) राजराज प्रथम (d) इनमें से कोई नहीं

चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)

Ans: (b) सिंचाई के लिए सोलह मील लम्बी 'चोल मण्डलम झील' का निर्माण 'राजेन्द्र प्रथम' (1014 से 1044 ई.) ने किया था इसकी अन्य उपलब्धियाँ लंका के अभियान को पूर्ण कर राजा महेन्द्र को बन्दी बनाना तथा पांड्य व केरल राज्यों में प्रतिनिधि मण्डल भेजना और 'गंगैकोण्डचोल' की उपाधि धारण करना था।

6. कौन-सा साहित्य संगम साहित्य के रूप में प्रसिद्ध है?

(a) तमिल साहित्य (b) वैदिक साहित्य
(c) उर्दू साहित्य (d) संस्कृत साहित्य

लोअर प्रथम- 28-02-2016

Ans: (a) तमिल भाषा में लिखे गये प्राचीन साहित्य को संगम साहित्य कहा जाता है। सर्वप्रथम इन परिषदों का आयोजन पाण्ड्य राजाओं के राजकीय संरक्षण में किया गया था। संगम का महत्वपूर्ण कार्य होता था, उन कवियों तथा लेखकों की रचनाओं का अवलोकन करना जो अपनी रचनाओं को प्रकाशित करना चाहते थे।

7. विजयनगर की प्रचलित परंपराओं के अनुसार, राय (विजयनगर के शासकों) को कहा जाता था-

(a) प्रजापति (b) अश्वपति
(c) मेघपति (d) नरपति

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (d) : विजयनगर की प्रचलित परंपराओं के अनुसार, राय (विजयनगर के शासकों) को नरपति, (लोगों का स्वामी) कहा जाता था।
अश्वपति-विजयनगर के लोकप्रिय परंपराओं में दक्कन के सुल्तानों को घोड़ों के स्वामी (अश्वपति) कहा जाता था।

8. तुलुव राजवंश की स्थापना किसने की ?

(a) नरसा नायक (b) कृष्णदेव राय
(c) अच्युत राय (d) वीर नरसिंह

लोअर तृतीय - 26-06-2016

Ans: (d) तुलुव वंश (1505–1565 ई) की स्थापना नरसा नायक के पुत्र 'वीर नरसिंह' ने की थी। इतिहास में इसे 'द्वितीय बलापहार' की संज्ञा दी गयी है। तुलुव वंश विजयनगर का तीसरा राजवंश था। तुलुव वंश के 6 शासकों ने 60 वर्ष तक शासन किया।

9. किस प्राचीन साम्राज्य में महिलाएँ कुश्ती में भाग लेती थीं?

(a) बहमनी साम्राज्य (b) विजयनगर साम्राज्य
(c) चोल साम्राज्य (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (b) विजयनगर साम्राज्य (1336–1646) मध्यकालीन दक्षिण भारत का एक साम्राज्य था। इसकी स्थापना हरिहर प्रथम और बुक्का राय नामक दो भाइयों ने की थी। इस प्राचीन साम्राज्य की महिलाएं कुश्ती में भाग लेती थीं।

8. राजपूत काल (Rajput Period)

- चाहमान या चौहान वंश ने 12वीं शताब्दी में दिल्ली और अजमेर के आस-पास के क्षेत्र पर शासन किया। सबसे प्रसिद्ध चाहमान शासक पृथ्वीराज तृतीय (1168-1192) थे, जिन्होंने वर्ष 1191 में मुहम्मद गोरी नामक अफगान शासक को तराइन के प्रथम युद्ध में पराजित किया था। किन्तु तराइन के द्वितीय युद्ध जो वर्ष 1192 में हुआ था जिसमें मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज को पराजित कर दिया था
- राजा भोज (1000-1055 ई.) परमार राजवंश के सबसे बड़े शासक तथा शिक्षा एवं साहित्य के अनन्य उपासक थे। इन्होंने धार जिले (मध्य प्रदेश) में एक महाविद्यालय की स्थापना की, जिसे बाद में भोजशाला के रूप में जाना जाने लगा। यहाँ दूर-दूर से छात्र अपनी बौद्धिक प्यास बुझाने के लिए आते थे।
- जयमल और फत्ता वे योद्धा थे जिन्हें चित्तौड़ के किले की रक्षा करने का प्रभार सौंपा गया था। चित्तौड़गढ़ किले के अंदर स्थित जयमल और फत्ता का महल राजपूतों की शौर्य और वीरता का प्रतीक है।
- शाका और जौहर प्रथाएँ राजपूतों में प्रचलित थीं। शाका अनुष्ठान पुरुषों और जौहर अनुष्ठान राजपूत महिलाओं द्वारा किया जाता था। जब हार निश्चित हो जाती थी, तो राजपूत पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके। यह जौहर होने के एक दिन बाद किया जाता था जिसमें योद्धा केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर मैदान में उतरते थे जो भारतीय संस्कृति में बलिदान का प्रतीक है।
- पृथ्वीराज चौहान ने अपने शत्रु जयचंद गहड़वाल की पुत्री संयोगिता (संयुक्ता) का उसके स्वयंवर से अपहरण करके उससे विवाह किया। इसके पश्चात पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को युद्ध में परास्त किया। इस घटना का वर्णन पृथ्वीराज के दरबारी कवि चंदबरदाई की रचना 'पृथ्वीराज रासो' में मिलता है।

- जब हार निश्चित हो जाती थी, तो__________पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके। **राजपूत**
- मारवाड़ के राजपूत साम्राज्य से संबंध नहीं रखता था– **राणा कुंभा**
- चित्तौड़ का कीर्ति स्तम्भ का निर्माण कराया था– **राणा कुंभा ने**
- पृथ्वीराज चौहान का दरबारी कवि था– **चंदबरदाई**
- 1192 में सुल्तान मुहम्मद गोरी को हराने वाले पृथ्वीराज तृतीय ___________वंश के राजा थे– **चाहमान**
- उस कवि का नाम बताइए जिसने ''पृथ्वीराज रासो'' नामक एक कविता लिखी थी, जिसमें पृथ्वीराज चौहान के जीवन का वर्णन है– **चंद बरदाई**
- दो प्रमुख शहर चाहमानों के नियंत्रण में थे– **दिल्ली तथा अजमेर**
- 1191 ई. में सुल्तान मोहम्मद गोरी को पराजित करने वाले सबसे प्रसिद्ध चौहान शासक कौन थे– **पृथ्वीराज III**
- तराइन का युद्ध............ वर्ष में लड़ा गया था– **1191**
- तराईन का युद्ध पृथ्वीराज चौहान और............ के बीच लड़ा गया था– **मुहम्मद गोरी**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. 12वीं शताब्दी के आरंभ में दिल्ली पर किसका शासन था?

(a) तोमर वंश (b) खिलजी वंश
(c) सैय्यद वंश (d) तुगलक वंश

विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)

Ans. (a) : 12वीं शताब्दी के आरंभ में दिल्ली पर तोमर वंश का शासन था। अनंगपाल दिल्ली के तोमर वंश के संस्थापक थे। इस वंश के अंतिम शासक तेजपाल द्वितीय थे। तोमर, तंवर या कुंतल उत्तर पश्चिम भारत का एक गोत्र है जो जाट, गुर्जर और राजपूत जातियों में पाया जाता है।

2. जयचंद के विश्वासघात के कारण पृथ्वीराज चौहान की पराजय हुई। कालांतर में जयचंद कहाँ और कब मारा गया?

(a) तराईन, 1192 (b) चंदावर, 1194
(c) कन्नौज, 1194 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (b) 1194 ई. में मो. गौरी कन्नौज के शासक जयचंद पर आक्रमण करने के लिए भारत आया। कन्नौज और इटावा के बीच चंदावर नामक स्थान पर गौरी और जयचंद के बीच युद्ध हुआ। जयचंद युद्ध में पराजित हुआ और मारा गया। कन्नौज के राठौर वंश का शासक जयचन्द ने तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान का साथ नहीं दिया क्योंकि उन्होंने उसकी पुत्री का अपहरण किया था।

3. निम्न में से कौन-से वंश ने भारत के दक्षिण भाग पर शासन नहीं किया है?

(a) चेर (b) पांड्य
(c) राजपूत (d) चोल

स्टेनोग्राफर- 10-03-2019

Ans : (c) राजपूत वंश ने भारत के दक्षिण भाग पर शासन नहीं किया। 7वीं-12वीं शताब्दी तक का काल 'राजपूत काल' कहलाता है। इस काल के महत्वपूर्ण राजपूत वंशों में राष्ट्रकूट वंश, चालुक्य वंश, चौहान वंश, चंदेल वंश, परमार वंश एवं गहड़वाल वंश आदि आते हैं। राजपूत वंश ने भारत के उत्तर भाग पर शासन किया जैसे, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश इत्यादि।

9. प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art & Literature)

- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्तवंश के प्रसिद्ध शासकों में से कुमार गुप्त प्रथम ने की। यह विश्वविद्यालय प्राचीन काल में भारत के मगध प्रान्त (वर्तमान बिहार) में बौद्ध अध्ययन के लिए समर्पित था, यहाँ छात्रों को ललित कला, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, राजनीति और युद्ध की कला में भी प्रशिक्षित किया जाता था।
- तमिलनाडु के तंजावुर में स्थित बृहदेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली द्रविड़ वास्तुकला है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। यह भारत के दक्षिणी भाग में सबसे बड़ा मंदिर है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया है। इस मंदिर का निर्माण 1003 से 1010 ई. के बीच राजराज प्रथम ने करवाया था।
- पंचायतन शैली, मंदिर निर्माण की एक शैली है जिसमें एक केन्द्रीय मंदिर होता है जो चार अन्य मंदिरों से घिरा होता है। इसमें एक मुख्य मंदिर होता है जो चार सहायक मंदिरों से घिरा रहता है। इस शैली के मंदिर के उदाहरण-खजुराहों में लक्ष्मण मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर, दशावतार मंदिर आदि
- वल्लभी विश्वविद्यालय गुजरात राज्य के भावनगर जिले में स्थित है यह भी बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय से सम्बन्धित रहा। यहाँ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने लगभग 7वीं सदी में यात्रा किया था। : होयसलेश्वर मंदिर कर्नाटक के हलेबिड में स्थित है। इसे 1150 ई. में होयसल राजा द्वारा काले शिस्ट पत्थर (Dark Schist Stone) से बनवाया गया था। यूनेस्को ने इस मंदिर को 2023 में विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।
- नागार्जुनी गुफाओं का निर्माण अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईस्वी पूर्व में बिहार के गया जिले में स्थित नागार्जुनी चट्टानों को काटकर करवाया गया। इन गुफाओं को अशोक ने आजीवक सम्प्रदाय के भिक्षुओं के निवास के लिए बनवाया था।
- राजस्थान के माउंट आबू मे दिलवाड़ा मंदिर (Dilwara Temple) जैन मंदिर शैली (Temple architecture) का एक जीता-जागता उदाहरण है। इस मंदिर का निर्माण लगभग 1088 ई. में विमलशाह के शासन काल के दौरान किया गया था।
- तवांग मठ अरुणाचल प्रदेश में स्थित है। यह भारत में स्थित सबसे बड़ा बौद्ध मठ है तथा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मठ है। कुछ अन्य प्रमुख मठ निम्न राज्यों में स्थित है–

हेमिस मठ	-	जम्मू कश्मीर
ताबो मठ	-	हिमाचल प्रदेश
बैलकुप्पे मठ	-	कर्नाटक
धूम मठ	-	पश्चिम बंगाल

- तीन विभिन्न कालों मौर्य काल, गुप्त काल और मुगल काल के शिलालेखों से युक्त एक स्तम्भ इलाहाबाद (प्रयागराज) में स्थित है। अशोक स्तम्भ पर तीन शासकों के लेख खुदे हुए है। इस पर मौर्य सम्राट अशोक, गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त की प्रशस्ति तथा मुगल सम्राट जहाँगीर तथा बीरबल के लेख भी मिलते हैं।
- कोणार्क का सूर्य मन्दिर (इसे अंग्रेजी में ब्लैक पैगोडा भी कहा गया है) भारत में उड़ीसा राज्य के पुरी नामक शहर में स्थित है। इस मंदिर परिसर का आकार भव्य रथ के समान है जिसमें पत्थर के नक्काशीदार पहिये स्तम्भ और दीवारें हैं। इसे गंग वंश के राजा नरसिंह देव द्वारा बनवाया गया था।
- मेगस्थनीज द्वारा लिखित पुस्तक इंडिका में मौर्य वंश के शासन के समय के भारत का वर्णन है। टॉलमी ने भूगोल, प्लिनी का नेचुरल हिस्टोरिका प्रमुख पहली सदी के प्रमुख लेखक हैं। लगभग इसी समय स्ट्रैबो ने ज्योग्राफिका की रचना की थी।
- पूर्व मीमांसा स्कूल ऑफ फिलासफी की स्थापना प्राचीन भारत में जैमिनी द्वारा की गई थी। यह दर्शन न्याय-वैशेषिक प्रणालियों को शामिल करता है और वैध ज्ञान की अवधारणा पर जोर देता है। इसके अनुसार वेद शाश्वत है और सभी ज्ञान से युक्त है।

- प्रयाग प्रशस्ति की रचना कवि हरिषेण द्वारा की गई थी, जो समुद्रगुप्त के दरबारी कवि और मंत्री थे। इस प्रशस्ति की भाषा संस्कृत तथा लिपि ब्राह्मी है।
- अभिज्ञान शाकुन्तलम् न केवल संस्कृत साहित्य का, अपितु विश्व साहित्य का सर्वोत्कृष्ट नाटक है। यह कालिदास की अंतिम रचना है।
- कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी एक संस्कृत ग्रंथ है। इसमें कश्मीर के इतिहास का विस्तृत वर्णन है।
- 'शिलप्पादिकारम्' को तमिल साहित्य के प्रथम महाकाव्य के रूप में जाना जाता है।
- अलबेरूनी ईरानी मूल का एक फारसी लेखक था। इसने अनेक रचनायें मातृभाषा फारसी में की। वह महमूद गजनवी के साथ भारत आया था। इनकी कृतियाँ हैं– किताब-उल-हिन्द (अरबी भाषा में)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. प्रसिद्ध विरूपाक्ष मंदिर कहां स्थित है?

(a) हैलेबिडु (b) पापनासम
(c) बादामी (d) हम्पी

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022
चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)

Ans. (d) : विरुपाक्ष मंदिर कर्नाटक राज्य के हम्पी (पट्टडकल) में तुंगभद्रा नदी के किनारे पर स्थित है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव के रूपों में से एक 'विरुपाक्ष' को समर्पित है। यह मंदिर विक्रमादित्य द्वितीय की रानी लोका महादेवी देवी द्वारा बनवाया गया था। मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली में ईंट और चूने से बना है।

2. खजुराहो समूह के प्रसिद्ध स्मारक किस राज्य में है?

(a) उत्तर प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
(c) राजस्थान (d) महाराष्ट्र

लोअर द्वितीय - 15-07-2018

Ans. (b) : खजुराहो समूह के प्रसिद्ध स्मारक मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले में स्थित है। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण 900 ई. से 1130 ई. के मध्य चन्देल राजाओं द्वारा करवाया गया था। यहाँ के मंदिरों में कंदरिया महादेव का मंदिर सर्वोत्तम है।

3. ______ मंदिर एलोरा, महाराष्ट्र में स्थित एक प्राचीन हिंदू मंदिर है जो चट्टानों को काटकर बनाए गए सबसे बड़े मंदिरों में से एक है।

(a) पातालेश्वर (b) भैरव
(c) दूधनाथ (d) कैलाश

राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)

Ans : (d) कैलाश या कैलाशनाथ मंदिर दुनिया में सबसे बड़ा एकाश्मक मंदिर है, जो एलोरा की गुफाओं (महाराष्ट्र) में स्थित है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

4. मथुरा कला स्कूल कब अपने शिखर पर पहुँचा?

(a) वैदिक काल में (b) मौर्यकाल में
(c) मुगल काल में (d) कुषाण काल में

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (d) मथुरा कला का जन्म कनिष्क के समय हुआ। मथुरा कला स्कूल कुषाण काल में अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुँचा। इसमें लाल बलुए पत्थर का प्रयोग हुआ है इसमें आदर्शवादी कला और सौन्दर्य को प्रधानता दी गई। इसमें मूर्तियों को भारी भरकम कपड़े से ढक दिया जाता था। इस कला में देवताओं की मूर्तियों में आध्यात्मिकता और भौतिकता दोनों दिखाई देती है। मथुरा कला में सभी धर्मों के देवी देवताओं की मूर्तियाँ बनी हैं, जैसे - कृष्ण, विष्णु, बुद्ध, दुर्गा, शिव, गणेश आदि। किन्तु सर्वाधिक मूर्तियाँ बुद्ध की बनायी गयी हैं।

5. प्रसिद्ध संस्कृत ग्रंथ लीलावती, किस विषय पर लिखा गया है?

(a) नागरिक शास्त्र (b) भूगोल
(c) गणित (d) अर्थशास्त्र

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (c) : प्रसिद्ध संस्कृत ग्रन्थ लीलावती का विषय गणित और खगोलशास्त्र है। यह एक प्राचीन ग्रन्थ है जो भारतीय गणितज्ञ भास्कर द्वितीय द्वारा लिखा गया। उल्लेखनीय है कि साल 2020 में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा लीलावती पुरस्कार का शुभारम्भ किया जो कि महिला सशक्तीकरण के मद्देनजर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) का एक अभिनव शिक्षा कार्यक्रम है। इसमें 625 श्लोक हैं साथ ही यह सिद्धान्त शिरोमणि का एक अंग भी है।

6. "माल्विकाग्निमित्रम" पुस्तक किसने लिखी है?

(a) भारवि (b) दण्डी
(c) भास (d) कालिदास

[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]

Ans. (d)

पुस्तक		लेखक
माल्विकाग्निमित्रम्	-	कालिदास
दशकुमारचरितम्	-	दण्डी
स्वप्न वास दत्ता	-	महाकवि भास
किरातार्जुनीयम्	-	भारवि

7. 'कादम्बरी' के लेखक कौन हैं?

(a) कालिदास (b) कौटिल्य
(c) हर्ष (d) बाण

जूनियर इंजीनियर/तकनीकी- 31-07-2016

Ans. : (d) कादम्बरी संस्कृत साहित्य का महान आख्यायिका है। इसके रचनाकार बाणभट्ट हैं। इन्होंने 'हर्षचरित' की भी रचना की थी।

8. विशाखदत्त द्वारा लिखित 'मुद्राराक्षस' कौन-सी भाषा में लिखा गया?

(a) तमिल (b) पालि
(c) संस्कृत (d) हिन्दी

राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)

Ans : (c) मुद्राराक्षस चौथी शताब्दी पूर्व में रचित संस्कृत का ऐतिहासिक नाटक है। इसके रचयिता विशाखदत्त हैं। इसमें चाणक्य और चन्द्रगुप्त की राजनीतिक सफलताओं का विश्लेषण है। इस ऐतिहासिक नाटक को हिन्दी में रूपान्तरित करने का श्रेय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को प्राप्त है।

9. मेगस्थनीज, जिसने भारत के बारे में प्रसिद्ध ग्रंथ इंडिका लिखी है, वह मूल रूप से किस देश का था?

(a) पुर्तगाल (b) ग्रीस
(c) मिस्त्र (d) तुर्की

Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)

Ans. (b) : मेगस्थनीज चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में 304 ई.पू. में आया था। उसने जो कुछ भारत में देखा, उसका वर्णन उसने 'इंडिका' नामक पुस्तक में किया है। मेगस्थनीज यूनान (ग्रीस) का निवासी था जो सेल्युकस का राजदूत बनकर भारत आया था।

10. अरबों का आक्रमण (Arab's Invasion)

- अरबों के भारत पर हमले के प्रथम प्रमाण 636-37 ई. के आसपास मिलते है, लेकिन इन हमलो का उद्देश्य सिर्फ लूटमार करने तक ही सीमित था, न कि राज्य विस्तार करना। 711-12 ई. में अरबो ने मुहम्मद बिन- कासिम के नेतृत्व में सिंध पर आक्रमण किया। मुहम्मद बिन कासिम ने 'रावर' के युद्ध में राजा दाहिर को पराजित करने के बाद तत्कालीन सिंध की राजधानी आलोर पर कब्जा कर लिया।
- महमूद गजनवी (998-1030) मध्य अफगानिस्तान में केन्द्रित गजनवी वंश का महत्वपूर्ण शासक था, जो पूर्वी ईरान में साम्राज्य विस्तार के लिए जाना जाता है। 998 ई. में जब महमूद गजनवी सिंहासन पर बैठा, तो उसने प्रत्येक वर्ष भारत पर आक्रमण करने की प्रतिज्ञा की। इतिहासकार हेनरी इलियट ने महमूद गजनवी के 17 आक्रमणों का वर्णन किया है। महमूद गजनवी का भारत पर प्रथम आक्रमण 1001 ई. में हिन्दूशाही शासक जयपाल पर हुआ। जिसमें महमूद गजनवी को विजय प्राप्त हुई। महमूद का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर हुआ था।
- महमूद गजनवी का सबसे चर्चित आक्रमण सोमनाथ मंदिर (सौराष्ट्र) पर 1025-26 ईस्वीं में हुआ। इस समय गुजरात का शासक भीम-I था।
- गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र के वेरावल में स्थित सोमनाथ मन्दिर (देव पाटन के नाम से भी जाना जाता है) शिव के बारह ज्योतिर्लिंग मन्दिरों में से पहला माना जाता है। ऋग्वेद के अनुसार इस मन्दिर का निर्माण राजा चन्द्रदेव ने करवाया था। प्राचीन समय में इस मन्दिर पर कई बार आक्रमण (लूटा) किये गये, जिसमें 1025 में महमूद गजनी द्वारा किया गया आक्रमण विख्यात है। ऐसा माना जाता है कि इस मन्दिर को 17 बार लूटा गया और नष्ट किया गया।
- चंदावर का युद्ध मुहम्मद गौरी और गहड़वाल वंश के कन्नौज के राजा जयचन्द के बीच हुआ था इस युद्ध में जयचंद की पराजय हुई।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. मुहम्मद गोरी किस वर्ष पृथ्वीराज तृतीय से पराजित हुआ था?

(a) 1471 (b) 1191
(c) 1391 (d) 1061

विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)

Ans. (b) : पृथ्वीराज चौहान तृतीय ने 1191 ई. में तराइन के प्रथम युद्ध में मुस्लिम शासक शिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी को पराजित किया। तराइन के दूसरे युद्ध (1192) में वह मुहम्मद गोरी से पराजित हुआ और भारत में तुर्की राज्य की स्थापना हुई।

2. पहली बार भारत पर आक्रमण करने वाला मुस्लिम कौन था?

(a) फिरदौस शाह (b) मुहम्मद गौरी
(c) मोहम्मद बिन कासिम (d) महमूद गजनवी

लोअर तृतीय - 26-06-2016

Ans: (c) भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी मुहम्मद-बिन-कासिम था। 711 ई. में ओबैदुल्लाह और बुदैल के नेतृत्व में सिंध के क्षेत्र पर अरबों का पहला असफल आक्रमण हुआ, अरबों ने 712 ई. में 17 वर्षीय मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में दाहिर को परास्त कर सिंध पर विजय पायी। भारत पर अरब आक्रमण के साक्ष्य 'चचनामा' और मीर मुहम्मद मासूम की पुस्तक 'तारीखे सिन्ध या मासूमे सिंध' से प्राप्त होती है।

3. नालन्दा, 'प्राचीन शिक्षण एवं मठ का एक केन्द्र' कब नष्ट हो गया?

(a) 600 ईस्वी (b) 980 ईस्वी
(c) 1200 ईस्वी (d) 1527 ईस्वी

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (c) नालंदा विश्वविद्यालय बिहार (मगध) में स्थित महत्वपूर्ण बौद्ध शिक्षा का केन्द्र था। नालन्दा प्राचीन शिक्षण एवं मठ का एक केन्द्र 1200 ई. में नष्ट हुआ। इसको 1193 ई॰ में ऐबक के एक सेनापति बख्तियार खिलजी ने नष्ट कर दिया।

11. दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)

- मध्यकालीन भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत के प्रथम राजवंश जिसकों गुलाम वंश या मामलुक वंश के नाम से जाना जाता है।
- 1206 से 1526 ई. तक भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश-
  1. गुलाम वंश/ मामलुक वंश/ इल्बरी वंश (1206-1290)
  2. खिलजी वंश (1290-1320)
  3. तुगलक वंश (1320 - 1414)
  4. सैयद वंश (1414 - 1451)
  5. लोदी वंश (1451 - 1526)
- कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली सल्तनत का संस्थापक और गुलाम वंश का पहला सुल्तान था। इसका कार्यकाल 1206-1210 ई. तक था। यह मोहम्मद गोरी का गुलाम और सेनापति था। 1206 ई. में मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया तथा कुतुबमीनार की नींव रखी। कुतुबुद्दीन की मृत्यु के बाद 1210 ई. में आरामशाह गुलाम वंश का शासक बना। परन्तु उसकी हत्या कर इल्तुतमिश (कुतुबुद्दीन का दामाद और गुलाम) शासक बना था। इल्तुतमिश ने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।
- यह मुस्लिम एवं तुर्की इतिहास की पहली महिला शासक थी।
- रजिया को दिल्ली सल्तनत के सिंहासन से 1240 में हटाया गया था।
- सल्तनत काल के गुलामवंशी शासक उलूग खाँ ने 'बलबन' की उपाधि धारण की थी। उलूग खाँ को नासिरुद्दीन महमूद ने यह

उपाधि प्रदान की थी। बलबन ने राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। बलबन ने दरबार में सिजदा एवं पाबोस प्रथाओं को लागू किया तथा 'नवरोज' त्योहार मनाना प्रारम्भ किया। बलबन ने एक सैन्य विभाग 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना की थी।

- बलबन ने प्रशासन के लिये 'रक्त एवं लौह नीति' अपनायी। गयासुद्दीन बलबन जाति से इल्बरी तुर्क था। बलबन ने एक नये राजवंश 'बलबनी वंश' की स्थापना की थी।
- खिलजी वंश का संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था।
- दक्षिण भारत में सैन्य अभियान शुरू करने वाला दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी था। उस समय दक्षिण भारत में तीन महत्वपूर्ण शक्तियाँ थीं- देवगिरि के यादव, दक्षिण-पूर्व तेलंगाना के काकतीय तथा द्वारसमुद्र के होयसल। अलाउद्दीन खिलजी के ये तीनों अभियान सफल रहे।
- अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान वस्त्र बाजार को सराय-ए-अदल के रूप में जाना जाता था
- दिल्ली सल्तनत में अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिकों के लिए दाग और हुलिया प्रथा तथा नकद भुगतान व्यवस्था की शुरूआत की थी। दीवान-ए-आरिज प्रत्येक सैनिक की नामावली एवं हुलिया रखता था।
- मध्यकालीन भारतीय शासकों में 'अलाउद्दीन खिलजी अपनी बाजार नियंत्रण नीतियों के लिए जाना जाता है। अलाउद्दीन खिलजी ने अपने सैनिकों के भरण–पोषण हेतु दिल्ली के आस–पास के क्षेत्रों में बाजार नियंत्रण की नीति को लागू किया ताकि कम वेतन देने पर भी सैनिकों की गृहस्थी सुचारू रूप से चल सके।
- गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन के शासनकाल में पंजाब (पश्चिमोत्तर प्रांत) प्रांत का राज्यपाल था। इसी ने खिलजी वंश के पश्चात 1320 ई. में 'तुगलक वंश' की स्थापना की।
- वर्ष 1326-27 ई. में, मुहम्मद-बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से महाराष्ट्र में देवगिरी स्थानांतरित कर दी, जिसका नाम बदलकर दौलताबाद कर दिया।
- मुहम्मद बिन तुगलक (1325 ई.–1351 ई.) अपने पिता गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से 1325 ई. में गद्दी पर बैठा। इसका मूल नाम 'उलूग खाँ' था। राजमुंदरी के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खाँ/जौना खाँ) को 'दुनिया का खान' कहा गया है।
- 1333 ई. में मोरक्को (अफ्रीका) का प्रसिद्ध यात्री 'इब्न बतूता' भारत आया। मुहम्मद-बिन-तुगलक ने इसे 'दिल्ली का काजी' नियुक्त किया, जो 8 वर्षों तक इस पद पर कार्य किया
- तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरूद्दीन महमूद के शासन काल में तैमूर या तामेरलेन ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था।
- तुगल वशं में कुल 9 शासक थे जो निम्न हैं-
  (1) गयासुद्दीन तुगलक (1320-25ई.)
  (2) मुहम्मद-बिन तुगलक (1325-51 ई.)
  (3) फिरोज शाह तुगलक (1351-88)
  (4) गयासुद्दीन (1389)
  (5) अबूबक्र (1389-90)
  (6) मुहम्मद शाह - III (1390-1394)
  (7) अलाउद्दीन सिकंदर शाह -I (1394)
  (8) नुसरत शाह (1394-1397)
  (9) नासिरुद्दीन महमूद (1398-1413)
- सैय्यद वंश की स्थापना 1414 ई. में खिज्र खां ने किया था। ख़िज्र खां तैमूर लंग का सेनापति था। इसने सुल्तान की उपाधि न धारण करके 'रैयत-ए-आला' की उपाधि धारण की थी
- लोदी वंश का संस्थापक बहलोल लोदी था। वह 19 अप्रैल, 1451 को 'बहलोल शाह गाजी' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। दिल्ली पर प्रथम अफगान राज्य की स्थापना का श्रेय बहलोल लोदी को दिया जाता है। बहलोल लोदी ने बहलोल सिक्के का प्रचलन करवाया। बहलोल लोदी का पुत्र निजाम खाँ 17 जुलाई, 1489 ई में 'सुल्तान सिकन्दर शाह' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- सिकंदर लोदी, लोदी वंश (1489-1517 ई.) का सर्वश्रेष्ठ शासक था। 1504 ई. में उसने आगरा शहर की स्थापना राजस्थान के शासकों पर अपने अधिकार को सुरक्षित रखने तथा व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से की थी। सिकन्दर लोदी ने आगरा को अपनी नयी राजधानी बनाया।
- इब्राहिम लोदी, लोदी वंश एवं दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था। वह 21 नवम्बर 1517 ई. को आगरा के सिंहासन पर 'इब्राहिम शाह' की उपाधि से बैठा। वह वर्ष 1526 में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर से पराजित हुआ तथा वीरगति को प्राप्त किया।
- दिल्ली सल्तनत में कर व्यवस्था शरीयत के आधार पर निर्धारित थी। शरीयत में चार प्रकार के करो का उल्लेख मिलता है–
  (i) खराज- यह हिन्दू किसानों पर लागू भूमिकर था, जो उत्पादकता का 1/4 से 1/3 भाग था।
  (ii) जजिया– यह एक गैर-धार्मिक कर था, जो गैर मुस्लिम जनता से सल्तनत द्वारा सुरक्षा के नाम पर वसूला जाता था।
  (iii) खुम्स– यह युद्ध में लूटे गये माल पर लगने वाला कर था।
  (iv) जकात– यह एक धार्मिक कर था, जो मुस्लिम अमीरों की आय व सम्पत्ति पर 2.5% के रूप में लगता था।
- दिल्ली सल्तनत की राजकीय भाषा फारसी थी दिल्ली के सुल्तान फारसी को प्रोत्साहित करते थे
- मुहम्मद बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्कों के स्थान पर सांकेतिक मुद्रा के रूप में ताँबे के सिक्के चलवाये
- कुतुबमीनार भारत में दिल्ली के पास मेहरौली में स्थित ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। दिल्ली के प्रथम मुस्लिम शासक कुतुबद्दीन ऐबक ने इसका निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया किन्तु वह केवल इसका आधार ही पूरा कर पाया। इसके उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने इसकी तीन मंजिले बनवायी और निर्माण कार्य पूरा किया। फिरोज शाह तुगलक के समय में आकाशीय बिजली गिरने के कारण इसकी चौथी मंजिल नष्ट हो गयी जिसके फलस्वरूप फिरोजशाह तुगलक ने इसमें दो मंजिलें बनवायी और इसमें पाँच मंजिले हो गई।
- कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई दरवाजा का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई. में करवाया था

- कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी 'शेख मुइनुद्दीन चिश्ती' के शिष्य थे। वे कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश के समकालीन थे तथा कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश दोनों कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के शिष्य थे।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में दिल्ली के मेहरौली नगर में कुतुबमीनार का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया था।
- अमीर खुसरो ने 'हश्त बहिश्त' कविता लिखी थी। अमीर खुसरो अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी कवि भी थे। अमीर खुसरो का वास्तविक नाम अबुल हसन था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. दिल्ली सल्तनत के निम्नलिखित राजवंशों में से किसने सबसे कम अवधि तक शासन किया?

(a) खिलजी (b) लोदी
(c) सैय्यद (d) तुगलक

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत के राजवंशों में से सबसे कम अवधि तक खिलजी राजवंश ने शासन किया। खिलजी वंश ने दिल्ली की सत्ता पर 1290-1320 ई. तक शासन किया। जलालुद्दीन फिरोज खिलजी,खिलजी वंश का संस्थापक था। दिल्ली के खिलजी सुल्तानों में अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.) सबसे प्रसिद्ध और योग्य शासक था। इसने 'सिकन्दर-ए- सानी' की उपाधि धारण की थी।

2. निम्नलिखित में से दिल्ली का पहला सुल्तान कौन था?

(a) मोहम्मद गजनी (b) कुतुब-उद-दीन ऐबक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) आरामशाह

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (b) : दिल्ली का पहला सुल्तान कुतुब-उद्-दीन ऐबक था मुहम्मद गौरी का गुलाम कुतुब-उद्-दीन ऐबक ने 1206 ई. में गुलाम वंश की नींव रखी। ऐबक का साम्राज्य पूरे उत्तर भारत में फैला था। इसने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया और कुतुब मीनार की नींव डाली।

3. कुतुब-उद-दीन ऐबक किस राजवंश का संस्थापक था?

(a) लोदी वंश (b) तुगलक वंश
(c) गुलाम वंश (d) खिलजी वंश

[UPSSSC JE 2016 (Exam date 19/12/2021)]

Ans. (c) : गुलाम वंश की स्थापना 1206 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने किया था। यह गौरी का गुलाम था। इसे लाख बख्श भी कहा जाता था। कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी राजधानी लाहौर को बनायी थी। कुतुबमीनार की नींव कुतुबुद्दीन ऐबक ने डाली थी। दिल्ली की कुव्वत-उल इस्लाम मस्जिद तथा अजमेर का अढ़ाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण कुतुबद्दीन ऐबक ने करवाया था।

4. 'लौह और रक्त' की नीति किसने अपनाई?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मो. बिन तुगलक (d) बाबर

लोअर द्वितीय- 06-03-2016

Ans: (a) 'लौह और रक्त' की नीति अर्थात् कठोर नीति गुलाम वंशीय शासक बलबन ने अपनाई थी। बलवन ने विद्रोहियों को कमजोर करने तथा मंगोल आक्रमण से रक्षा के लिए यह नीति अपनाई थी। बलबन ने राजत्व सिद्धांत को ऊँचा करने के लिए सिजदा तथा पैबोस प्रथा का भी आरंभ किया। बलबन ने नवरोज उत्सव शुरू करवाया।

5. किसके शासनकाल में इब्न-बतूता भारत आया था?

(a) इल्तुतमिश (b) मोहम्मद बिन तुगलक
(c) इब्राहिम लोदी (d) अकबर

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (b) इब्न-बतूता 1333 ई. में मोहम्मद बिन तुगलक के काल में भारत आया था। वह मोरक्को (अफ्रीका) का निवासी था, इसका मूल नाम शेख फतह अबू अब्दुल्ला या अब्दुल्ला मुहम्मद-बिन-बतूता था। मोहम्मद बिन तुगलक ने उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया, 1342 ई. में मोहम्मद तुगलक अपना राजदूत बनाकर चीन भेजा था। इसने अपना यात्रा वृतान्त को **रेहला** नामक ग्रंथ में लिपिबद्ध किया।

6. भारत पर तैमूर ने किस वर्ष आक्रमण किया था?

(a) 1294 (b) 1417
(c) 1213 (d) 1398

विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)

Ans. (d) : तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरुद्दीन महमूद (1394-1412 ई.) के शासन काल में 1398 ई. में समरकन्द के शासक तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया था।

7. किस शासक ने भारत में तुगलक वंश की नींव रखी थी?

(a) फिरोज शाह तुगलक (b) गयासुद्दीन तुगलक
(c) अलाउद्दीन सिकंदर शाह (d) मुहम्मद बिन तुगलक

ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)

Ans : (b) तुगलक वंश का संस्थापक गाजी मलिक या गयासुद्दीन तुगलक था, इसका संबंध करौना जनजाति से था। गाजी मलिक 8 सितम्बर, 1320 को गद्दी पर बैठा। इसने सिंचाई के लिए कुएं तथा नहरों का निर्माण कराया था। इसने तुगलकाबाद नामक नगर की स्थापना भी की थी। इस वंश में तीन योग्य शासक हुए गयासुद्दीन उसका पुत्र मुहम्मद बिन तुगलक और उसका उत्तराधिकारी फिरोज तुगलक।

12. मुगल साम्राज्य/सिख धर्म (Mughal Empire/ Sikh Religion)

- पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526 ई.)– इसमें बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल वंश की स्थापना की थी। बाबर ने इस युद्ध में तुलुगमा युद्ध पद्धति व तोपखाने का प्रथम बार प्रयोग किया।

बाबर द्वारा लड़े गये प्रमुख युद्ध

युद्ध	विपक्ष
पानीपत का प्रथम युद्ध (1526 ई.)	इब्राहिम लोदी
खानवा का युद्ध (1527 ई.)	राणा-साँगा
चन्देरी का युद्ध (1528 ई.)	मेदनीराय
घाघरा का युद्ध (1529 ई.)	महमूद लोदी
उपर्युक्त सभी युद्धों में बाबर की विजय हुई।	

बाबर के आक्रमण के समय भारतीय राज्य

राज्य	शासक
विजय नगर	कृष्णदेवराय
दिल्ली	इब्राहिम लोदी
बंगाल	नुसरतशाह
मेवाड़	राणा साँगा

- इब्राहिम लोदी दिल्ली का प्रथम सुल्तान था, जिसकी मृत्यु युद्ध भूमि में हुई।
- 'बाबरनामा' या 'तुज्क-ए-बाबरी' मुगल साम्राज्य के पहले शासक ''बाबर'' की आत्मलिखित जीवनी है। यह उसने अपनी मातृभाषा ' तुर्की में लिखी थी। इसका फारसी अनुवाद अब्दुल रहीम खानखाना ने किया।
- पानीपत का तृतीय युद्ध 14 जनवरी, 1761 को हुआ था। यह युद्ध मराठा साम्राज्य और अफगानिस्तान के अहमद शाह अब्दाली के बीच हुआ था। अब्दाली को अहमद शाह दुर्रानी भी कहा जाता है। इस युद्ध में मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ को अब्दाली ने हराया था। इस युद्ध के परिणाम स्वरूप सतलज नदी के उत्तर में पंजाब पर मराठों का आधिपत्य समाप्त हो गया।
- घाघरा का युद्ध भारतीय इतिहास में लड़े गये प्रसिद्ध युद्धो में से एक था। यह युद्ध भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर एवं अफगानों (महमूद लोदी) के मध्य 1529 ई. में लड़ा गया था। इस युद्ध में बाबर ने महमूद लोदी के नेतृत्व में लड़ रहे अफगानो को पराजित किया था। यह एकमात्र ऐसा युद्ध था जो जल एवं भूमि दोनों पर लड़ा गया।
- खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 ई. को आगरा के पास खानवा नामक स्थान पर बाबर और राणा सांगा के मध्य लड़ा गया जिसमें बाबर विजयी हुआ।
- हुमायूँ मुगल शासक बाबर का पुत्र था। इसका जन्म 6 मार्च, 1508 ई. को काबुल में हुआ था। नसीरुद्दीन हुमायूँ, 29 दिसम्बर 1530 ई. को भारत का शासक बना। अपने पिता के निर्देश के अनुसार हुमायूँ ने अपने भाइयों कामरान को काबुल और कंधार, मिर्जा अस्करी को संभल, मिर्जा हिंदाल को अलवर एवं मेवाड़ की जागीरे दी। हुमायूँ 26 जून, 1539 को चौसा का युद्ध और 17 मई 1540 के बिलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में शेरशाह सूरी से पराजित हुआ। इस प्रकार शेरशाह ने दिल्ली को अपने आधिपत्य में ले लिया।
- हुमायूंनामा, गुलबदन बेगम की एक महत्वपूर्ण कृति है। गुलबदन बेगम, हुमायूँ की बहन थी। इस ग्रन्थ में मुगलकाल के दो बादशाहों बाबर और हुमायूँ के देशकाल व परिस्थितियों का प्रामाणिक विवरण प्रस्तुत किया गया है।
- शेरशाह सूरी या शेर खाँ, भारत में 'सूर' राजवंश का संस्थापक था। इसका जन्म 1472 ई. में नारनौल परगने में हसन खाँ सूर की अफगान पत्नी के गर्भ से हुआ था। शेरशाह सूरी के बचपन का नाम फरीद खाँ था और उसके पिता को सासाराम और खवासपुर की जागीरें प्राप्त थी। 1539 ई. चौसा के युद्ध में मुगल सम्राट हुमायूँ का शेरशाह से आमना-सामना हुआ, जिसमें शेरशाह सूरी विजयी हुआ और उसने शाही उपाधि 'शेरशाह सुल्तान-ए-आदिल' धारण की।
- अकबर का जन्म 1542 ई. में अमरकोट में हुआ था। अकबर का राज्याभिषेक 1556 ई. हुआ। सिंहासन पर बैठते ही अकबर ने बैरम खाँ की सहायता से 1556 ई. में पानीपत के द्वितीय युद्ध में हिंदू राजा हेमू विक्रमादित्य को पराजित किया। अक्टूबर 1605 ई. को अकबर की मृत्यु हो गयी। उसे आगरा के निकट सिकंदरा में दफनाया गया।

अकबर के महत्त्वपूर्ण कार्य

दास प्रथा का अन्त	1562 ई.
अकबर को हरम दल से मुक्ति	1562 ई.
तीर्थयात्रा कर समाप्त	1563 ई.
जजिया कर की समाप्ति	1564 ई.
राजधानी आगरा से फतेहपुर सीकरी स्थानान्तरण	1571 ई.
इबादतखाने की स्थापना	1575 ई.
इबादतखाने में सभी धर्मों का प्रवेश	1578 ई.
मजहर की घोषणा	1579ई.
दीन-ए-इलाही की स्थापना	1582ई.
इलाही संवत् की शुरुआत	1583ई.
राजधानी लाहौर स्थानांतरित	1585ई.

अकबर के नवरत्न

बीरबल (कविप्रिय) महेश दास	नवरत्नों में सबसे बुद्धिमान माना जाता था। इनका जन्म 1528ई. में कालपी के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
अबुल फलज	ये सूफी शेख मुबारक के पुत्र थे। इनका जन्म 1550 ई. में हुआ था। इन्होंने अकबरनामा व आइने-अकबरी जैसे महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की।
तानसेन (रामतनु पाण्डेय)	मिर्जा तानसेन का जन्म ग्वालियर मे हुआ था। ये संगीत कला में अत्यधिक निपुण थें तानसेन को संगीत-सम्राट भी कहा जाता है। अकबर ने इन्हें वाणीविलास कण्ठाभरण की उपाधि से सम्मानित किया था।
अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना	ये बैरम खॉ के पुत्र थे। इन्होंने तुर्की में लिखे बाबरनामा का फारसी में अनुवाद किया था। अकबर ने इन्हें खान-ए-खाना की उपाधि से सम्मानित किया था।
मानसिंह	ये आमेर के राजा भारमल के पौत्र तथा भगवानदास के पुत्र थे। इन्होंने अकबर के साम्राज्य विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनकी मृत्यु 1611 ई. में हुई थी।
राजा टोडरमल	इनका जन्म अवध के जिला सीतापुर के (लहरपुर तहसील) में हुआ था। इनकी प्रसिद्धि का मुख्य कारण इनके द्वारा किये गये भूमि सुधार थे। दीवान-ए-अशर के पद पर रहकर इन्होंने भूमि-सुधार की सफल योजना चलायी।
फैजी	ये अबुल फजल के बड़े भाई थे। इन्होंने लीलावती व नल-दमयंती का फारसी अनुवाद किया था।

फकीर अजियोद्दीन	ये अकबर के निजी हकीम (चिकित्सक) एवं मित्र थे। अकबर ने प्रसन्न होकर इन्हें अपने नवरत्नों में शामिल कर लिया था।
मुल्ला-दो-प्याजा	अपनी बुद्धिमानी व वाक्पटुता के कारण ये नवरत्नों में शामिल किए गए। इनको खाने में दो प्याजा व्यंजन अत्यधिक पसन्द होने के कारण इनका नाम अकबर ने मुल्ला-दो-प्याजा कर दिया।

- अकबरनामा, अबुल फजल द्वारा 1589-1596 में लिखा गया। अबुल फजल ने इस पुस्तक में अकबर के शासनकाल का तीन खण्डों का इतिहास अकबरनामा शीर्षक से लिखा।
- 'दीन-ए-इलाही' नामक धर्म की शुरुआत मुगल बादशाह अकबर द्वारा 1582 ई. की गई थी। इसे तोहीद-ए-इलाही के नाम से भी जाना जाता था।
- टोडरमल-राजा टोडरमल मुगलकाल में सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक थे। टोडरमल खत्री जाति के थे। राजा टोडरमल का जन्म अवध प्रान्त के सीतापुर जिले के अंतर्गत तारापुर नामक ग्राम में हुआ।
- अकबर का उत्तराधिकारी सलीम हुआ जो 24 अक्टूबर, 1605 ई. को नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाही गाजी की उपाधि धारण कर मुगल वंश के सिंहासन पर बैठा। जहाँगीर को न्याय की जंजीर के लिए याद किया जाता है।
- जहाँगीर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' में गुलाब से इत्र निकालने की विधि का उल्लेख किया था, जिसका आविष्कार नूरजहाँ की मां (अस्मत बेगम) ने किया था।
- विलियम हॉकिन्स इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में सम्राट जहांगीर से मिले थे।
- जहाँगीर से विवाह के पश्चात मेहर-उन-निसा को 'नूरमहल' एवं 'नूरजहाँ' की उपाधि प्रदान की गयी थी।
- मुगल बादशाह शाहजहाँ (1627-1658 ई.) जहाँगीर का पुत्र था। शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्ण युग कहा जाता है तथा शाहजहाँ को वास्तुकार राजा भी कहा जाता है क्योंकि इसके शासनकाल के दौरान दुनिया ने मुगल साम्राज्य की कला और संस्कृति का एक अनूठा विकास देखा। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें निम्न है- दिल्ली का लाल किला, दीवाने आम, दीवाने खास, दिल्ली की जामा मस्जिद, आगरा की मोती मस्जिद, ताजमहल एवं लाहौर किला स्थित शीश महल आदि मुगलकालीन स्थापत्य कला का जीता जागता नमूना है
- मुगल सम्राट शाहजहाँ ने आगरा में तख्त-ए-ताऊस सिंहासन का निर्माण करवाया। इसे मयूर सिंहासन भी कहा जाता है। यह विश्व प्रसिद्ध सिंहासन है।
- औरंगजेब मुगल बादशाह 'शाहजहाँ' का पुत्र था। इसका जन्म 3 नवम्बर, 1618 ई. में दोहाद (उज्जैन) में हुआ था। औरंगजेब के शासन काल में मुगल साम्राज्य क्षेत्र के मामले में अपने चरम पर पहुँच गया था। इसे जिंदापीर भी कहा जाता था। सिक्खों के 9वें गुरु तेगबहादुर की हत्या औरंगजेब ने ही दिल्ली में करवा दी थी।

मुगल कालीन उच्च अधिकारी

विभाग	उच्च अधिकारी
दीवान-ए-वजारत	लगान, अर्थव्यवस्था, राज्य के आय-व्यय, मंत्रियों के कार्यों की देख-रेख आदि।
दीवान-ए-बरीद	गुप्तचर विभाग बरीद-ए-मुमालिक के अधीन
दीवान-ए-आरिज	सेना की भर्ती, रसद, शिक्षा, संगठन की देख-रेख
मुहतसिब	ये प्रजा के नैतिक आचरण का निरीक्षण करता था।
खुफिया-नवीस	यह गुप्त पत्र लेखक होते थे।
दरोगा-ए-डाक	यह गुप्तचर विभाग का प्रमुख होता था। इसके अतिरिक्त यह पत्र व्यवहार का प्रभारी होता था।
मीर-ए-आतिश	यह शाही तोपखाने का प्रधान था।
मीर-एबहर	यह जल सेना का प्रधान होता था।
हरकारा	ये जासूस व संदेशवाहक दोनों होते थे।
वितिक्ची	अकबर ने अपने शासनकाल के 19वें वर्ष दरबार की सभी घटनाओं व खबरों को लिखने हेतु इनकी नियुक्ति की थी।
मुशरिफ	यह राज्य की आय व्यय का लेखा–जोखा रखता था।
नाजिर-ए-बयुतात	यह शाही कारखानों का अधीक्षक होता था।

मुगलकालीन स्थापत्य के प्रमुख उदाहरण

इमारतें	स्थान	शासक
हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली	हाजी बेगम
जहाँगीर महल	आगरा	अकबर
अकबरी महल	आगरा	अकबर
आगरा का किला	आगरा	अकबर
दीवान-ए-आम	फतेहपुर सीकरी	अकबर
दीवान-ए-खास	फतेहपुर सीकरी	अकबर
पंचमहल (हवामहल)	फतेहपुर सीकरी	अकबर
मरियम महल	फतेहपुर सीकरी	अकबर
जामा मस्जिद	फतेहपुर सीकरी	अकबर
बुलन्द दरवाजा	फतेहपुर सीकरी	अकबर
अकबर का मकबरा	सिकन्दरा	जहाँगीर
ऐतमादुद्दौला का मकबरा	अगरा	नूर जहाँ
जहॉगीर का मकबरा	शहदरा (लाहौर)	नूरजहाँ
दीवान-ए-खास	आगरा	शाहजहाँ
दीवान-ए-आम	आगरा	शाहजहाँ
शीश महल	आगरा	शाहजहाँ
खास महल	आगरा	शाहजहाँ
जामा मस्जिद	आगरा	शाहजहाँ
लाल किला	दिल्ली	शाहजहाँ
मोती मस्जिद	आगरा	शाहजहाँ

मुगलकालीन साहित्य		
पुस्तक/अनुवाद	**भाषा**	**लेखक का नाम**
रामायण	फारसी	बदायूँनी
भागवद् गीता	फारसी	राजा टोडरमल
अथर्ववेद	फारसी	सरहिन्दी
पंचतंत्र (दिमना)	फारसी	अबुल फजल
लीलावती	फारसी	फैजी
बावन उपनिषद्	फारसी	दारा शिकोह
अकबरनामा	फारसी	अबुल फजल
बाबरनामा	फारसी	अब्दुल रहीम खान-ए-खाना
हुमायूँनामा	फारसी	गुलबदन बेगम
तुजुके बाबरी (बाबरनामा)	तुर्की	बाबर (स्वयं की आत्मकथा)
तुजुके जहाँगीरी	फारसी	जहाँगीर, मौतमिद खाँ, मुहम्मद हादी
मुन्तखब-उल-तवारीख	फारसी	अब्दुल कादिर बदायूँनी
शाहजहाँनामा	फारसी	इनायत खाँ
आलमगीरनामा	फारसी	मिर्जा मुहम्मद कासिम
फतवा-ए-आलमगीरी	फारसी	औरंगजेब द्वारा संकलित (कानून की पुस्तक)
पादशाहनामा	फारसी	मोहम्मद अमीन

- फतेहपुर सीकरी में स्थित बुलन्द दरवाजा जामा मस्जिद का मुख्य प्रवेश द्वार है। बुलंद दरवाजा का निर्माट अकबर ने गुजरात विजय के उपलक्ष्य में जामा मस्जिद के दक्षिणी द्वार पर करवाया। यह दरवाजा 134 फुट ऊँचा है।
- बीबी का मकबरा, मुगल काल के दौरान बनाया गया है जो औरंगाबाद महाराष्ट्र में स्थित है। औरंगजेब ने इसे अपनी पत्नी दिलरास बानो बेगम की याद में बनवाया था। ताजमहल के सदृश होने के कारण, 'बीबी के मकबरे' को ताजमहल की प्रतिकृति के रूप में जाना जाता है।
- दिल्ली की मोती मस्जिद का निर्माण मुगल शासक औरंगजेब ने करवाया था। यह दिल्ली के लाल किले में स्थित है। इसी नाम से एक मस्जिद आगरा में मुगल बादशाह शाहजहाँ द्वारा बनवाई गई थी यह आगरा के किले में स्थित है।
- आगरा का किला आगरा, उत्तर प्रदेश में स्थित है। इसका निर्माण अकबर ने वर्ष 1573 में करवाया था। इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इसके भीतर खास महल, शीश महल, जहाँगीर महल, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, मझली भवन, मीना मस्जिद, रंग महल आदि स्मारक स्थित है।
- मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था। मुमताज महल का वास्तविक नाम 'अर्जुमंद बानो बेगम' था।
- जामा मस्जिद का निर्माण सन् 1654 में सम्राट शाहजहाँ ने किया था। यह पुरानी दिल्ली में स्थित है। यह भारत की सबसे बड़ी मस्जिद है।

सिख सम्प्रदाय के दस गुरू

1. गुरु नानक	-	सिख धर्म के संस्थापक
2. गुरु अंगद	-	गुरुमुखी लिपि के जनक
3. गुरु अमरदास	-	गुरु प्रसार हेतु 22 गद्दियों का निर्माण
4. गुरु रामदास	-	अमृतसर के संस्थापक
5. गुरु अर्जुनदेव	-	गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन तथा स्वर्ण मंदिर का निर्माण जहाँगीर द्वारा मृत्युदण्ड दिया गया।
6. गुरु हरगोविन्द	-	अकाल तख्त की स्थापना तथा सिखों को एक लड़ाकू जाति में बदला।
7. गुरु हरराय	-	उत्तराधिकार (मुगलों) के युद्ध में भाग लिये
8. गुरु हरिकिशन	-	अल्प वयस्क अवस्था में मृत्यु
9. गुरु तेगबहादुर	-	औरंगजेब द्वारा फांसी दी गयी।
10. गुरु गोविन्द सिंह	-	खालसा सेना का गठन

- गुरुनानक देव सिक्खों के प्रथम गुरु थे। इनका जन्म 15 अप्रैल, 1469 को तलवंडी (वर्तमान में ननकाना साहिब, पाकिस्तान) नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम मेहता कालू चन्द्र खत्री तथा माता का नाम तृप्ता देवी था।
- श्री हरिमंदिर साहिब जिसे दरबार साहिब या स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है, यह सिखों का पवित्र धार्मिक स्थल है। सिखों के चौथे गुरु रामदास जी ने इसकी नींव रखी थी तथा बाद में निर्माण का मार्गदर्शन गुरु अर्जुन देव ने किया था।
- सिक्ख धर्म के पाँचवे गुरू अर्जुन देव ने विद्रोही राजकुमार खुसरों की सहायता धन एवं आशीर्वाद से की थी। जहाँगीर ने उन्हें एक राजद्रोही को सहायता देने के कारण मृत्युदण्ड दिया, जिससे सिक्खों और मुगलों के बीच भेदभाव उत्पन्न हो गया।
- गुरु गोविन्द सिंह का जन्म दिसम्बर, 1666 ई. में पटना में हुआ। ये सिक्खों के दसवें एवं अन्तिम गुरू थे। आनन्दपुर साहिब में इनकी शिक्षा हुई एवं इन्होंने फारसी भाषा सीखी। इन्होंने 'पाहुल' प्रथा प्रारम्भ की एवं इस मत में दीक्षित व्यक्ति को 'खालसा' कहा गया। प्रत्येक सिक्ख को पंच ककार (केश, कंघा, कड़ा, कच्छा और कृपाण) धारण करने का आदेश दिया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. मध्ययुगीन भारत में भक्ति आंदोलन के प्रमुख अगुवाकारों में से एक कौन था?

(a) शंकराचार्य (b) कालिदास
(c) स्वामी विवेकानन्द (d) स्वामी दयानन्द सरस्वती

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (a) : मध्ययुगीन भारत में भक्ति आन्दोलन के प्रमुख अगुवाकारों में एक शंकराचार्य जी थे। इनके द्वारा प्रतिपादित दार्शनिक परम्परा को अद्वैतवाद कहा जाता है। इस काल में सामाजिक-धार्मिक सुधारकों द्वारा समाज में विभिन्न तरह से भगवान की भक्ति का प्रचार-प्रसार किया गया।

2. गुरु ग्रंथ साहिब के संकलन को प्रमाणित किया था।

(a) गुरु अंगद ने (b) गुरु नानक ने
(c) गुरु गोविंद सिंह ने (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022

Ans : (c) गुरु ग्रंथ साहिब के संकलन को (1706) गुरु गोविन्द सिंह ने प्रमाणित किया था। इस संकलन में शेख फरीद, संत कबीर, नामदेव और गुरु तेगबहादुर जैसी अन्य हस्तियों के लेखन को जोड़ा गया है। आदिग्रन्थ को ही 'गुरु ग्रन्थ साहिब' के नाम से जाना जाता है जिसकी रचना गुरु अर्जुन देव ने किया था। यह पुस्तक 'गुरुमुखी लिपि' में लिखी गई है।

3. संगमरमर पर पिएत्रा ड्यूरा (पित्रा-दुरा) या रंगीन पत्थर की जड़ाई का काम .... के समय में बहुत लोकप्रिय हुआ।

(a) अकबर (b) शाहजहाँ
(c) औरंगजेब (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1

Ans. (b) : संगमरमर पर पिएत्रा ड्यूरा (पित्रा-दुरा) या रंगीन पत्थर की जड़ाई का काम सर्वप्रथम शाहजहाँ के समय में शुरू हुआ था। इस कला का महत्त्वपूर्ण उदाहरण ताजमहल तथा एतमाउद्दौला का मकबरा है।

4. ''जजिया'' फिर से लगाने वाले मुगल शासक का नाम लिखिए।

(a) इनमें से कोई नहीं (b) औरंगजेब
(c) जहांगीर (d) हुमायूँ

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (b) : भारतीय इतिहास में जजिया एक प्रकार का धार्मिक कर था। इसे मुस्लिम राज्य में रहने वाली गैर मुस्लिम जनता से वसूला जाता था। भारत में जजिया कर लगाने का प्रथम साक्ष्य मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण के बाद देखने को मिलता है। सर्वप्रथम उसने ही भारत के सिंध प्रांत के 'देवल' में जजिया कर लगाया था। जजिया कर को समाप्त करने वाला पहला मुगल शासक अकबर था। औरंगजेब ने फिर से जजिया कर को लागू किया था।

5. जब ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई, तब भारत पर निम्नलिखित में से किसका शासन था?

(a) गुप्त सम्राट (b) मौर्य सम्राट
(c) मुगल सम्राट (d) शुंग सम्राट

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1

Ans. (c) : ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना 1600 ई. में हुई थी। इस समय मुगल बादशाह अकबर का (1556-1605) का शासन था। 31 दिसम्बर 1600 को, व्यापारियों के एक समूह, जिसने खुद को ईस्ट इंडिया कम्पनी में शामिल किया था,को ईस्ट इंडिया के साथ व्यापार पर एकाधिकार दिए गए थे।

6. अकबर की सफल भू-राजस्व प्रणाली का श्रेय उनके निम्नलिखित में से किस श्रेष्ठ दरबारी को दिया जाता है?

(a) बीरबल (b) राजा मान सिंह
(c) राजा टोडरमल (d) खय्याम

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (c) : अकबर की सफल भू-राजस्व प्रणाली का श्रेय राजा टोडरमल को दिया जाता है। वह अपने समय के एक योग्य राजस्व अधिकारी थे। पूर्व में उन्होंने शेरशाह के दरबार में भी सेवा दी थी। भू-राजस्व की जब्ती प्रणाली की शुरूआत टोडरमल ने की थी जिसे प्रायः टोडरमल बन्दोबस्त भी कहा जाता है।

7. निम्नलिखित में से किस लड़ाई में मुख्य विरोधियों को सही ढंग से नहीं बताया गया है?

(A) पानीपत की पहली लड़ाई - बाबर और इब्राहिम लोदी
(B) पानीपत की दूसरी लड़ाई - टीपू सुल्तान और मराठा
(C) हल्दीघाटी का युद्ध - महाराणा प्रताप और अकबर
(D) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (b) : पानीपत की पहली लड़ाई 21 अप्रैल 1526 ई0 को बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच हुई थी। इस युद्ध में बाबर की विजय हुई, इब्राहिम लोदी मारा गया एवं नये मुगल साम्राज्य की नींव पड़ी। पानीपत की दूसरी लड़ाई 5 नवम्बर 1556 ई0 को अकबर और हेमू के बीच हुई था। इस युद्ध में अकबर की विजय हुई तथा हेमू की पराजय। इसी प्रकार हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 ई0 को महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुआ जिसमें अकबर विजयी हुआ, अतः स्पष्ट है कि विकल्प (b) सही सुमेलित नहीं है।

8. पानीपत की पहली लड़ाई किस वर्ष में लड़ी गई थी?

(a) 1521 (b) 1526
(c) 1556 (d) 1761

[UPSSSC JE 2016 (Exam date 19/12/2021)]

Ans. (b) : पानीपत की पहली लड़ाई मुगल वंश के संस्थापक बाबर और लोदी वंश के शासक इब्राहिम लोदी के मध्य 21 अप्रैल 1526 ई. में हुई थी। इब्राहिम लोदी इस लड़ाई में पराजित हुआ और मारा गया तथा बाबर ने मुगल वंश की नींव भारत में रखी थी।

9. 1556 ई. में पानीपत का द्वितीय युद्ध किनके मध्य लड़ा गया?

(a) अकबर-राणा प्रताप (b) अकबर-भारमल
(c) अकबर-हेमू (d) अकबर-उदयसिंह

[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]

Ans. (c) : पानीपत का प्रथम युद्ध - 21 अप्रैल, 1526 ई.- बाबर एवं इब्राहिम लोदी के मध्य
पानीपत का द्वितीय युद्ध - 5 नवम्बर, 1556 ई.- अकबर एवं हेमू के मध्य
पानीपत का तृतीय युद्ध - 14 जनवरी, 1761 ई.- मराठों और अहमद शाह अब्दाली के मध्य

10. शेरशाह सूरी का वास्तविक नाम क्या था?

(a) बरीद (b) फैजल
(c) फरीद (d) फारुख

[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]

Ans. (c) : शेरशाह सूरी का वास्तविक नाम फरीद था, इसने अपनी शिक्षा जौनपुर से प्राप्त की। 26 जून, 1539 को चौसा का युद्ध हुमायूँ और शेरशाह के बीच लड़ा गया, जिसमें विजय के पश्चात् शेर खां, (शेरशाह) की शक्ति व प्रतिष्ठा दोनों में वृद्धि हुई। उसने शेरशाह की पदवी धारण कर अपने नाम का खुतबा पढ़वाया और अपना नाम सिक्के पर भी अंकित करवाया। 17 मई, 1540 को कन्नौज या बिलग्राम के युद्ध में भी हुमायूँ पराजित हुआ। कालिंजर विजय (1545 ई.) के दौरान बारूद में आग लगने से शेरशाह घायल हो गया, 22 मई, 1545 ई. को उसकी मृत्यु हो गई। शेरशाह का मकबरा बिहार के सासाराम में स्थित है।

11. **निम्न में से किस शासक की मृत्यु उसके पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हुई थी?**

(a) जहाँगीर (b) शाहजहाँ
(c) बाबर (d) हुमायूँ

ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)

Ans : (d) भारत में मुगल वंश के संस्थापक 'बाबर' का पुत्र नासिरुद्दीन हुमायूँ 1530 ई. में गद्दी पर बैठा। गद्दी पर बैठने से पूर्व हूमायूँ बदख्शाँ का सूबेदार था। वर्ष 1539 ई. में चौसा का युद्ध हुमायूँ एवं शेर खाँ के बीच हुआ, जिसमें हुमायूँ पराजित हुआ। इस युद्ध के बाद शेर खाँ ने शेरशाह की पदवी ग्रहण की। इसके बाद बिलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में 1540 ई. में हुमायूँ एक बार फिर शेर शाह से पराजित हुआ और वह सिंध होते हुए ईरान चला गया, जहां पर 15 वर्षों तक निर्वासित जीवन व्यतीत किया। 1555 ई. में हुमायूँ ने पंजाब में सूर शासक सिकन्दर शाह को पराजित कर पुनः दिल्ली की गद्दी पर बैठा। वर्ष 1556 में हुमायूँ की मृत्यु उसके दीन पनाह भवन में स्थित पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हो गई।

13. मराठा साम्राज्य (Maratha Empire)

- गुरिल्ला युद्ध के तरीकों की शुरूआत शिवाजी ने की था गुरिल्ल शब्द छापामार के अर्थ में प्रयुक्त होता है। यह स्पैनिश भाषा का शब्द **है।**
- 14 जून, 1674 को शिवाजी ने काशी के प्रसिद्ध विद्वान गंगाभट्ट से अपना राज्याभिषेक रायगढ़ में करवाया तथा 'छत्रपति' की उपाधि धारण की। इसके अतिरिक्त शिवाजी ने 'हिन्दू पदपादशाही' अंगीकार किया, गाय और ब्राह्मणों की रक्षा का व्रत लिया और 'हिन्दू-धर्मोद्धारक' की उपाधि धारण की। शिवाजी ने सर्वप्रथम 1643 में बीजापुर के सिंहगढ़ के किले पर अधिकार किया। शिवाजी के गुरु का नाम 'समर्थ रामदास' था। शिवाजी के शासन का वास्तविक संचालन 'अष्टप्रधान' नामक आठ मंत्री करते थे

शिवाजी के अष्टप्रधान

मंत्री	विभाग
मजूमदार (अमात्य)	यह वित्त मंत्री था।
सुमंत या दबीर	दरबारी शिष्टाचार, विदेश विभाग
सुरु-नवीस या चिटनिस (सचिव)	पत्राचार विभाग
पेशवा (प्रधानमंत्री)	अष्टप्रधान का प्रमुख, जो समस्त प्रशासन का निरीक्षण करता था। यह नागरिक व सैनिक मामलों का सर्वोच्च अधिकारी था।
वाकिया नवीस मंत्री	यह आधुनिक गृहमंत्री के समान था।
न्यायाधीश	न्यायविभाग
सेनापति या सर-ए-नौबत	सेना का प्रधान
पंडितराव	धर्म व दान विभाग

- तृतीय अंग्रेज-मराठा युद्ध के परिणामस्वरूप पेशवाओं के प्रांतों का विलय बम्बई प्रेसीडेंस में हो गया। तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (**1817-1818**) ने मराठा प्रतिरोध के अंत और अधिकांश भारत पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की शुरुआत को चिह्नित किया।
- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध : 1775-1782 ई.
- द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध : 1803-1806 ई.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. **निम्नलिखित में से किस सेना की ताकत ''छापामार (गुरिल्ला) रणनीति'' थी?**

(a) मराठा (b) ब्रिटिश
(c) मुगल (d) नायक

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (a) : छापामार (गुरिल्ला) रणनीति मुख्यतः मराठा शासकों की रणनीति थी। इस रणनीति को शिवाजी ने लोकप्रिय बनाया था। शिवाजी ने मुगलों के विरुद्ध इस पद्धति का काफी प्रयोग किया।

2. **किस राजा के प्रशासन में ''अष्टप्रधान'' मंत्रिपरिषद पाई गई थी?**

(a) कृष्णदेव राय (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) शिवाजी (d) अशोक

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (c) : शासन में शिवाजी की सहायता के लिए आठ बड़े अधिकारियों अथवा मन्त्रियों का एक समूह था जिसे ''अष्टप्रधान'' के नाम से जाना जाता था। ये आठ प्रधान निम्नलिखित थे- 1. पेशवा अथवा प्रधानमंत्री 2. अमात्य अथवा मजूमदार 3. मन्त्री अथवा वाकिया-नवीस 4. सचिव अथवा सुरुनवीस (चिटनिस) 5. सुमन्त अथवा दबीर 6. सेनापति अथवा सर-ए-नौबत 7. पण्डितराव 8. न्यायाधीश। वास्तव में यह एक मंत्रिपरिषद अथवा समिति की तरह कार्य नहीं करता था बल्कि प्रत्येक मंत्री अपने-अपने विभाग का प्रधान था और यह शिवाजी की इच्छा पर निर्भर करता था कि वह उनसे पृथक-पृथक अथवा सम्मिलित रूप से सलाह लें। उनकी सलाह को मानने के लिए शिवाजी बाध्य नहीं थे।

3. **निम्न में से कौन से संत शिवाजी के समकालीन थे?**

(a) तुकाराम (b) चैतन्य
(c) नामदेव (d) शंकराचार्य

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-I]

Ans. (a) : संत तुकाराम शिवाजी के समकालीन थे।

संत	कार्यक्षेत्र	मत
शंकराचार्य (788-820 ई.)	सम्पूर्ण भारत	अद्वैतवाद
चैतन्य (1486-1533)	बंगाल	वैष्णव मत
तुकाराम (1598-1650)	महाराष्ट्र	वारकरी मत
नामदेव (1270-1350)	महाराष्ट्र	निर्गुण मत

4. **निम्नलिखित किसके शासनकाल में मुगलों और मराठों के बीच द्वन्द्व प्रारंभ हुआ?**

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) शाहजहाँ (d) औरंगजेब

लोअर प्रथम- 28-02-2016

Ans: (d) 1657 ई. में मराठा शासक शिवाजी और मुगल बादशाह औरंगजेब का पहली बार मुकाबला हुआ, जब अहमदनगर तथा चुन्नार पर उन्होंने आक्रमण किया। इस संघर्ष में शिवाजी को पीछे हटना पड़ा।

14. भारत में यूरोपियों का आगमन/स्वतंत्र राज्य (मैसूर, बंगाल) (Arrival of Europeans in India/ Independent Kingdoms Mysore, Bangal)

- फ्रांसिस्को डी अल्मीडा (1505-09 ई.) भारत का प्रथम पुर्तगाली गवर्नर बनकर आया था। सरकार की ओर से निर्देश था कि वह भारत में ऐसे पुर्तगाली दुर्ग बनाए जिसका लक्ष्य सुरक्षा न होकर हिन्द महासागर के व्यापार पर पुर्तगाली नियंत्रण स्थापित करना हो। अल्मीडा का मुख्य उद्देश्य शान्तिपूर्वक व्यापार करना था। उसकी यह नीति 'ब्लू वाटर पॉलिसी' अथवा 'शांत जल की नीति' कहलाई।

भारत में विदेशी कम्पनियों का आगमन

कम्पनी	देश	स्थापना	भारत में प्रथम फैक्टरी
पुर्तगाली ईस्ट इंडिया कम्पनी (इस्तादो द इंडिया)	पर्तुगाल	1498ई.	कोचीन (कोच्ची)
अंग्रेज ईस्ट इंडिया कम्पनी (द गवर्नर एंड कम्पनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज)	ब्रिटेन	1600ई.	सूरत
यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कमपनी ऑफ नीदरलैण्ड्स	हॉलैण्ड	1602ई.	मसुलीपट्टनम्
डेनिश ईस्ट इंडिया कम्पनी	डेनमार्क	1616ई.	ट्रैंकोबार (त्रावणकोर)
फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कम्पनी (द इंडेस ओरियंटलेस)	फ्रांस	1664ई.	सूरत
यूरोपीय व्यापारियों का भारत आगमन क्रमः पुर्तगाली → डच → ब्रिटिश → डेनिश → फ्रांसीसी → स्वीडिश			

- यूरोपीय शक्तियों में पुर्तगाली कंपनी ने भारत में सबसे पहले प्रवेश किया। भारत के लिए नए समुद्री मार्ग की खोज पुर्तगाली व्यापारी वास्कोडिगामा ने 17 मई, 1498 को भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित बंदरगाह कालीकट पहुंचकर की पुर्तगालियों ने 1503 ई. में कोचीन में अपनी प्रथम फैक्ट्री स्थापित की।
- डच, नीदरलैण्ड (हालैण्ड) के निवासी थे। वर्ष 1602 में विभिन्न डच कम्पनियों को मिलाकर ''यूनाइटेड ईस्ट इण्डिया कम्पनी ऑफ नीदरलैंड'' के नाम से एक व्यापारिक संस्था की स्थापना की गई थी। उन्होनें मुगल साम्राज्य के दौरान 1605 ई. में मछलीपट्टनम में अपनी प्रथम फैक्ट्री स्थापित की।
- ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना 31 दिसम्बर, 1600 ई. में हुई थी। वारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कम्पनी का पहला गवर्नर जनरल नियुक्त हुआ। शुरूआत में कम्पनी का उद्देश्य धन कमाना था किन्तु बाद में यह प्रशासनिक कार्य भी देखने लगी।
- 1765 ई. में लार्ड क्लाइव द्वारा बंगाल में द्वैध शासन लागू किया गया था। 1772 में वारेन हेस्टिंग्स ने बंगाल में क्लाइव द्वारा लागू की गई द्वैध शासन प्रणाली को समाप्त कर दिया गया
- प्लासी की विजय 1757 तथा बक्सर की विजय 1764 से ब्रिटिश कंपनी एक व्यापारिक कंपनी से साम्राज्यवादी शासक के रूप में परिवर्तित हुई। अतः मुख्य रूप से 1757 से 1947 तक ब्रिटिश शासकों ने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक शासन किया
- बक्सर का युद्ध अक्टूबर 1764 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी व त्रिगुट (मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय, अवध नवाब शुजाउद्दौला व बंगाल के नवाब मीरकासिम) के मध्य लड़ा गया। इसमें ईस्ट-इण्डिया कम्पनी का नेतृत्व हेक्टर मुनरो ने किया था। इसमें ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने निर्णायक जीत हासिल की।

आंग्ल-मैसूर संघर्ष

युद्ध (वर्ष)	मैसूर शासक	बंगाल का गवर्नर	संधि	विशेष
प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1767-69ई.)	हैदरअली	लॉर्ड वेरेलस्ट	मद्रास संधि (1769ई.)	हैदरअली दक्षिण भारत का प्रथम शासक था, जो अंग्रेजों से पराजित नहीं हुआ।
द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84ई.)	हैदरअली	वारेन हेस्टिंग्स	मंगलौर संधि (1784ई.)	हैदरअली की मृत्यु के बाद टीपू सुल्तान के नेतृत्व में युद्ध हुआ।
तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790-92ई.)	टीपू सुल्तान	लॉर्ड कॉर्नवालिस	श्रीरंगपट्टनम संधि (1792ई.)	टीपू सुल्तान की स्थिति कमजोर हो गई थी।
चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध (1799ई.)	टीपू सुल्तान	लॉर्ड वेलेजली	मैसूर सहायक संधि	टीपू सुल्तान की मृत्यु, मैसूर में पुनः वाडियार वंश की स्थापना; अंग्रेजों ने वाडियार वंश के शासक से सहायक संधि की।

- टीपू सुल्तान मैसूर का शासक था। इसकी राजधानी श्रीरंगपट्टनम थी।
- मंगलौर की सन्धि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और टीपू सुल्तान के बीच मार्च, 1784 ई. में हुई थी। द्वितीय आंग्ल-मैसूर (1780-1784 ई.) युद्ध में हैदर अली ने अंग्रेजों को पराजित कर अर्काट पर अधिकार कर लिया। 7 दिसम्बर, 1782 ई. को पोर्टोनोवा के युद्ध में हैदर अली की मृत्यु हो गयी। उसके पुत्र टीपू सुल्तान ने संघर्ष जारी रखा परन्तु यूरोप की संधि के कारण फ्रांसीसी युद्ध से अलग हो गये। अंततः टीपू ने अंग्रेजों से 1784 ई. में 'मंगलौर की सन्धि' कर ली।
- इलाहाबाद की संधि 1765 ई. में ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से रॉबर्ट क्लाइव और बादशाह शाहआलम द्वितीय के मध्य हुई थी। इस संधि द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी ने कड़ा (मानिकपुर) और इलाहाबाद के जिले शाहआलम द्वितीय को लौटाना स्वीकार कर लिया। साथ ही कम्पनी ने बादशाह को 26 लाख रुपये वार्षिक खिराज (भूमि कर) देना स्वीकार किया था। इसके बदले कम्पनी को बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई।
- प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध (1845-46) में ब्रिटिश साम्राज्य व सिक्ख साम्राज्य के मध्य लड़ा गया था। इस समय सिक्ख साम्राज्य के शासक राजा दिलीप सिंह (5 वर्ष की आयु) एक अल्प वयस्क शासक थे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. वास्को-डि-गामा का मकबरा (दफन स्थान) भारत के निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?

(a) दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) (b) चित्तौड़गढ़
(c) कोच्चि (केरल) (d) कोयंबटूर (तमिलनाडु)

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (c) : वास्को-डि-गामा का मकबरा (दफन स्थान) भारत के कोच्चि (केरल) में स्थित है। यह पुर्तगाल का नाविक था, जिसने 20 मई, 1498 ई. में भारत के पश्चिमी तट पर स्थित कालीकट बंदरगाह पहुंचकर भारत एवं यूरोप के बीच नये समुद्री मार्ग की खोज की थी।

2. वर्ष _______ में, ईस्ट इंडिया कंपनी के जहाजों ने सूरत के पास स्थित स्वाली एस्चुअरी में पुर्तगालियों को पराजित किया था।

(a) 1609 (b) 1610 (c) 1612 (d) 1618

[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]

Ans. (c) : स्वाली का युद्ध 1612 ई. में ईस्ट इंडिया कंपनी और पुर्तगाली सेना के मध्य सूरत के पास स्थित स्वाली एस्चुअरी में हुआ था। इस युद्ध में पुर्तगाली सेना पराजित हुई थी।

3. वास्कोडिगामा, एक पुर्तगाली अन्वेषक ने —— वर्ष में भारत के समुद्री मार्ग की खोज की थी।

(a) 1598 (b) 1500
(c) 1498 (d) 1600

Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)

Ans. (c) : वास्कोडिगामा एक पुर्तगाली नाविक था। वास्कोडिगामा ने भारत के समुद्री मार्ग की खोज सर्वप्रथम 20 मई, 1498ई. को की थी। यह समुद्र के रास्ते से भारत पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति था।

4. दक्षिण भारत के किस राजा ने वर्ष 1741 में कोलाचेल की लड़ाई में डच ईस्ट इंडिया कंपनी को परास्त किया था?

(a) वीरापांड्य कट्टाबोम्मन (b) राज राज चोल
(c) मार्तण्ड वर्मा (d) हैदर अली

Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)

Ans. (c) अनीयम तिरुनाल मार्तण्ड वर्मा त्रावणकोर के राजा थे। उन्होंने 1741 ई0 में कोलाचेल की लड़ाई में डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी को परास्त किया। इन्होंने अपनी सेना को पश्चिमी देशों की तर्ज पर प्रशिक्षित और आधुनिक हथियारों से सुसज्जित कर शक्तिशाली और आधुनिक बनाया था। ये अपने राज्य में सामन्ती प्रभाव को खत्म करना चाहते थे।

5. किस वर्ष में ईस्ट इंडिया कंपनी ने रणजीत सिंह के साथ अमृतसर की पहली संधि पर हस्ताक्षर किए?

(a) 1800 (b) 1805
(c) 1806 (d) 1809

Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)

Ans. (d) 25 अप्रैल, 1809 ई. को अमृतसर की संधि राजा रणजीत सिंह तथा अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी) के मध्य हुई थी। इस संधि पर मेटकॉफ और रणजीत सिंह ने हस्ताक्षर किए थे। संधि की शर्तों के अनुसार सतलज नदी को दोनों राज्यों की सीमा मान ली गई तथा सतलज के पूरब के राज्य अब अंग्रेजों के पास चले गये। इस समय लार्ड मिंटो प्रथम, भारत का गवर्नर जनरल था।

15. 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857)

(G) 1857 ई. के विद्रोह के प्रमुख केन्द्र व प्रमुख विद्रोही नेता

केन्द्र	विद्रोही नेता	विद्रोह तिथि	दमनकर्ता
दिल्ली	बहादुरशाह-II, बख्त खाँ (सैन्य नेतृत्व)	11 मई, 1857	निकोलसन, हडसन
लखनऊ	बेगम हजरत महल, विरजिस कादिर	4 जून, 1857	कॉलिन कैंपवेल
झाँसी/ ग्वालियर	रानी लक्ष्मीबाई/तात्या टोपे (सैन्य नेतृत्व)	4 जून, 1857	जनरल ह्यूरोज
कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे (सैन्य नेतृत्व)	5 जून, 1857	कॉलिन कैंपवेल
इलाहाबाद	लियाकत अली	6 जून, 1857	कर्नल नील
फैजाबाद	मौलीवी अहमदुल्ला	जून, 1857	कॉलिन कैंपबेल
जगदीशपुर	कुँवर सिंह, अमर सिंह	12 जून, 1857	विलियम टेलर व विंसेट ऑयर
बरेली	खान बहादुर खाँ	जून, 1857	कॉलिन कैंपबेल
फतेहपुर	अजीमुल्ला	1857 ई.	जनरल रेनॉर्ड

- 1857 के विद्रोह मुगल शासक बहादुर शाह-II के नेतृत्व में हुआ। 11 मई को मेरठ के विद्रोही सैनिको ने दिल्ली पहुँचकर दिल्ली पर अधिकार कर लिया तथा मुगल शासक बहादुरशाह-II को दिल्ली का सम्राट घोषित किया।

- 1857 का विद्रोह ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति थी। यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की सेना के सिपाहियों के विद्रोह के रुप में शुरु हुआ, लेकिन जनता की भागीदारी भी इसने हासिल कर ली। इस दौरान बहादुर शाह II मुगल सम्राट था।
- भारत में सिपाही विद्रोह की शुरूआत 10 मई 1857 ई. को मेरठ शहर से हुई थी। भारत में प्रत्येक 10 मई को 'क्रान्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. निम्नलिखित में से किनके द्वारा '1857 की क्रांति' की शुरुआत की गयी थी?

(a) सिपाहियों (b) बागान श्रमिकों
(c) किसानों (d) जमींदारों

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : 1857 की क्रांति की शुरूआत सिपाहियों द्वारा की गयी थी। इतिहास में इस क्रांति की शुरूआत 10 मई 1857 से मानी जाती है। इस क्रांति की शुरूआत मेरठ से हुई धीरे-धीरे कानपुर, बरेली, झांसी, दिल्ली, अवध आदि स्थानों पर फैल गई।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा 1857 के विद्रोह का परिणाम था?

(a) ईस्ट इंडिया कंपनी की शक्तियों को ब्रिटिश क्राउन में हस्तांतरित कर दिया।
(b) अंग्रेजों ने भारत में लोगों की पारम्परिक धार्मिक और सामाजिक प्रथाओं को कुचलने का फैसला किया।
(c) जमीदारों की रक्षा की नीतियों को समाप्त कर दिया गया।
(d) अंग्रेजों ने फैसला किया कि सेना में भारतीय सैनिकों का अनुपात बढ़ाया जाएगा।

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (a) : 1857 का विद्रोह स्वतंत्रता संग्राम की दृष्टि से भले ही असफल रहा हो लेकिन इसके दूरगामी परिणाम काफी उपयोगी रहे। इसके फलस्वरूप भारत सरकार अधिनियम 1858 द्वारा ब्रिटिश क्राउन ने कंपनी से भारत पर शासन करने के सभी अधिकार वापस ले लिए और भारत का शासन सीधे ब्रिटिश क्राउन द्वारा भारत सचिव तथा 15 सदस्यों की एक परिषद द्वारा शासित किया जाने लगा। यह परिषद प्रकृति में सिर्फ सलाहकार थी। इस अधिनियम के द्वारा गवर्नर जनरल की उपाधि को वायसराय में बदल दिया गया जो सीधे ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता था। भारत के प्रथम वायसराय लॉर्ड कैनिंग थे।

नोट : 1 नवम्बर, 1858 में इलाहाबाद में आयोजित दरबार में लॉर्ड कैनिंग ने महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा को पढ़ा। उद्घोषणा में भारत में कंपनी का शासन समाप्त कर भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन कर दिया गया।

3. कानपुर में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(a) बहादुर शाह (b) नाना साहिब
(c) शाह मल (d) मौलवी अहमदुल्ला शाह

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (b) : कानपुर में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व 'नाना साहिब' ने किया। नाना साहब की ओर से लड़ने की मुख्य जिम्मेदारी ताँत्या टोपे की थी जिनका मूल नाम 'रामचन्द्र पाण्डुरंग' था। 1857 के विद्रोह का नेतृत्व झांसी में 'रानी लक्ष्मीबाई', बिहार में जगदीशपुर के 'बाबू कुँवर सिंह', लखनऊ में 'बेगम हजरत महल' इलाहाबाद में 'मौलवी लियाकत अली', बरेली में 'खान बहादुर खान' फैजाबाद में 'मौलवी अहमद उल्ला' तथा दिल्ली में 'जनरल बख्त खाँ' ने किया था।

4. जब मंगल पांडे विद्रोही हो गए, तब वह 34वें मूल इन्फैंट्री रेजिमेंट में एक सिपाही थे, जो किस स्थान पर स्थित था?

(a) लखनऊ (b) बलिया
(c) बैरकपुर (d) मेरठ

UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (c) : जब मंगल पाण्डे विद्रोही हो गये, तो वह 34 वें मूल इन्फैंट्री रेजिमेंट में एक सिपाही थे, जो बैरकपुर में स्थित था। इनके द्वारा किया गया विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली बड़ी घटना थी। जिसे 1857 के विद्रोह के नाम से जाना जाता है।

5. .... की रानी अवंतीबाई लोधी ने अंग्रेजों के खिलाफ चार हजार की सेना खड़ी की और नेतृत्व किया, जिन्होंने उसके राज्य के प्रशासन को अधिकार में ले लिया था।

(a) झाँसी (b) फैजाबाद
(c) रामगढ़ (d) मंडला

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (c) : रामगढ़ की रानी अवन्तीबाई लोधी ने अंग्रेजों के खिलाफ चार हजार की सेना खड़ी की और नेतृत्व किया। वे भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रथम महिला शहीद वीरांगना थीं। 1857 की क्रांति में रामगढ़ की रानी अवंतीबाई रेवांचल में मुक्ति आन्दोलन की सूत्रधार थीं।

6. भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम, 1857 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

A. इसे सिपाही विद्रोह (सिपॉय म्यूटनी) के नाम से भी जाना जाता है।
B. यह जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में शुरू किया गया था।
C. यह दिल्ली, आगरा, कानपुर और लखनऊ में व्यापक रूप से फैला था।

(a) A, B, C सभी सही हैं
(b) A और C सही हैं किन्तु B गलत है।
(c) A, B, C सभी गलत हैं
(d) A और B सही हैं और C गलत है

[UPSSSC JE 2016 (Exam date 19/12/2021)]

Ans. (b) : 1857 का भारतीय विद्रोह जिसे प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, सिपाही विद्रोह के नाम से भी जाना जाता है की शुरूआत 10 मई, 1857 ई. में मेरठ से हुई थी। मेरठ के विद्रोही 11 मई को दिल्ली पहुँचे और उन्होंने दिल्ली पर अधिकार कर लिया। यह ब्रिटिश शासन के विरूद्ध एक सशस्त्र विद्रोह था जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 2 वर्षों तक चलता रहा। यह विद्रोह दिल्ली, आगरा, कानपुर तथा लखनऊ में व्यापक रूप से फैला था।

स्थान		नेतृत्वकर्ता
दिल्ली	-	बहादुरशाह द्वितीय
कानपुर	-	नाना साहब
लखनऊ	-	बेगम हजरत महल

16. किसान/मजदूर/ जनजातीय (Peasent/Labour/Tribal Movement)

विभिन्न किसान आंदोलन

आंदोलन	प्रभावित क्षेत्र	नेतृत्व	कारण
मोपला विद्रोह (प्रथम चरण 1836–1854 ई)	मालाबार	के. एन. हाजी	अंग्रेजों द्वारा नई राजस्व व्यवस्था लागू करना।
नील विद्रोह (1859–60 ई.)	बंगाल	दिगंबर, विश्वास, विष्णु विश्वास	यूरोपीय लोगों द्वारा किसानों से बलपूर्वक नील की खेती करवाना।
पाबना विद्रोह (1873–76 ई.)	बंगाल	ईशाचंद्र राय, शंभुनाथ तथा केशव चन्द्र राय	अधिक लगान तथा वर्ष 1859 के अधिनियम के अन्तर्गत मिली काश्तकारों की जमीन पर कब्जे के विरुद्ध षड्यंत्र और बेदखली।
दक्कन विद्रोह (1874–75 ई.)	महाराष्ट्र के पूना, अहमदनगर, शोलापुर व सतारा जिले	बाबा साहब देशमुख	रैय्यतवाड़ी वाले क्षेत्र के किसान कर्ज अदायगी को लेकर महाजनों के जाल में फँस गए। कपास की गिरती कीमते व अकाल के बावजूद लगान की दर में अत्यधिक वृद्धि।
चंपारण सत्याग्रह (1917 ई.)	चंपारण, रामनगर मोतीहारी, बेतिया, मधुबनी	महात्मा गाँधी	तिनकठिया प्रणाली के विरोध में
खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई.)	खेड़ा (गुजरात)	महात्मा गाँधी, वल्लभ भाई पटेल	फसल बर्बाद होने के बावजूद सरकार द्वारा मालगुजारी वसूल किया जाना।
अवध किसान आंदोलन (1920 ई.)	प्रतापगढ़, रायबरेली, सुल्तानपुर, फैजाबाद	झींगुरी लाल सिंह, बाबा रामचंद्र	अवैध लगान व बेदखली अधिनियम लागू। अवध माल गुजारी (संशोधन अधिनियम) से लगान में बढ़ोत्तरी।
एका आंदोलन (1921-22 ई.)	बाराबंकी, हरदोई बहराइच सीतापुर	मदारी पासी	लगान में वृद्धि
मोपला आंदोलन (द्वितीय चरण) (1921 ई.)	मालाबार	अली मुदलियार	अधिक लगान व बेदखली
बारदोली सत्याग्रह (1928 ई.)	सूरत का बारदोली ताल्लुका	सरदार वल्लभभाई पटेल	लगान में बढ़ोत्तरी
पंजाब में किसान आंदोलन (1930-40 ई.)	जालंधर, अमृतसर, होशियारपुर, लैलपुरा शेखुपुरा	सोहन सिंह भाकना, ज्वाला सिंह, तेज सिंह, मास्टर हरि सिंह, बाबा	भू-राजस्व में कटौती, ऋणों के भुगतान में स्थगन, तात्कालिक कारण अमृतसर व लाहौर में भू-राजस्व का पुनर्निर्धारण, राजस्व का पुनर्निर्धारण, नहर-कर में वृद्धि।
तेभागा आंदोलन (1946 ई.)	दिनाज़पुर, रंगपुर, जलपाईगुड़ी, मिदनापुर, चौबीस परगना	कंपाराम भवन सिंह मूली सिंह	बँटाईदारों ने निर्णय लिया कि वे जोतदारों को आध के स्थान पर एक-तिहाई उपज देंगे।
तेलंगाना आंदोलन (1946-51 ई.)	तेलंगाना	सामूहिक नेतृत्व	निज़ाम, जमींदारों, साहूकारों तथा व्यापारियों के विरूद्ध संघर्ष

- कोया विद्रोह आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी क्षेत्र में शुरू हुआ और उड़ीसा के माल्कानगिरि जिले के कुछ क्षेत्रो को प्रभावित किया, विद्रोह का कारण अंग्रेजो द्वारा जंगलो पर आदिवासियों के परम्परागत अधिकार को समाप्त करना, पुलिस ज्यादतियाँ तथा साहूकारों द्वारा शोषण आदि थे। यह विद्रोह दो चरणों में हुआ-प्रथम चरण 1879-80 में हुआ जिसका नेता टोम्पा सोरा था। दूसरा चरण 1886 में हुआ। जिसका नेता अनन्त शैय्यार था। इसके नेतृत्व में 'राम की सेना' का गठन हुआ।

- 1921-22 में केरल के मालाबार समुद्र तट के किसानों ने एक महान विद्रोह किया, जिसे मोपला के रूप में जाना जाता है। इस विद्रोह के मुख्य नेता के रूप में अली मुसलियार चर्चित थे। महात्मा गांधी, शौकत अली, मौलाना आजाद जैसे नेताओं का सहयोग इस आन्दोलन को प्राप्त था।
- 1894 में अंग्रेजो की कर नीतियों के खिलाफ पाथरूघाट किसान विद्रोह हुआ था। पाथरूघाट असम में एक जगह है और वर्तमान में पथरीघाट के रूप में जाना जाता है। 28 जनवरी, 1894 को एक पुलिस द्वारा गोलीबारी में करीब 140 किसान मारे गये थे। पथरीघाट को असम में जलियांवाला बाग के नाम से जाना जाता
- 1855–56 ई. में हुआ संथाल विद्रोह आदिवासी विद्रोहों में सर्वाधिक जबरदस्त था, यह विद्रोह मुख्यतः भागलपुर से राजमहल के बीच केन्द्रित था। संथालों ने भूमिकर अधिकारियों के हाथों दुर्व्यवहार, पुलिस के दमन, जमीदारों-साहूकारों की वसूलियों के विरूद्ध अपना रोष प्रकट करते हुए विद्रोह किया।
- गुजरात प्रान्त का बारदोली सत्याग्रह 1928 में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का सबसे संगठित, व्यापक एवं सफल आन्दोलन रहा है। यह आन्दोलन सरकार द्वारा बढ़ाये गये 22% कर के विरोध में चलाया गया था। इसका नेतृत्व सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. भूदान-ग्रामदान आंदोलन निम्नलिखित में से किसके द्वारा शुरू किया गया था?

(a) विनोबा भावे (b) एम. के. गांधी
(c) जयप्रकाश नारायण (d) आचार्य कृपलानी

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1

Ans. (a) : भूदान आंदोलन संत विनोबा भावे द्वारा सन् 1951 में आरम्भ किया। यह स्वैच्छिक भूमि सुधार आंदोलन था। इस आंदोलन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा की गयी थी। यह आंदोलन वर्तमान के तेलंगाना राज्य के पोचमपल्ली गांव से शुरू किया गया था।

2. 1928 के बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व ______ने किया था।

(a) लाला लाजपत राय (b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) बिपिन चंद्र पाल

राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)

Ans : (b) वर्ष 1928 के बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया था। यह एक किसान आन्दोलन था। इस आन्दोलन में सरदार पटेल ने लगान वृद्धि का विरोध किया था। आन्दोलन के सफल होने के बाद वहाँ की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की थी।

3. निम्नलिखित में से कौन अवध के कृषक आन्दोलन का नेता था?

(a) बाबा रामचंद्र (b) महात्मा गाँधी
(c) बी.आर. अम्बेडकर (d) अल्लूरी सीताराम राजू

राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Evening)

Ans : (a) अवध के कृषक आन्दोलन के नेता बाबा रामचंद्र थे। ये मूलतः महाराष्ट्र के रहने वाले थे। इन्होंने जमींदारी के विरूद्ध अवध के किसानों को संगठित करने के लिये पहल की। ये संन्यासी वेष में रहकर सभायें आयोजित करने लगे। रामचरित मानस के पाठ द्वारा किसानों को जागृत एवं संगठित किया। इन्ही के प्रयास से अक्टूबर, 1920 में प्रतापगढ़ में एक समानान्तर संगठन 'अवध किसान सभा' का गठन किया।

4. 'भूदान' आन्दोलन के प्रवर्तक किन्हें माना जाता है?

(a) जयप्रकाश नारायण (b) श्रीरामचन्द्र रेड्डी
(c) महात्मा गाँधी (d) विनोबा भावे

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans : (d) भूदान आन्दोलन आचार्य विनोबा भावे द्वारा सन् 1951 ई. में आरम्भ किया गया जो एक स्वैच्छिक भूमि सुधार आन्दोलन था। विनोबा भावे की कोशिश थी कि भूमि का पुनर्वितरण सिर्फ सरकारी कानूनों के जरिए नहीं हो, बल्कि एक आन्दोलन के माध्यम से इसकी सफल कोशिश की जाए।

17. सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन (Social & Religious Reform Movement)

हिन्दू धार्मिक-सामाजिक आंदोलन

संस्था	संस्थापक	स्थापना	स्थल	प्रमुख उद्देश्य
आत्मीय सभा	राममोहन राय	1815ई.	कलकत्ता	हिंदू धर्म की बुराईयों पर आक्रमण व एकेश्वरवाद का प्रचार-प्रसार।
ब्रह्म समाज	राममोहन राय	1828ई.	कलकत्ता	इसका उद्देश्य, एकेश्वरवाद का प्रसार था। पहले इसका नाम ब्रह्म सभा था।
धर्म सभा	राधाकांत देव	1829ई.	कलकत्ता	इसकी स्थापना ब्रह्म समाज के विरोध में हुई तथा इसका उद्देश्य हिंदू धर्म की रक्षा करना था।
तत्वबोधिनी सभा	देवेंद्रनाथ टैगोर	1839ई.	कलकत्ता	इसका उद्देश्य, राजा राममोहन राय के विचारों का प्रचार करना था।
परमहंस मंडली	दादोबा पाण्डुरंग	1849ई.	बम्बई	इसका उद्देश्य जाति प्रथा के बंधनों को समाप्त करना था।

भारतीय ब्रह्म समाज	केशवचंद्र सेन	1866ई.	कलकत्ता	ब्रह्म समाज से अलग होकर केशव चन्द्र सेन ने नई संस्था स्थापित की, इस विभाजन के बाद मूल समाज को आदि ब्रह्म समाज कहा गया।
प्रार्थना सभा	आत्माराम पाण्डुरंग	1867ई.	बम्बई	इसका प्रमुख उद्देश्य, हिंदू धर्म के विचारों तथा प्रचलित मान्यताओं में सुधार करना था।
आर्य समाज	दयानंद सरस्वती	1875ई.	बम्बई	हिंदू धर्म में सुधार तथा हिंदुओं का धर्म परिवर्तन रोकना था।
थियोसोफिकल सोसाइटी	मैडम एच.पी. ब्लावात्सकी व हेनरी अल्कॉट	1875ई.	न्यूयॉर्क	इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य, प्राचीन हिन्दू धर्म एवं दर्शन का प्रसार तथा विश्व बंधुत्व की भावना विकसित करना था।
साधारण ब्रह्म समाज	शिवनाथ शास्त्री, आनंद मोहन बोस	1878ई.	कलकत्ता	ब्रह्म समाज में द्वितीय विभाजन, समाज की व्यवस्था तथा समाज सुधार के प्रश्न पर केशवचन्द्र सेन के युवा अनुयायियों के एक वर्ग ने उन्हें छोड़ दिया।
इंडियन नेशनल सोशल कॉफ्रेंस	एम.जी. रानाडे	1887ई.	बम्बई	भारतीय समाज में प्रचलित बुराईयों को दूर करके सोशल रिफार्म करना तथा महिला कल्याण करना।
रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानंद	1897ई.	बेलूर	इसका उद्देश्य, मानवतावादी एवं सामाजिक कार्य करना था।
भारत सेवक समाज	गोपाल कृष्ण गोखले	1905ई.	बम्बई	मातृभूमि की सेवा के लिए भारतीयों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षित करना।
पूना सेवा सदन	रमाबाई रनाडे	1909ई.	पूना	महिला कल्याण को बढ़ावा देना व उनका उत्थान करना।
सोशल सर्विस लीग	एन.एम.जोशी	1911ई.	बम्बई	सामान्य नागरिकों के लिए जीवन में बेहतर कार्य करने का अवसर प्रदान करना।
वीमेंस इंडियन एसोसिएशन	–	1917ई.	मद्रास	यह संस्था भारतीय महिलाओं के कल्याण हेतु गठित की गयी थी।
रहनुमाई मज़दायसन सभा	दादाभाई नौरोजी, फरदोन जी, एस.एस. बंगाली	1851ई.	बम्बई	इसका उद्देश्य, पारसी या जरथ्रुष्ट (Zoroastrianism) धर्म सुधार तथा सभी पारसी महिलाओं में आधुनिक चेतना का प्रसार करना था।

भारत में मुस्लिम सुधार आन्दोलन

आन्दोलन	संस्थापक	स्थल	विशेषता
अलीगढ़ आन्दोलन	सर सैय्यद अहमद खाँ	अलीगढ़	यह अंग्रेजी शिक्षा एवं ब्रिटिश सरकार के पक्ष में सबसे प्रभावी आन्दोलन था। वर्ष 1875 में अहमद खाँ ने अलीगढ़ में मुहम्मद एंग्लों–ओरिएन्टल स्कूल की स्थापना की थी।
अहमदिया आन्दोलन	मिर्जा गुलाम अहमद	पंजाब	यह उदारवादी सिद्धांत पर आधारित आन्दोलन था।
देवबन्द आन्दोलन	मोहम्मद कासिम ननौतवी, रशीद अहमद गंगोही	देवबंद, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)	इसका मुख्य उद्देश्य कुरान की शिक्षाओं का प्रसार करना तथा अंग्रेजों का विरोध करना था।
बहाबी आन्दोलन	सैय्यद अहमद, राय बरेलवी	पटना (मुख्य केन्द्र)	यह मुख्यत; सम्प्रदायिक मुस्लिम सुधारवादी आंदोलन था।

अंग्रेजों द्वारा निर्मित सामाजिक सुधार के कानून व अधिनियम

कानून	गवर्नर जनरल	वर्ष	विशेषता
नवजात कन्या हत्या कानून	जॉन शोर	1795	इस कानून के द्वारा कन्याओं की हत्या पर रोक लगायी गयी।
बाल हत्या निरोधक कानून	लॉर्ड वेलेजली	1804	इस कानून के द्वारा नवजात शिशुओं को मारने पर रोक लगाई गई।
सती प्रथा निषेध कानून	विलियम बेंटिक	1829	इसके द्वारा सती प्रथा पर कानूनी रोक लगाकर इसे हत्या माना गया।
हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	लॉर्ड डलहौजी	1856	इस अधिनियम द्वारा विधवा विवाह को कानूनी मान्यता दी गयी।
सम्मति आयु अधिनियम	लैंसडाऊन	1891	12 वर्ष से कम आयु के बालकों के विवाह पर रोक लगयी गयी।

शारदा एक्ट	लॉर्ड इरविन	1929	इस एक्ट के द्वारा बालकों एवं बालिकाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु क्रमशः 18 तथा 14 वर्ष निश्चित की गई।
हिंदू महिला सम्पत्ति अधिनियम	लॉर्ड ऑकलैण्ड	1937	इसमें हिंदू महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार प्रदान किया गया।
दास प्रथा प्रतिबंध	लॉर्ड एलेनबरो	1843	1833 के चॉर्टर अधिनियम द्वारा दास प्रथा प्रतिबंधित किया गया था।

- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय ने कलकत्ता में 20 अगस्त 1828 को की जिसका उद्देश्य था तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त बुराईयो जैसे सती प्रथा, बहुविवाह, अस्पृश्यता आदि को समाप्त करना। कालान्तर में देवेन्द्रनाथ टैगोर और केशव चन्द्र सेन इस संस्था से जुडे।
- राजा राम मोहन राय की पुस्तक 'गिफ्ट टू मोनोथिस्ट्स' मूल रूप से फारसी भाषा में लिखी गई थी। राजा राम मोहन राय आधुनिक भारत के पुनर्जागरण के पिता और एक अथक समाज सुधारक थे। उन्होंने वर्ष 1815 में आत्मीय सभा, वर्ष 1821 में कलकत्ता यूनिटेरियन एसोसिएशन और वर्ष 1828 में ब्रह्म सभा (जो बाद में ब्रह्म समाज बन गया) की स्थापना की।
- आर्य समाज वैदिक धर्म सुधार आंदोलन था। जो वेदों को समस्त ज्ञान का स्रोत मानती थी। आर्य समाज की स्थापना दयानन्द सरस्वती ने 1875 ई. में मुम्बई में की गई और बाद में इसका मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया था। दयानन्द के विचार उनकी प्रसिद्ध कृति सत्यार्थ प्रकाश में प्रकाशित हुए थे। इन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने 1 मई 1897 ई. में की थी। सर्वप्रथम इस मठ की स्थापना कोलकाता के समीप बारानगर में की गई तथा इसका मुख्यालय बेलूर में स्थित है। स्वामी विवेकानन्द, रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे। इस मिशन की स्थापना के केन्द्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। इनके जन्म-दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इन्होंने 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।
- थियोसोफिकल सोसाइटी एक अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था है। रूस निवासी हैलना पैट्रोवना ब्लावटस्की और अमेरिका निवासी कर्नल हेनरी स्टील अल्काट ने 17 नवम्बर 1875 को न्यूयार्क में थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना की थी। 1882 ई. में मद्रास के अड्यार में इस सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया गया
- प्रार्थना समाज की स्थापना मार्च 1867 को बंबई में महादेव गोविंद रानाडे, आत्माराम पांडुरंग और आर.जी भंडारकर द्वारा की गयी थी। यह भारतीय पुनर्जागरण के समय धार्मिक और सामाजिक सुधारों के लिए स्थापित एक संस्था है।
- महत्वपूर्ण संस्था एवं उनके संस्थापक–

	संस्था	**संस्थापक**
(1)	होम रूल लीग	बाल गंगाधर तिलक
(2)	रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानंद
(3)	आत्मीय सभा	राजा राम मोहन राय
(4)	सर्वेन्ट ऑफ इंडिया सोसाइटी	गोपाल कृष्ण गोखले
(5)	अभिनव भारत	विनायकदामोदर सावरकर

- ज्योतिबा फुले ने 1873 ई. में पुणे (महाराष्ट्र) में सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इसे सोसाइटी सीकर्स ऑफ ट्रुथ के नाम से भी जाना जाता है। इसका उद्देश्य शूद्रों-अतिशूद्रों को पुजारी, पुरोहित, सूदखोर आदि की सामाजिक-सांस्कृतिक दासता से मुक्ति दिलाना, धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यों में पुरोहित की अनिवार्यता को खत्म करना, धार्मिक एवं जाति-आधारित उत्पीड़न से मुक्ति दिलाना तथा पढ़े लिखे शूद्रातिशूद्र युवाओं के लिए प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था।
- तत्कालीन ब्रिटिश भारत के गवर्नर जनरल 'लॉर्ड विलियम बेंटिक' द्वारा 4 दिसंबर 1829 को बंगाल सती रेगुलेशन पास किया गया था, इस कानून के माध्यम से पूरे ब्रिटिश भारत में सती प्रथा पर रोक लगा दी गयी। इस रेगुलेशन में सती प्रथा को इंसानी प्रकृति की भावनाओं के विरूद्ध बताया गया। वर्ष 1829 के 17वें नियम के अनुसार विधवाओं को जीवित जिन्दा जलाना अपराध घोषित कर दिया गया था। ध्यातव्य है कि राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा को मिटाने के लिए प्रयत्न किया था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. सर्वेट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना . . . . द्वारा 1905 में कल्याणकारी कार्यों में विभिन्न जातियों और धर्मों के भारतीयों को एकजुट करने और प्रशिक्षित करने के लिए की गई थी।

(a) राजा राममोहन रॉय (b) लाला लाजपत राय
(c) सी.आर.दास (d) गोपाल कृष्ण गोखले

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (d) : सर्वेट्स आफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना 'गोपाल कृष्ण गोखले' द्वारा 12 जून, 1905 में कल्याणकारी कार्यों में विभिन्न जातियों और धर्मों के भारतीयों को एकजुट करने और प्रशिक्षित करने के लिए की गई थी। इस संगठन ने शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने और अस्पृश्यता की सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए, भेदभाव, शराब, गरीबी, महिलाओं का उत्पीड़न और घरेलू शोषण से महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभियान चलाए। यह महात्मा गाँधी के राजनीतिक गुरू व महादेव गोविंद रानाडे के शिष्य थे। भारत सचिव मार्ले ने इन्हें 'एक ताल ठोकने वाला चिमटा कहा'।

2. 'वेदों की ओर लौटो' या 'वेदों की ओर वापस जाओ' का नारा किसने दिया?

(a) राजा राममोहन राय (b) दयानंद सरस्वती
(c) विवेकानंद (d) रामकृष्ण परमहंस

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (b) : 'वेदो की ओर लौटो' या 'वेदों की ओर वापस जाओ' का नारा स्वामी दयानंद सरस्वती ने दिया था। स्वामी दयानंद सरस्वती (1824-83ई.) के बचपन का नाम मूल शंकर था। उनका जन्म गुजरात के मौरवी रियासत के निवासी एक ब्राह्मण कुल में हुआ था। स्वामी विरजानंद से उन्होंने वेदों के शुद्ध अर्थ तथा वैदिक धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा प्राप्त की। वैदिक धर्म को शुद्ध रूप से पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से 1875 ई0 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने बंबई में 'आर्य समाज' की स्थापना की।

3. 1875 के अलीगढ़ आन्दोलन से किसका नाम जुड़ा है?

(a) मोहम्मद अली जिन्नाह (b) दादाभाई नौरोजी
(c) हकीम अजमल खान (d) सर सैय्यद अहमद खान

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (d) : 1875 ई. के अलीगढ़ आंदोलन से सर सैय्यद अहमद खान का नाम जुड़ा है। सर सैय्यद अहमद खान (1817-1898 ई.) मुसलमानों के सबसे प्रमुख समाज सुधारक थे। वह आधुनिक वैज्ञानिक विचारों से काफी प्रभावित थे तथा जीवन भर इस्लाम के साथ उनका तालमेल करने के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने कहा कि धर्म के तत्त्व भी अपरिवर्तनीय नहीं हैं। धर्म अगर समय के साथ नहीं चलता तो वह जड़ हो जाएगा जैसा कि भारत में हुआ है। उन्होंने 1875 ई. में अलीगढ़ में मोहम्मडन एंग्लो-ओरियंटल कॉलेज की स्थापना, पाश्चात्य विज्ञान तथा संस्कृति का प्रचार करने वाले एक केन्द्र के रूप में की। बाद में 1920 में यह कॉलेज अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तित हो गया।

4. निम्न का मिलान करेंः

A.	ब्रह्म समाज	1.	स्वामी विवेकानन्द
B.	रामकृष्ण मिशन	2.	दयानन्द सरस्वती
C.	आर्य समाज	3.	राम मोहन राय
D.	सत्यशोधक समाज	4.	के. श्रीधरालू नायडू
		5.	ज्योतिराव फूले

	A	B	C	D
(a)	2	3	5	1
(b)	3	1	2	4
(c)	3	1	2	5
(d)	3	2	1	5

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-I]

Ans. (c) : सही सुमेलित है–

संस्था	**संस्थापक**	**वर्ष**
ब्रह्म समाज	राजा राममोहन राय	1828
रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानन्द	1897
आर्यसमाज	दयानन्द सरस्वती	1875
सत्यशोधक समाज	ज्योतिबा राव फूले	1873

5. स्वामी दयानंद सरस्वती ने किस शहर में पहली बार 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी?

(a) बॉम्बे (अब मुंबई) (b) अहमदाबाद
(c) पुणे (d) कलकत्ता (अब कोलकाता)

Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)

Ans. (a) : आर्य समाज एक हिन्दू सुधार आंदोलन है जिसकी स्थापना स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई. में बॉम्बे (मुंबई) में की। स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा रचित 'सत्यार्थ प्रकाश' नामक ग्रन्थ आर्य समाज का मूल ग्रन्थ है।

18. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress)

- कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई के ग्वालिया टैंक स्थित गोकुल दास तेजपाल संस्कृत कालेज में की गई थी। कांग्रेस शब्द उत्तरी अमेरिका से लिया गया है, जिसका अर्थ लोगों का समूह है। इसका प्रारम्भिक नाम भारतीय राष्ट्रीय संघ था लेकिन दादा भाई नौरोजी के सुझाव पर इसका नाम 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' कर दिया गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक ए.ओ ह्यूम' थे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष एनी बेसेंट थी। इन्हें 1917 में कोलकाता अधिवेशन में अध्यक्ष चुना गया था। जबकि सरोजनी नायडू कांग्रेस की अध्यक्ष (1925 कानपुर अधिवेशन) बनने वाली पहली भारतीय महिला थी।
- कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन वर्ष 1916 में अम्बिका चरण मजूमदार की अध्यक्षता में हुआ था। इस अधिवेशन में लखनऊ समझौता (पैक्ट) संपन्न हुआ।
- कांग्रेस का सूरत अधिवेशन (1907 ई.) ऐतिहासिक दृष्टि से अति महत्त्वपूर्ण था। गरम दल तथा नरम दल के आपसी मतभेदों के कारण इस अधिवेशन में कांग्रेस दो भागों में विभाजित हो गई।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1929 के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' का लक्ष्य घोषित किया। कांग्रेस के ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की।
- भारतीय राष्ट्रगान 'जन गण मन' की रचना रवीन्द्र नाथ टैगोर ने की थी। राष्ट्रगान की रचना सर्वप्रथम बांग्ला भाषा में की गयी थी तथा इस गीत को पहली बार 27 दिसम्बर, 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दौरान गाया गया
- कर्नाटक के बेलगाम शहर का ऐतिहासिक महत्व है। यहाँ पर वर्ष 1924 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की थी।
- सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में आयोजित किया गया। वर्ष 1920 के कांग्रेस अधिवेशन में गाँधी जी द्वारा असहयोग प्रस्ताव रखा गया था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता लाला लाजपत राय ने की थी।
- कांग्रेस का विशेष अधिवेशन मार्च, 1931 ई. में सरदार बल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में कराची में हुआ था। कराची अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' के साथ गाँधी-इरविन पैक्ट को स्वीकार कर लिया गया। इस अधिवेशन में 'मौलिक अधिकार और कर्तव्य' शीर्षक प्रस्ताव भी स्वीकार किया गया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस के उस अधिवेशन के स्थान का नाम बताइए जहाँ 'पूर्ण स्वराज' को अपना अंतिम लक्ष्य घोषित किया गया था।

(a) लाहौर (b) कलकत्ता
(c) बंबई (d) सूरत

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (a) : वर्ष 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में हुआ। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित करके 'पूर्ण स्वराज्य' को अपना अंतिम लक्ष्य घोषित किया। जवाहर लाल नेहरू इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे। इसी अधिवेशन के दौरान 31 दिसम्बर 1929 को स्वाधीनता का नया स्वीकृत तिरंगा झण्डा फहराया गया और 26 जनवरी 1930 को पहला स्वाधीनता दिवस घोषित किया गया।

2. पूर्ण स्वराज की माँग करने वाले प्रथम कार्यकर्ता का नाम लिखिए।

(a) मघफूर अहमद अजाजी (b) बिपिन चन्द्र पाल
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) हसरत मोहानी

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (d) : पूर्ण स्वराज की माँग करने वाले प्रथम कार्यकर्ता प्रसिद्ध कवि एवं खिलाफत नेता हसरत मोहानी थे। उन्होंने अहमदाबाद में 1921 में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग की। कांग्रेस के मंच से पहली बार पूर्ण स्वराज की माँग 1929 के लाहौर अधिवेशन में की गई, जिसकी अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तब की गई थी जब दिसंबर 1885 में देश भर के 72 प्रतिनिधियों ने .... में मुलाकात की थी।

(a) बॉम्बे (b) कलकत्ता
(c) लाहौर (d) दिल्ली

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (a) : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 ई. को बम्बई (तत्कालीन बॉम्बे) में एलन ओक्टेवियन ह्यूम ने की। ए.ओ. ह्यूम ने वायसराय लार्ड डफरिन की स्वीकृति से बंबई में पहली बैठक आयोजित की। कांग्रेस के पहले अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी थे। पहली बैठक में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया जो भारत के प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते थे।

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की थी:

(a) एलन ऑक्टेवियन ह्यूम ने
(b) व्योमेश चंद्र बनर्जी ने
(c) फिरोज शाह मेहता ने
(d) दादाभाई नौरोजी ने

UPSSSC Assit.Boring Technician 3-7-2022

Ans. (a) : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर 1885 को बंबई के गोकुल दास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय में हुई थी। इसके संस्थापक एलन ऑक्टेवियन ह्यूम (ए.ओ.ह्यूम) जी थे। यह कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता व्योमेश चन्द्र बनर्जी ने की थी।

5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा किस अधिवेशन में ऐतिहासिक ''पूर्ण स्वराज्य'' (पूर्ण स्वतंत्रता) का प्रस्ताव पारित किया गया?

(a) बम्बई (b) लाहौर
(c) कराची (d) लखनऊ

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-II]

Ans. (b) :

कांग्रेस सम्मेलन स्थल/ अध्यक्ष	वर्ष	प्रमुख कार्य
बम्बई (व्योमेश चन्द्र बनर्जी)	1885	कांग्रेस की स्थापना
लखनऊ (अम्बिका चरण मजूमदार)	1916	गरम दल एवं नरम दल तथा कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के मध्य समझौता
लाहौर (जवाहर लाल नेहरू)	1929	पूर्ण स्वराज का नारा
कराची (वल्लभभाई पटेल)	1931	मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रमों की संकल्पना पारित तथा गाँधी इरविन समझौते का अनुमोदन।

19. महात्मा गाँधी एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन/ संग्राम (Mahatma Gandhi & Indian Indipendence Movement)

- सरकार (लॉर्ड कर्जन) ने 20 जुलाई, 1905 को बंगाल के विभाजन की घोषणा कर दी। जिसके परिणाम स्वरूप 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता (अब कोलकाता) के टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा की गई
- अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना 30 दिसम्बर, 1906 को ढाका के नवाब सलीम उल्ला खाँ के निमंत्रण में एक सम्मेलन में हुआ। जिसकी अध्यक्षता आगा खाँ ने की थी।
- इंग्लैण्ड के सम्राट जॉर्ज पंचम व महारानी मैरी के स्वागत में 1911 को दिल्ली में एक दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में वायसराय लार्ड हार्डिंग-II द्वारा बंगाल विभाजन को रद्द करने तथा भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित करने की घोषणा की गयी। दिल्ली 1 अप्रैल, 1912 को राजधानी बनी।
- भारत में क्रांतिकारियों के प्रभाव को समाप्त करने तथा राष्ट्रीय भावना को कुचलने के उद्देश्य से न्यायाधीश सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की गई थी। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर ब्रिटिश भारत की केन्द्रीय विधान परिषद द्वारा रौलेट बिल पारित किया गया। इस अधिनियम के आधार पर ब्रिटिश सरकार किसी को भी शक के आधार पर गिरफ्तार कर सकती थी। इस अधिनियम को 'बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील' कानून कहा गया। इस अधिनियम के विरोध स्वरूप 6 अप्रैल, 1919 को राष्ट्रीय अपमान दिवस के रूप में मनाया गया।
- रौलेक्ट एक्ट के दौरान ब्रिटिश सरकार ने पंजाब के दो लोकप्रिय नेता डॉ. सैफुद्दीन किचलू व डॉ. सत्यपाल को गिरफ्तार कर लिया। इसी गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए 13 अप्रैल, 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक

जनसभा आयोजित हुई। जिस पर जनरल डायर ने गोली चलवा दी, जिससे सैकड़ों लोग मारे गये। ब्रिटिश सरकार ने जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की जांच हेतु 1 अक्टूबर, 1919 ई. को लार्ड हंटर की अध्यक्षता में एक हंटर आयोग की नियुक्ति की।

विशेष– जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की जांच हेतु कांग्रेस ने 'तहकीकात कमेटी' (1919 ई.) की नियुक्ति की जिसके अध्यक्ष 'मदन मोहन मालवीय' थे।

- रवींद्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' उपाधि जलियावाला बांग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919) के विरोध में त्याग दी थी। वर्ष 1915 में रवींद्रनाथ टैगोर को ब्रिटिश सरकार ने 'नाइटहुड' अर्थात् 'सर' की उपाधि से अलंकृत किया था। रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए वर्ष 1913 में साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया था। यह पुरस्कार जीतने वाले वह पहले गैर-यूरोपीय थे।
- 8 अप्रैल, 1929 के दिन भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका था। जिसका उद्देश्य अंग्रेजों के दमनकारी कानूनों जैसे– पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूटस बिल का विरोध करना था। इस बम कांड को लाहौर षड्यंत्र केस के अंतर्गत बटुकेश्वर दत्त को जेल और भगत सिंह को फाँसी की सजा दी गई थी।
- हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना 1924 कानपुर में शचीन्द्र सान्याल, योगेश चटर्जी इत्यादि द्वारा की गयी थी। काकोरी काण्ड की योजना हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्यों ने हथियारों के माध्यम से अंग्रेजी शासन को उखाड़ कर स्वराज स्थापित करने के उद्देश्य से 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी गांव में 8 डाउन मालगाड़ी को रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। जिसमें 29 कान्तिकारियों की गिरफ्तारी हुई और उन पर काकोरी ट्रेन डकैती का केस चला।
- महात्मा गाँधी ने जलियावाला बाग नरसंहार (13 अप्रैल 1919 ई.) के जवाब में अपनी 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि वापस कर दी , जो ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हें दक्षिण अफ्रीका में बोअर युद्ध के दौरान उनकी सेवाओं के लिए दिया गया था
- महात्मा गाँधी ने 'अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ' की स्थापना '1932' में की थी। पहले इस संगठन का नाम अस्पृश्यता निवारण संघ रखा गया था जिसे 13 सितंबर 1933 को हरिजन सेवक संघ नाम दिया गया। इसके प्रथम अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति घनश्यामदास बिड़ला तथा सचिव अमृतलाल विट्ठलदास ठक्कर हुए।
- स्वराज पार्टी की स्थापना 1 जनवरी, 1923 को देशबंधु चितरंजन दास तथा पं. मोतीलाल नेहरू ने की। इस पार्टी का प्रथम अधिवेशन इलाहाबाद में सम्पन्न हुआ, इसके अध्यक्ष सी.आर. दास तथा महासचिव मोतीलाल नेहरू बनाये गये। जिसमें इसका संविधान और कार्यक्रम निर्धारित किया गया। इस दल के निम्नलिखित उद्देश्य थे–

(1) भारत को स्वराज्य दिलाना।
(2) विधान परिषदों में प्रवेश कर असहयोग कार्यक्रम को अपनाना और असहयोग आंदोलन को सफल बनाना।
(3) सरकार की नीतियों का घोर विरोध कर उसके कार्यो में अडंगा लगाना जिससे सरकार अपनी नीतियों में परिवर्तन के लिए विवश हो जाए।

- 1 अगस्त, 1920 को गाँधी जी ने असहयोग आन्दोलन आरम्भ किया। 4 फरवरी, 1922 को उ.प्र. के गोरखपुर जिले के चौरी चौरा नामक स्थान पर किसानों के एक जुलूस पर चौरी चौरा थाने के सिपाहियों ने गोली चला दी जिससे क्रुद्ध भीड़ ने भगवान दास अहिर के नेतृत्व में थाने को आग के हवाले कर दिया। इसमें 22 सिपाहियों की मृत्यु हो गयी। इससे आहत होकर गाँधी जी ने 12 फरवरी, 1922 को बारदोली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में असहयोग आन्दोलन स्थगित कर दिया।
- 30 अक्टूबर, 1928 को जब साइमन कमीशन ने लाहौर का दौरा किया तो लाला लाजपत ने मौन अहिंसक मार्च में आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया क्योंकि इसमें एक भी भारतीय को इसके सदस्य के रूप में शामिल नहीं किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन में पुलिस द्वारा किये गए लाठी चार्ज के दौरान गम्भीर रूप से घायल होने के कारण 17 नवम्बर, 1928 को लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई।
- दांडी मार्च को नमक सत्याग्रह के रूप में जाना जाता है। महात्मा गाँधी ने दांडी मार्च की शुरूआत 12 मार्च 1930 में अहमदाबाद के पास स्थित साबरमती आश्रम से हुई थी। इस मार्च के जरिए गाँधी जी ने अंग्रेज सरकार द्वारा नमक के ऊपर कर लगाने के कानून का विरोध किया था। नमक सत्याग्रह 24 दिनों तक गाँधी जी समेत 78 लोगों के द्वारा साबरमती आश्रम से दांडी तक पैदल यात्रा (241 मील) करके 6 अप्रैल 1930 को नमक हाथ में लेकर नमक विरोधी कानून को भंग किया।
- 5 मार्च, 1931 को महात्मा गाँधी और लॉर्ड इरविन के मध्य एक राजनीतिक समझौता हुआ, जिसे गाँधी-इरविन समझौता कहा जाता है। इस समझौते में गाँधी जी की निम्न मांगों को स्वीकार कर लिया गया- हिंसा के आरोपियों को छोड़कर बाकी सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा कर दिया जायेगा। भारतीयों को समुद्र के किनारे नमक बनाने का अधिकार दिया गया
- 8 अगस्त 1942 को महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भारत छोड़ो प्रस्ताव स्वीकार किया। गाँधी जी ने ग्वालियर टैंक मैदान में अपने भाषण में 'करो या मरो' का आह्वान किया, जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है। 'भारत छोड़ो' का नारा एक समाजवादी और ट्रेड यूनियनवादी यूसुफ मेहर अली द्वारा गढ़ा गया था।
- वर्ष 1939 में सुभाष चन्द्र बोस ने 'फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी। इसके अतिरिक्त जर्मनी में सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 'फ्री इण्डिया सेंटर' की स्थापना की गयी, इसी संस्था द्वारा सुभाष

चन्द्र बोस ने प्रथम बार 'जय हिन्द' का नारा दिया। 21 अक्टूबर, 1943 में सुभाष चन्द्र बोस ने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार का गठन किया। सुभाष चन्द्र बोस ने ही महात्मा गाँधी को प्रथम बार 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया था।

- कैबिनेट मिशन 1946 में भारत आया। इस मिशन का लक्ष्य भारतीय नेतृत्व को सत्ता सौंपने की योजना पर विचार विमर्श करना था। इस मिशन का गठन ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली की पहल पर हुआ। इस मिशन के सदस्य सर पैथिक लारेन्स, सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, ए.बी. एलेक्जेंडर थे। पैथिक लारेन्स ने कैबिनेट मिशन का नेतृत्व किया था। 16 मई, 1946 को कैबिनेट मिशन ने भारत के लिए एक अन्तरिम सरकार की स्थापना, संविधान सभा का गठन एवं इसके निर्माण हेतु एक योजना प्रस्तुत किया।
- भारत परिषद अधिनियम, 1909 जिसे मार्ले-मिन्टो सुधार के नाम से भी जाना जाता है। मार्ले-मिन्टो सुधार राज्य के सचिव जॉन मार्ले और वायसराय लार्ड मिंटो द्वारा प्रस्तावित किया गया था। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय और प्रांतीय प्रशासन में भारतीयों की भागीदारी में सीमित वृद्धि करना था। इस सुधार के तहत पृथक निर्वाचक मंडल की अवधारणा पेश की गई थी।
-

गवर्नर जनरल	**कार्य/नीति**
लॉर्ड वेलेजली	सहायक संधि की नीति
लॉर्ड डलहौजी	राज्य हड़प नीति
लॉर्ड विलियम बेंटिक	सती प्रथा समाप्त
लॉर्ड कर्जन	बंगाल विभाजन

-

स्वतंत्रता सेनानी	**नारे**
बाल गंगाधर तिलक	'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मै इसे लेकर रहूँगा'
लाला लाजपत राय	'मेरे सिर पर लाठी का एक-एक प्रहार अंग्रेजी शासन के ताबूत की कील साबित होगा'
महात्मा गाँधी	'करो या मरो'
जवाहर लाल नेहरू	'अराम हराम है'
मुहम्मद इकबाल	'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा'

- प्रमुख व्यक्तियों के लोकप्रिय उपनाम-

व्यक्ति का नाम	**उपनाम**
आशुतोष मुखर्जी	बंगाल केसरी
दादा भाई नौरोजी	वयोवृद्ध पुरुष
मदन मोहन मालवीय	महामना
चितरंजन दास	देशबंधु
खान अब्दुल गफ्फार खां	सीमान्त गाँधी
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	अजातशत्रु

- सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था। उन्होंने 'जय हिन्द', 'दिल्ली चलो' तथा 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे प्रसिद्ध नारे दिए।
-

लेखक	**पुस्तक**
सुभाषचन्द्र बोस	द इण्डियन स्ट्रगल (आत्मकथा)
दादा भाई नौरोजी	पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इण्डिया
बंकिम चन्द्र चटर्जी	आनंदमठ
लाला लाजपत राय	अनहैप्पी इंडिया

- गेटवे ऑफ इंडिया ऐतिहासिक स्मारक है, जिसे मुम्बई मे ब्रिटिश राज के दौरान निर्मित कराया गया था। यह जार्ज पंचम और महारानी मेरी के मुम्बई आगमन के अवसर पर उन्हें सम्मानित करने के लिए बनाया गया था।
- नई दिल्ली स्थित इंडिया गेट (दिल्ली मेमोरियल) को अखिल भारतीय युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। 42 मीटर ऊँची आर्च से सुसज्जित इस इमारत को प्रसिद्ध वास्तुकार एडविन लुटियन्स ने डिजाइन किया था
- 1784 का पिट्स इण्डिया एक्ट का उद्देश्य 1773 के रेगुलेटिंग की कमियों को दूर करना था। पिट्स इण्डिया एक्ट का नाम इंग्लैंड के प्रधानमंत्री 'विलियम पिट द यंगर' के नाम पर रखा गया था। यह एक्ट ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के वाणिज्यिक और राजनीतिक कार्यों के बीच अंतर करता हैं।
- 31 अक्टूबर, 1929 को इरविन की घोषणा में भारत के लिए एक अधिराज्य/डोमेनियन स्टेट का दर्जा देने की बात की गयी थी। दिसम्बर, 1929 में कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में रावी नदी के किनारे आयोजित किया गया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता के लिए गाँधी जी चुने गये थे, लेकिन उन्होंने अपनी जगह जवाहर लाल नेहरू को अध्यक्ष बनाया
- दूसरा गोलमेज सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक आयोजित किया गया था। तीसरा गोलमेज सम्मेलन 17 नवम्बर, 1932 से 24 दिसंबर, 1932 के बीच लंदन में हुआ।
- लार्ड चेम्सफोर्ड (1916-1921 ई.) के काल में ही खिलाफत एवं असहयोग आन्दोलन की शुरुआत हुयी
- खिलाफत आंदोलन का सम्बन्ध तुर्की से था प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन द्वारा यह वादा किया गया था कि वे तुर्की साम्राज्य को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचायेंगे, लेकिन युद्ध की समाप्ति के बाद ब्रिटेन ने 'खलीफा' की सत्ता को विघटित करने का निश्चय किया। संसार भर के मुसलमान तुर्की के सुल्तान को अपना धर्मगुरु मानते थे। इस युद्ध के दौरान भारतीय मुसलमानों ने अंग्रेजों को इस आधार पर समर्थन दिया था कि तुर्की के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जायेगा, लेकिन युद्धोपरांत सरकार अपने वादे से मुकर गई और इस प्रकार खिलाफत आन्दोलन की पृष्ठभूमि तैयार हुइ

- महात्मा गांधी ने 1918 मे किसानों के समर्थन में गुजरात के खेड़ा जिले में सत्याग्रह का आयोजन किया था।
- खेड़ा सत्याग्रह का मुख्य कारण, गुजरात के खेड़ा जिले में फसलें खराब होने के बावजूद सरकार ने भारी भू-राजस्व लगाया।
- 4 जून 1903 को महात्मा गाँधी ने नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लड़ने और भारतीयों के लिए नागरिक अधिकारों की मांग के लिए दक्षिण अफ्रीका में अपना समाचार पत्र 'इण्डियन ओपिनियन' जारी किया।
- वर्ष 1931 में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 23 मार्च को फांसी दी गई थी। 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगूरू को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए शहीद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। ध्यातव्य है कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 'लाहौर षड्यंत्र' के आरोप में फांसी पर लटकाया गया
- काकोरी ट्रेन एक्शन एक ट्रेन डकैती थी, जो 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी नामक गांव में ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारियों द्वारा की गई थी। गौरवतलब है कि स्वतंत्रता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्ला खान, राजेन्द्र लाहिड़ी और रोशन सिंह को दिसंबर, 1927 को काकोरी डकैती में शामिल होने के लिए फांसी की सजा दी गई।
- चौधरी रहमत अली को पाकिस्तान की मांग करने वाले सबसे पहले समर्थकों में से एक माना जाता है। इन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से वकालत की पढ़ाई करते हुए, अपने दोस्तों के साथ 28 जनवरी 1933 को पाकिस्तान 'शब्द' का प्रयोग 'अभी नही तो कभी नहीं' शीर्षक से प्रकाशित पत्रिका में किया था। ज्ञातव्य है कि वर्ष 1940 ई. में मुस्लिम लीग ने लाहौर अधिवेशन में सर्वप्रथम पृथक पाकिस्तान राज्य की मांग की थी तथा 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' का बहिष्कार किया था। मुस्लिम लीग ने संविधान सभा में भी भाग नहीं लिया तथा पाकिस्तान की मांग पर अड़े रहे। अंततः माउंटबेटेन योजना के तहत भारत और पाकिस्तान का बँटवारा 14, अगस्त 1947 को हो गया।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम के द्वारा केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना की गयी। प्रांतों में द्वैध शासन की व्यवस्था 1919 के अधिनियम द्वारा की गयी थी। 1935 के अधिनियम द्वारा प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया गया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह और .... ने केंद्रीय विधान सभा में एक बम फेंका। उद्देश्य, जैसा कि उनके पत्रक ने समझाया था, मारना नहीं था, बल्कि ''बहरे को सुनाना'' था, और विदेशी सरकार को उसके कठोर शोषण की याद दिलाना था।

(a) सुखदेव (b) राजगुरू
(c) बी.के. दत्त (d) चन्द्रशेखर आजाद

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (c) : 'पब्लिक सेफ्टी बिल' पास होने के विरोध में 8 अप्रैल 1929 ई. को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त (बी. के. दत्त) ने दिल्ली में सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली में खाली बेंचों पर बम फेंका। उनका उद्देश्य, जैसा कि उनके पत्र में समझाया गया था, कि किसी की जान लेना नहीं बल्कि बहरे कानों तक अपनी आवाज पहुँचाना था।

2. 1919 में गाँधी जी ने .... के खिलाफ सत्याग्रह का आह्वान किया जिस अधिनियम ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया और पुलिस शक्तियों को मजबूत किया।

(a) रॉलेट अधिनियम
(b) मॉर्ले-मिंटो सुधार
(c) भारत का रक्षा अधिनियम
(d) जानलेवा आक्रोश अधिनियम

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (a) : वर्ष 1919 में गाँधी जी ने रौलेट अधिनियम के खिलाफ सत्याग्रह का आह्वान किया। इस अधिनियम ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया था और पुलिस शक्तियों को मजबूत किया था। इसके अनुसार किसी भी संदेहास्पद व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए गिरफ्तार किया जा सकता था, परन्तु उसके विरुद्ध 'न कोई अपील', न कोई दलील' और 'न कोई वकील' किया जा सकता था।

3. निम्नलिखित में से महात्मा गाँधी का कौन-सा सत्याग्रह नील कृषकों की समस्याओं से जुड़ा था?

(a) खेड़ा सत्याग्रह (b) बारदोली सत्याग्रह
(c) चंपारण सत्याग्रह (d) दांडी मार्च

UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022

Ans. (c) : 19वीं सदी के आरंभ में गोरे बागान मालिकों ने किसानों से एक अनुबन्ध करा लिया, जिसके तहत किसानों को अपनी जमीन के 3/20वें हिस्से में नील की खेती करना अनिवार्य था। इसे 'तिनकठिया' पद्धति कहते थे। जर्मनी में रासायनिक रंगों के आविष्कार के बाद चंपारण के यूरोपीय बागान मालिक नील की खेती बंद करने को मजबूर हुए। किसान भी इस अनुबंध से मुक्त होना चाहते थे लेकिन इस अनुबंध से मुक्त करने के लिए बागान मालिकों ने लगान व अन्य गैर कानूनी करों (आब्बाबों) को मनमाने ढंग से बढ़ा दिया। इस बढ़ोत्तरी के खिलाफ किसानों का विरोध काफी मुखर हुआ। किसानों के समक्ष उपस्थित संकट से मुक्ति दिलाने के लिए राजकुमार शुक्ल ने गाँधीजी को चंपारण आने के लिए राजी किया। मामले में गाँधीजी के हस्तक्षेप से सरकार ने एक आयोग गठित किया और गाँधीजी को भी इसका सदस्य बनाया। अंततः चम्पारण एग्रेरियन एक्ट 1917 बनाकर तिनकठिया पद्धति को समाप्त कर दिया गया एवं बागान मालिक अवैध वसूली का एक चौथाई वापस करने को राजी हुए।

4. **निम्न में से किसने महात्मा गाँधी के खिलाफत आन्दोलन से जुड़ने का विरोध किया?**

(a) खान अब्दुल गफ्फार खान (b) फजलुल हक

(c) मोहम्मद अली जिन्ना (d) अबुल कलाम आजाद

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-II]

Ans. (c) : मोहम्मद अली जिन्ना ने महात्मा गाँधी के खिलाफत आंदोलन से जुड़ने का विरोध किया था। खिलाफत आंदोलन 1919 ई. में मोहम्मद अली एवं शौकत अली के नेतृत्व में शुरू हुआ। इस आंदोलन के प्रारंभ होने का मुख्य कारण तुर्की के खलीफा के पद को समाप्त करना था। अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी की अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की।

5. **गाँधी के सत्याग्रह के सिद्धांत के संदर्भ में निम्न में से क्या सत्य नहीं है?**

(a) किसी सजा का प्रतिकार नहीं करना

(b) अहिंसा

(c) परहेज

(d) सत्यता

[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]

Ans. (c) : गाँधी के सत्याग्रह सिद्धांत के अनुसार सत्याग्रही का उद्देश्य शत्रु को पराजित करना नहीं है, बल्कि उसका हृदय परिवर्तन कर उसे अपने अनुकूल बनाना है। इनके सिद्धांत में अहिंसा, सत्यता और किसी सजा का प्रतिकार न करना शामिल है लेकिन परहेज इसमें शामिल नहीं है।

6. **अमृतसर में जलियाँवाला बाग कुख्यात जनसंहार किस दिन घटित हुआ था?**

(a) 13 अप्रैल, 1920 (b) 13 अप्रैल, 1919

(c) 14 अप्रैल, 1920 (d) 19 अप्रैल, 1919

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans : (b) 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में डा. सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में हो रही जनसभा पर जनरल आर. डायर ने अंधाधुध गोलियाँ चलवायी जिससे सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 379 व्यक्ति, कांग्रेस समिति के अनुसार, लगभग 1000 व्यक्ति मारे गये।

7. **खलीफा की अस्थायी शक्तियों की रक्षा के लिए, मार्च_______में बॉम्बे में एक खिलाफत समिति का गठन किया गया था।**

(a) 1919 (b) 1931

(c) 1909 (d) 1930

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : खिलाफत समिति का गठन मार्च 1919 बम्बई में हुआ। खिलाफत समिति का गठन हकीम अजमल खान, मौलाना आजाद, अली भाईयों (मुहम्मद अली तथा शौकत अली) और हसरत मोहानी के नेतृत्व में किया गया था। महात्मा गांधी की सलाह पर खिलाफत समिति ने असहयोग की नीति अपनाई।

8. **1930 में महात्मा गांधी द्वारा 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' शुरू करने का कारण था:**

(a) इनमें से कोई नहीं

(b) ब्रिटिश शासन की बुराइयों को दूर करने के लिए ग्यारह सूत्री कार्यक्रम वाले एक पत्र के माध्यम से वायसराय को बताना।

(c) नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च।

(d) लोगों से पूर्ण स्वराज प्रतिज्ञा लेने के लिए कहने हेतु।

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (c) : 1930 में महात्मा गाँधी द्वारा सविनय अवज्ञा आन्दोलन को शुरू करने का मुख्य कारण नमक कानून तोड़ने के लिए किया गया दाण्डी मार्च था। गाँधी जी ने साबरमती आश्रम (गुजरात) से 12 मार्च, 1930 को अपने 78 अनुयाइयों के साथ ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ दाण्डी मार्च प्रारम्भ किया। 241 मील की दूरी तय करने के बाद उन्होंने 6 अप्रैल 1930 को समुद्र तटीय गाँव दाण्डी पहुँचकर मुठ्ठीभर नमक बनाकर नमक कानून को तोड़ा। इस कार्य की परिणति देश के विभिन्न क्षेत्रों (धरसना, बिहार आदि) में सविनय अवज्ञा आन्दोलन के रूप में हुयी।

9. **निम्नलिखित में से कौन सी घटना की प्रतिक्रिया में भारत छोड़ों आन्दोलन चलाया गया था?**

(a) कैबिनेट मिशन प्लान

(b) वेवेल प्लान

(c) साइमन कमीशन रिपोर्ट

(d) क्रिप्स मिशन की विफलता

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (d) : भारत छोड़ो आन्दोलन क्रिप्स मिशन की विफलता पर चलाया गया था। 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ों आंदोलन शुरू करने का निश्चय किया गया।

10. **'करो या मरो' का नारा किसने दिया?**

(a) सरदार पटेल (b) जवाहरलाल नेहरू

(c) सुभाषचंद्र बोस (d) महात्मा गाँधी

[UPSSSC PET 24/08/2021 Sift-I]

Ans. (d) : 'करो या मरो' का नारा महात्मा गाँधी जी द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के समय दिया गया। यह आंदोलन 9 अगस्त, 1942 को शुरू हुआ। 'भारत छोड़ो' का नारा युसुफ मेहर अली ने लिखा था। 'दिल्ली चलो' का नारा सुभाष चन्द्र बोस ने दिया।

11. **फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई थी?**

(a) महात्मा गाँधी (b) सुभाष चंद्र बोस

(c) सरदार वल्लभभाई पटेल (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (b) : फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना 1939 में सुभाष चन्द्र बोस ने की थी। सुभाष चन्द्र बोस एक उग्र राष्ट्रवादी थे, उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के विरुद्ध 'इण्डियन नेशनल आर्मी' (INA) का गठन किया था।

B. भूगोल (Geography)

(i) विश्व का भूगोल (World Geography)

1. सौरमण्डल (Solar System)

- आकाशगंगा गैस, धूल और अरबों सितारों का एक विशाल संग्रह,होता है। जिसमें सभी तत्व गुरुत्वाकर्षण द्वारा एक साथ जुड़े होते हैं। इसमें कई ग्रह एवं पिंड शामिल होते हैं। आकाश गंगा शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है। जिसका शाब्दिक अर्थ 'दूधिया' है।
- कॉस्मोलॉजी खगोल विज्ञान की वह शाखा है जिसमें ब्रह्माण्ड से जुड़ी प्रत्येक वस्तु का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति, जीवन के विकास, ग्रहों, सौरमंडल का निर्माण तथा सभी खगोलीय घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।

✪ पृथ्वी से निकटस्थ ग्रह	–	शुक्र
✪ लाल ग्रह (Red Planet)	–	मंगल
✪ भोर का तारा (Morning Star)	–	शुक्र
✪ नीला ग्रह (Blue Planet)	–	पृथ्वी
✪ सर्वाधिक गर्म ग्रह	–	शुक्र
✪ सबसे बड़ा ग्रह	–	बृहस्पति
✪ सबसे छोटा ग्रह	–	बुध
✪ शाम का तारा (Evening Star)	–	शुक्र
✪ सर्वाधिक चमकीला ग्रह	–	शुक्र

ग्रहों का क्रम-

1. सूर्य से दूरी के अनुसार– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण।
2. पृथ्वी से दूरी के अनुसार– शुक्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण।
3. आकार के अनुसार– बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण, पृथ्वी, शुक्र, मंगल, बुध।
4. द्रव्यमान के अनुसार– बृहस्पति, शनि, वरुण, अरुण, पृथ्वी, शुक्र, मंगल, बुध

- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें मुख्य रूप से हाइड्रोजन 71% तथा हीलियम 26.5% एवं अन्य तत्व 2.5% होते हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग 'क्रोड' कहलाता है। जिसका ताप 1.5×10^7 °C होता है।
- हमारे सौरमण्डल में पृथ्वी एकमात्र ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है। पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चन्द्रमा है।
- मंगल ग्रह, को लाल ग्रह के नाम से भी जाना जाता है।
- शनि ग्रह के सर्वाधिक उपग्रह हैं।
- 2019 में शनि के कुछ नये उपग्रहों की खोज हुई, जिससे शनि के उपग्रहों की संख्या 82 हो गयी, जबकि बृहस्पति के उपग्रहों की संख्या 79 है।
- रात्रि के समय आकाश में मौजूद सबसे चमकीला ग्रह 'शुक्र' है। इस ग्रह को 'पृथ्वी की बहन' के नाम से भी जाना जाता है। शुक्र ग्रह को भोर का तारा और साँझ का तारा कहा जाता है।
- पृथ्वी को सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करने में 365 दिन 5 घण्टे 48 मिनट और 46 सेकेण्ड का समय लगता है।
- बुध, शुक्र, पृथ्वी तथा मंगल को पार्थिव ग्रह तथा बृहस्पति, शनि, अरूण तथा वरूण को जोवियन ग्रह कहा जाता है।
- बुध ग्रह सूर्य के सबसे निकट का ग्रह है।
- बुध एवं शुक्र ग्रह के पास कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं है।
- चंद्र ग्रहण (Lunar eclipse) हमेशा पूर्णिमा (Full Moon) की रात को होता है जबकि सूर्यग्रहण हमेशा अमावस्या को होता है।
- शुक्र ग्रह को 'पृथ्वी के जुड़वां (Earth's twin)' के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह आकार, घनत्व एवं व्यास में पृथ्वी के समान ही है।
- 21 मार्च और 23 सितम्बर को सूर्य की किरणें सीधे भूमध्य रेखा पर लम्बवत् पड़ती है, जिसके कारण पृथ्वी पर दिन और रात बराबर होते है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. 2017 में वैज्ञानिकों ने ब्रह्माण्ड में सबसे प्राचीन सर्पिल आकाशगंगा (स्पाइरल गैलेक्सी) की खोज की है जो बिग बैंग के ठीक 2.6 अरब साल बाद मौजूद थी। इस आकाशगंगा को किस नाम से जाना जाता है?

(a) A1689B11 (b) A1689C11
(c) A1689D11 (d) A1689E11

[UPSSSC JE 2016 (Exam date 19/12/2021)]

Ans. (a) : वर्ष 2017 में आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में सबसे पुरानी सर्पिल आकाश गंगा की खोज की थी, जो बिग बैंग के ठीक 2.6 अरब साल बाद मौजूद थी। इस आकाश गंगा को 'A1689B11' नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आकाश गंगा 11 वर्ष पहले अस्तित्व में आयी थी। इसकी खोज से आरम्भिक ब्रह्मांड के बारे में गहन जानकारी मिल सकेगी।

2. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा सही ढंग से ग्रहों के उनके आकार के अवरोही क्रम को दर्शाता है?

(a) मंगल, पृथ्वी, शनि,बुध
(b) बृहस्पति, यूरेनस, शनि, शुक्र
(c) यूरेनस, पृथ्वी, मंगल, बुध
(d) शनि, बृहस्पति, पृथ्वी, शुक्र

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (c) आकार के अनुसार ग्रहों का क्रम (घटते क्रम) - बृहस्पति, शनि, अरूण (यूरेनस), वरूण (नेपच्यून) पृथ्वी, शुक्र, मंगल एवं बुध है। अर्थात् सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति एवं सबसे छोटा ग्रह बुध है।

3. सबसे अधिक चमकीला ग्रह कौन-सा है?

(a) शुक्र (b) बुध
(c) बृहस्पति (d) मंगल

परिचालक - 23-08-2015

Ans: (a) शुक्र ग्रह को 'शाम का तारा' या 'भोर का तारा' कहते हैं। सूर्य और चन्द्रमा के बाद सर्वाधिक चमकीला दिखने वाला यह तीसरा खगोलीय पिण्ड है जो सूर्योदय से पहले और सूर्योदय के बाद क्षितिज पर दिखाई पड़ता है। शुक्र ग्रह सौरमण्डल में सर्वाधिक ताप वाला ग्रह भी है। शुक्र ग्रह को 'पृथ्वी की बहन' भी कहा जाता है। यह सूर्य से निकटवर्ती दूसरा ग्रह है तथा सूर्य की परिक्रमा 225 दिनों में पूरी करता है। यह ग्रहों की सामान्य दिशा के विपरीत सूर्य की पूर्व से पश्चिम दिशा में परिक्रमण करता है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रह पृथ्वी की अपेक्षा आकार में छोटा हैं?

(a) नेपच्यून (b) शुक्र
(c) शनि (d) यूरेनस

असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट 22-11-2015

Ans: (b) बुद्ध, शुक्र तथा मंगल पृथ्वी से छोटे ग्रह हैं तथा पृथ्वी से बड़े ग्रह बृहस्पति, शनि, अरूण तथा वरूण हैं।

5. सौर परिवार का सबसे बड़ा ग्रह-

(a) शुक्र (b) मंगल
(c) बृहस्पति (d) पृथ्वी

जूनियर इंजीनियर/तकनीकी- 31-07-2016

Ans. : (c) सौर परिवार का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति (Jupiter) है। इसे अपनी धुरी पर चक्कर लगाने में 9 घण्टे 55 मिनट का समय लगता है (सबसे कम) और सूर्य की परिक्रमा करने में 11.9 वर्ष लगते हैं। इसके उपग्रहों की संख्या 79 है, जिसमें गैनीमीड सबसे बड़ा उपग्रह है।

ग्रह		उपग्रहों की संख्या
1. पृथ्वी	–	1
2. मंगल	–	2
3. बृहस्पति	–	79
4. शनि	–	82
5. अरूण	–	27
6. वरूण	–	13

आयो, यूरोपा, कैलिस्टो, अलमथिया आदि इसके अन्य उपग्रह हैं। बुध तथा शुक्र के पास कोई उपग्रह नहीं है।

6. निम्न में से किस ग्रह के सबसे अधिक प्राकृतिक उपग्रह हैं?

(a) बृहस्पति (b) मंगल
(c) शनि (d) शुक्र

लोअर प्रथम- 28-02-2016

Ans (a) प्रश्नकाल में बृहस्पति ग्रह के पास सर्वाधिक 67 ज्ञात उपग्रह थे तथा वर्तमान में इसके उपग्रहों की संख्या 79 और शनि के उपग्रहों की संख्या 82 (सर्वाधिक) है।

7. एक टेक्टॉनिक प्लेट क्या है जो एशियाई और प्रशांत प्लेट के बीच स्थित है?

(a) कोकोस प्लेट (b) नाजका प्लेट
(c) अरबी प्लेट (d) फिलीपीन प्लेट

UPSSSC ASO 22/05/2022

Ans. (d) : प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त के अनुसार फिलीपीन प्लेट एशियाई प्लेट और प्रशांत प्लेट के बीच स्थित एक टेक्टॉनिक प्लेट है। टेक्टॉनिक प्लेट, (जिसे लिथोस्फेरिक प्लेट भी कहा जाता है) ठोस चट्टान का एक विशाल, अनियमित आकार का एक स्लैब है, जो एक बड़े व विस्तृत प्लेट का टूटा हुआ भाग होता है। यह सामान्यतः महाद्वीपीय और महासागरीय स्थलमंडल दोनों से मिलकर बना होता है।

8. पृथ्वी पर सर्वाधिक शीत तापमान पूर्वी अंटार्कटिका में कितना रिकॉर्ड किया गया है?

(a) -53.2^0C (b) -83.2^0C
(c) -93.2^0C (d) -95.2^0C

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (c) पृथ्वी पर पूर्वी अंटार्कटिका में सर्वाधिक शीत तापमान -93.2^0C रिकार्ड किया गया है।

9. विश्व को कितने प्रमुख काल क्षेत्रों (टाइम जोन) में विभाजित किया गया है?

(a) 12 (b) 30
(c) 24 (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (c) : विश्व को 24 टाइमजोन में विभाजित किया गया है। इन समय जोनों को ग्रीनविच मीन टाइम व मानक समय में 1 घण्टे के अन्तराल के आधार पर विभाजित किया गया है। ग्रीनविच मीन टाइम का अभिप्राय उस समय से है, जो ग्रेट ब्रिटेन का मानक समय है। इंग्लैंड के निकट शून्य देशान्तर पर स्थित 'ग्रीनविच' नामक स्थान से गुजरने वाली काल्पनिक रेखा को प्राइम मैरिडियम या शुन्य देशान्तर कहते हैं। इसी देशान्तर रेखा के समय को सभी देश मानक समय मानते हैं।

10. जी.एम.टी. (GMT) का पूर्ण रूप क्या है?

(a) ग्रीनविच मेगा टाइम
(b) ग्रीनविच मीन टाइम
(c) ग्रीनविच मिड टाइम
(d) गोल्ड मीन टाइम

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (b) : जी.एम.टी. (GMT) का पूर्ण रूप ग्रीनविच मीन टाइम है। ग्रीनविच मीन टाइम का अभिप्राय उस समय से है, जो ग्रेट ब्रिटेन का मानक समय है। इंग्लैण्ड के निकट शून्य देशांतर पर स्थित 'ग्रीनविच' नामक स्थान से गुजरने वाली काल्पनिक रेखा को प्राइम मैरिडियन या शून्य देशांतर कहते हैं। इसी देशांतर रेखा के समय को सभी देश मानक समय मानते हैं। भारत में $82^0 30'$ पूर्व याम्योत्तर को मानक मध्याह्न रेखा माना जाता है। इस रेखा पर वर्णित स्थानीय समय को पूरे देश का स्थानीय मानक समय माना जाता है। यह पाँच राज्यों (उ0प्र0,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्र प्रदेश) से होकर गुजरती है।

नोट-हमारा मानक समय ग्रीनविच के मानक समय से $5\frac{1}{2}$ घंटा आगे है।

2. भूकम्प/प्रमुख ज्वालामुखी एवं उनकी स्थिति (Earth Quakes/Major Volcanoes & their Location)

- दक्षिण एशिया एवं भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप है। यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से लगभग 135 किमी. उत्तर पूर्व में बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
- **नारकोंडम द्वीप** अंडमान सागर में स्थित एक ज्वालामुखी द्वीप है। इसे प्रसुप्त ज्वालामुखी की श्रेणी में रखा गया है।
- **बारातांग द्वीप** अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से 100 किसी की दूरी पर स्थित है। यह द्वीप रांचीवालस द्वीप (Ranchiwalas Island) के नाम से जाना जाता है।

स्थित	नाम
इटली	माउंट एटना
इटली	माउंट विसुवियस
तंजानिया	माउंट किलिमंजारो
संयुक्त राज्य अमेरिका	माउंट रेनियर
संयुक्त राज्य अमेरिका (कैलिफोर्निया)	माउंट शास्ता
इक्वाडोर	कोटोपैक्सी
इक्वाडोर	चिम्बोरेजो
फिलीपींस	माउंट पिनाटुबो
कनाडा	माउंट रैजल
अलास्का	कटमई
लिपारी द्वीप (इटली)	स्ट्राम्बोली
ईरान	कोह सुल्तान
जॉर्जिया	एलबुर्ज
USA	सेंट हेलेन्स
जापान	फ्यूजीयामा

- जिस स्थान से भू-कम्पीय तरंगें उत्पन्न होती हैं अर्थात् जहाँ भूकम्प की ऊर्जा निकलती है उसे 'अवकेन्द्र' (Hypocenter) अथवा 'भूकम्प मूल' (Focus) कहते हैं; जबकि भूतल का वह बिन्दु जहाँ भूकम्पीय लहरों का अनुभव किया जाता है, उसे 'अधिकेन्द्र' (Epicentre) कहते हैं। अधिकेंद्र, भूकंप के उद्गम केंद्र के ठीक ऊपर (लम्बवत) होता है। भूकम्प आने के पहले वायुमण्डल में 'रेडॉन' गैसों की मात्रा में वृद्धि हो जाती है। भूकम्पीय तरंगों की तीव्रता सिस्मोग्राफ (Seismograph) से मापी जाती है।
- भूकम्प के दौरान पृथ्वी में तरंगे उत्पन्न होती है जिन्हें भूकम्पीय तरंगें कहते है। ये मुख्यतः तीन प्रकार की होती हैं-
  (1) प्राथमिक या P- तरंगें
  (2) द्वितीयक/गौण या S- तरंगें
  (3) धरातलीय/दीर्घ या L- तरंगें
  1. प्राथमिक या P भूकंपीय तरंगों की चाल सबसे तीव्र लगभग 8 km/sec होती है। ये तरंगें ध्वनि की भांति अनुदैर्ध्य तरंगें होती है। ये ठोस, द्रव्य तथा गैसीय पदार्थो में यात्रा कर सकती है। P तरंगें सबसे तेजी से आगे बढ़ती हैं और सतह पर सबसे पहले आती हैं।
  2. द्वितीयक/गौण या S भूकम्पीय तरंगों में अनुप्रस्थ विस्थापन होता है। P तरंगों के पश्चात S तरंगें पृथ्वी की सतह पर पहुँचती है। यही कारण कि इन्हें 'द्वितीयक तरंगे' अथवा 'गौण तरंगें' भी कहते है। ये केवल ठोस माध्यम में गमन करती है। ये प्रकाश तरंगों के समान अनुप्रस्थ तरंगें होती है। अनुप्रस्थ तरंग में कणों का कंपन या दोलन तरंग की दिशा के लंबवत होता है।
  3. धरातलीय/दीर्घ या L भूकम्पीय तरंगें लंबी तरंग दैर्ध्य की तरंगें हैं, जो पृथ्वी की पर्पटी की सतह तक सीमित हैं।
- यह भूकम्प के संरचनात्मक हानि का सबसे अधिक कारण बनता है।
- धरातलीय तरंगों को सबसे अधिक हानिकारक तरंगें माना जाता है।
- अन्तः सागरीय भूकम्पों द्वारा उत्पन्न लहरों को सुनामी कहा जाता है। सुनामी जापानी भाषा का एक शब्द है जो सु (Tsu) और नामी (nami) से मिलकर बना है। सु (Tsu) का अर्थ होता है 'समुद्र का तट' और नामी (nami) का अर्थ होता है 'लहरे' सुनामी आने का मुख्य कारण समुद्र के नीचे ज्वालामुखी विस्फोट, जमीन का धंसना एवं उल्कापात इत्यादि है। जिसके कारण समुद्री जल में विशालकाय लहरें उत्पन्न होती है और समुद्र में उत्पन्न ये जल की लंबी और ऊँची लहरें तट से टकराती है तथा आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. इसमें से कौन-सा टेक्टॉनिक प्लेट के मूवमेंट या शिफ्ट का कारण होता है जहाँ ये टेक्टॉनिक प्लेट मिलते हैं?

(a) चक्रवात (b) बाढ़
(c) भूस्खलन (d) भूकम्प

ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)

Ans : (d) भूकम्प का अर्थ होता है– पृथ्वी का कंपन। यह एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगे उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में विस्तृत होकर भूकम्प उत्पन्न करती हैं। यह प्लेटों के संचलन या शिफ्टिंग के कारण उत्पन्न होती है।

2. भूकंप को रिकॉर्ड करने के लिए निम्नलिखित में से किस उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है?

(a) सिस्मोग्राफ (b) सोनोग्राफ
(c) स्पेक्ट्रोग्राफ (d) स्फिग्मोग्राफ

Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)

Ans. (a) : भूगर्भशास्त्र की एक विशेष शाखा, जिसमें भूकम्पों का अध्ययन किया जाता है, सिस्मोलॉजी कहलाता है जबकि जिन उपकरणों द्वारा भूकम्पीय तरंगों की तीव्रता मापी जाती है, उन्हें सिस्मोग्राफ कहते हैं। इसके तीन स्केल हैं-
1. रॉसी-फेरल स्केल 2. मरकेली स्केल 3. रिक्टर स्केल
रिक्टर स्केल-भूकम्प की तीव्रता या ऊर्जा मापने के लिए प्रयोग किया जाता है। रिक्टर स्केल का विकास अमेरिकी वैज्ञानिक चार्ल्स रिक्टर द्वारा 1935 ई. में किया गया था। यह एक लघुगणकीय पैमाना है जिसका पाठ्यांक 1 से 10 तक होता है।

3. **हवाई ज्वालामुखी निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?**
(a) ढाल ज्वालामुखी
(b) समग्र ज्वालामुखी
(c) कैल्डेरा ज्वालामुखी
(d) बाढ़ बेसाल्ट प्रांत

Cane Supervisor (31-08-2019)

Ans:(a) हवाई ज्वालामुखी, ढाल ज्वालामुखी का उदाहरण है। ढाल ज्वालामुखी एक प्रकार का ज्वालामुखी है जो पूरी तरह से द्रव प्रवाह से बना होता है। ढाल ज्वालामुखी तीन प्रकार के ज्वालामुखी में से ढाल क्षेत्र की दृष्टि से सबसे बड़ा है। ढाल ज्वालामुखी में बेसाल्टिक लावा, राख और चट्टान की तुलना में कम चिपचिपाा होता है। एक और घटना जो ढालों को इतने बड़े होने की अनुमति देती है, उसे 'लावा ट्यूब' कहा जाता है।

4. **माउंट एटना, जिसे यूरोप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है, वह निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है?**
(a) पुर्तगाल (b) स्पेन
(c) ग्रीस (d) इटली

Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)

Ans. (d) माउण्ट एटना जिसे यूरोप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है, वह इटली देश के सिसली द्वीप पर स्थित है। इसकी कुल ऊँचाई 3350 मी0 है। यह आल्प्स पर्वत के दक्षिण में स्थित सबसे ऊँची चोटी है।

5. **माउंट किलीमंजारो ______मे स्थित एक निष्क्रिय ज्वालामुखी है।**
(a) तंजानिया (b) कीनिया
(c) इथोपिया (d) घाना

राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)

Ans : (a) किलीमंजारो तंजानिया में स्थित अफ्रीका महाद्वीप का सबसे ऊँचा पर्वत है। यह पर्वत एकल पर्वत है, यानि ये किसी पर्वत श्रृंखला का हिस्सा नहीं है। इस पर्वत का निर्माण 30 लाख साल पहले 3 अलग-अलग ज्वालामुखियों से निकले लावे के लगातार ठंडा होकर जमने से शुरू हुआ था। ये तीन ज्वालामुखी कीबो, मावेंजी और शिरा (Kibo, Mawenzi and Shira) है। मावेंजी और शिरा ज्वालामुखी अब निष्क्रिय हो चुके हैं। अब इनमें से कभी-भी लावा नहीं निकलेगा। लेकिन कीवों ज्वालामुखी अब सुप्त अवस्था में है और उसमें किसी भी समय विस्फोट हो सकता है। किलीमंजारो पर्वत पर कीवों ज्वालामुखी की चोटी ही सबसे ऊँची है जिसकी समुद्रतल से ऊँचाई 5895 मीटर है। ये पर्वत किलीमंजारो नेशनल पार्क का हिस्सा है जो लगभग 1688 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

6. **गैलेरेस ज्वालामुखी किस देश में स्थित है?**
(a) कोलम्बिया (b) मैक्सिको
(c) इटली (d) हवाई

ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)

Ans : (a) गैलेरेस ज्वालामुखी (Galeras volcano) कोलम्बिया देश की दक्षिणी सीमा पर स्थित है। गैलेरेस ज्वालामुखी को कोलम्बिया देश का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है। विश्व का सबसे ऊँचा ज्वालामुखी 'इक्वेडोर' का माउण्ट कोटोपैक्सी ज्वालामुखी है।

3. प्रमुख पर्वत शृंखलाएँ/ हिमनद/ स्थानीय पवनें (Major Mountain Range/ Glaciers/ Local Winds)

- स्थायी मौसमी और स्थानीय पवनों सहित तीन प्रकार की पवनें होती हैं। स्थायी पवन पूरे वर्ष एक विशिष्ट दिशा में लगातार चलती है। स्थायी पवन के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण पश्चिम, पूर्वी और व्यापारिक पवन हैं।
- **पश्चिमी पवन-** पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है।
- **पूर्वी पवन-** पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।
- **व्यापारिक पवन-** पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।
- ज्ञातव्य है कि लू उत्तरी भारत एवम् पाकिस्तान के मैदानों में मई-जून में प्रवाहित होने वाली गर्म एवम् शुष्क स्थानीय वायु है।
- गरजता चालीसा (Roaring Forties) पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्द्ध में 40^o से 65^o अक्षांशों के मध्य चलने वाली शक्तिशाली पछुआ पवनें हैं। उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्द्धों में उपोष्ण उच्च वायुदाब कटिबंधों से उपध्रुवीय निम्न वायुदाब कटिबंधों की ओर चलने वाली स्थायी हवा को, इनकी पश्चिम दिशा के कारण, पछुआ पवन कहा जाता है।
- बोरा एक शुष्क व अत्यधिक ठंडी वायु है जो एड्रियाटिक सागर के पूर्वी किनारों पर चलती है। इससे मुख्यतः इटली व यूगोस्लाविया प्रभावित होते हैं
- **हरमट्टन-** सहारा रेगिस्तान में उ.पू. दिशा से पश्चिमी दिशा में चलने वाली यह गर्म तथा शुष्क वायु है। यह अफ्रीका के पश्चिमी तट की उष्ण व आर्द्र वायु में शुष्कता लाती है जिससे मौसम सुहावना व स्वास्थ्यप्रद हो जाता है। इसी कारण गिनी तट पर इसे 'डॉक्टर हवा' भी कहा जाता है।

स्थानीय पवनें

- **चिनूक**– संयुक्त राज्य अमेरिका में राकी पर्वत के पूर्वी ढाल के सहारे चलने वाली गर्म या शुष्क हवा।
- **सिमूम**– अरब के रेगिस्तान में चलने वाली गर्म एवं शुष्क हवा।
- **फॉन**– आल्पस पर्वत के उत्तरी ढाल से नीचे उतरने वाली गर्म एवं शुष्क हवा जिसका सर्वाधिक प्रभाव स्विटजरलैण्ड में है।
- **नारवेस्टर**– न्यूजीलैण्ड में उच्च पर्वतों से उतरने वाली गर्म शुष्क तथा धूल भरी हवा।

पर्वत शृंखला	स्थिति	उच्चतम शिखर
हिमालय पर्वत शृंखला	दक्षिण एशिया	माउंट एवरेस्ट
एल्बुर्ज शृंखला	ईरान	माउंट देमावंद
जाग्रोस पर्वत श्रेणी	ईरान	माउंट डेना
हिमालय-काराकोरम-हिन्दुकुश	द.-म. एशिया	माउंट एवरेस्ट
यूराल पर्वत शृंखला	मध्य रूस	गोरा नैरोड्नाया
कॉकेशस शृंखला	रूस	माउंट एल्ब्रुस
एटलस पर्वत शृंखला	उ.-प. अफ्रीका	जेबेल टाउब्काल
बर्खोयांस्क पर्वत शृंखला	पूर्वी रूस	माउंट गोरा मास खाया

ग्रेट डिवाइडिंग रेंज शृंखला	पूर्वी ऑस्ट्रेलिया	माउंट कोस्युस्को
ड्रेकन्सवर्ग शृंखला	द.-पू. अफ्रीका	तवाना एन्टलेन्याना
स्कैंडिनेवियन रेंज	दक्षिणी नॉर्वे	गैल्डहोपिगेन
अलास्का शृंखला	अलास्का	माउंट मैकिन्ले
ट्रान्स अंटार्कटिका पर्वत शृंखला	अंटार्कटिका	माउंट विन्सन मॉसिफ
रॉकी पर्वत शृंखला	पश्चिम-उत्तर अमेरिका	माउंट एल्बर्ट
कास्केड रेंज शृंखला	सं.रा.अमेरिका, कनाडा	माउंट रेनियर
अप्लेशियन पर्वत शृंखला	पूर्वी सं.रा. अमेरिका, कनाडा	माउंट मिशेल
अल्ताई माउंटेन शृंखला	मध्य एशिया	गोरा वेलुखा
तिएनशान शृंखला	द.-म. एशिया	जेनगिस चोकूशु
पश्चिमी घाट शृंखला	पश्चिमी भारत	अनाइमुडी
आल्पस	मध्यवर्ती यूरोप	माउंट ब्लाक
एपेन्नाइन शृंखला	इटली	कार्नो ग्रैण्डे

- दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत माउंट एवरेस्ट है जिसकी संशोधित ऊँचाई 8850 मीटर है। इसे नेपाल में सागरमाथा तथा चीन में चोमोलंगता के नाम से जाना जाता है। दुनिया के दूसरे तथा तीसरे सबसे ऊँचे पर्वत क्रमशः माउन्ट K2 तथा कंचनजंगा है, जिसकी ऊँचाई क्रमशः 8,611 मीटर तथा 8,586 मीटर है।

हिमनद

- हिमनद जलवायु परिवर्तन के संवेदनशील संकेतक होते हैं। क्रिस्टलीय बर्फ, चट्टान, तलछट एवं जल से निर्मित क्षेत्र, जहाँ पर वर्ष के अधिकांश समय बर्फ जमा होती है, को हिमनद कहते हैं। अत्यधिक भार व गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से हिमनद ढलान की ओर प्रवाहित होते हैं।
- पृथ्वी पर कुल जल की मात्रा का 2.1% हिमनदों में बर्फ के रूप में मौजूद है जबकि 97.2% की उपस्थिति महासागरों एवं अंतःस्थलीय समुद्रों में होती है।
- **भौगोलिक स्थिति-** पृथ्वी के 91% हिमनद अंटार्कटिका तथा 8% हिमनद ग्रीनलैण्ड में हैं। विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्र के लगभग 10% पर हिमनद विद्यमान है।

हिमालय के प्रमुख हिमनद

क्र.सं.	हिमानी के नाम	स्थिति	लंबाई (किमी.)
1.	सियाचिन	काराकोरम	75
2.	हिस्पर	काराकोरम	61
3.	वियाफो	काराकोरम	60
4.	बालटोरो	काराकोरम	58
5.	गंगोत्री	उत्तराखंड	26
6.	जेमू	सिक्किम/नेपाल	25
7.	ससाइनी	काराकोरम	17.85

- **चक्रवात (Cycolone)-** ये निम्न वायुदाब के केंद्र होते हैं, जिनके चारों ओर क्रमशः बढ़ते वायुदाब की समदाब रेखाएं होती हैं। चक्रवात में पवन की दिशा परिधि से केंद्र की ओर होती है। इनकी दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई के दिशा की विपरीत (वामावर्त) एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई की दिशा के अनुरूप होती है। चक्रवात केंद्र में निम्न वायुदाब क्षेत्र का निर्माण करता है।
- **प्रतिचक्रवात (Anticyclone)-** ये उच्च वायुदाब के केंद्र होते हैं। इसमें परिधि से बाहर की ओर क्रमशः घटते वायुदाब संकेन्द्रीय समदाब रेखाएं होती हैं। परिणामस्वरूप वायु का प्रवाह केंद्र से परिधि की ओर होता है। अतः प्रति चक्रवात केंद्र में उच्च वायुदाब क्षेत्र का निर्माण करता है। प्रति चक्रवात में उत्तरी गोलार्ध में पवन दिशा का प्रारूप घड़ी की सुई की दिशा (दक्षिणावर्त) के अनुरूप एवं दक्षिणी गोलार्ध में पवन दिशा का प्रारूप घड़ी की सुई की दिशा के विपरीत (वामावर्त) होता है।
- चक्रवात प्रायः गोलाकार, अंडाकार या V–आकार का होता है। किसी चक्रवात का भीतरी भाग को 'चक्रवात की आँख' कहा जाता है। चक्रवात के इस स्थान पर वायुदाब निम्न रहता है अर्थात् इसके केन्द्र में शांत वायु क्षेत्र पाया जाता है। किसी चक्रवात की आँख का व्यास आमतौर 15 से 30 किमी. तक होता है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात पुरवा पवनों के टकराने से उत्पन्न होता है। इन चक्रवातों से अधिक वर्षा होती है, जिसमें नुकसान होने की सम्भावना अधिक रहती है। अटलांटिक महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को हरिकेन कहा जाता है।

चक्रवतों के नाम		जल निकाय के नाम जहाँ से वे विकसित हुए
(i) चक्रवात ताउते	→	अरब सागर
(ii) चक्रवात यास	→	बंगाल की खाड़ी
(iii) तूफान कैटरीना	→	अटलांटिक महासागर
(iv) तूफान इंग्रिड	→	मेक्सिको की खाड़ी

पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ ऐसे तूफान हैं जो कैस्पियन या भूमध्य सागर में उत्पन्न होते हैं तथा उत्तर-पश्चिम भारत में गैर-मानसूनी वर्षा के लिए जिम्मेदार होते हैं।

- भारत में, सर्दी के महीनों के दौरान पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवात, भूमध्य सागर के ऊपर से उत्पन्न होते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. शुष्क हवा 'सांता आना' कहाँ बहती है?

(a) साइबेरिया (b) अर्जेन्टीना
(c) स्वीट्ज़रलैंड (d) कैलिफोर्निया

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (d) 'सान्टा आना' हवा शुष्क (प्रायः गर्म) और धूल भरी हवा है। यह शीत ऋतु तथा बसंत ऋतु में अक्सर चलती है। इसका प्रभाव तटीय दक्षिणी कैलीफोर्निया पर तथा पश्चिमी अमेरिका के ग्रेट बेसिन पर भी पड़ता है। दक्षिणी कैलीफोर्निया सांता आना कैनियन और वहाँ की स्थानीय आरेंज काउंटी में सांता आना घाटी के नाम पर पड़ा। यह हवा बहुत शुष्क और गर्म हवा होती है और मरुस्थल में बहती है। इसे कैलिफोर्निया में शैतानी हवाओं के रूप में जाना जाता है।

2. ______, यूरेशियाई प्लेट एवं भारतीय प्लेट के टकराव पर, सिकुड़न के परिणामस्वरूप निर्मित लंबवत घाटियाँ हैं।

(a) रिड्जस (b) रेंजस
(c) क्रेटर (d) डन्स

[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]

Ans. (d) : डन्स, यूरेशियाई प्लेट एवं भारतीय प्लेट के टकराव पर, सिकुड़न के परिणामस्वरूप निर्मित लंबवत घाटियाँ हैं।

3. **यूरोप में उच्चतम पर्वत शिखरों में से एक माउंट एल्ब्रुस कहाँ स्थित है?**

(a) जर्मनी (b) स्विट्जरलैंड
(c) रूस (d) यूक्रेन

Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)

Ans. (c) रूस क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार का सबसे बड़ा देश है इसका विस्तार यूरोप व एशिया दोनों ही महाद्वीपों में है। यूरोप में उच्चतम पर्वत शिखरों में से एक माउंट एल्ब्रुस, रूस में स्थित है इसकी समुद्रतल से ऊँचाई 5642 मीटर है।

4. **कौन-सी पर्वत की चोटी पृथ्वी के केन्द्र से दूरतम बिन्दु है?**

(a) माउण्ट पुन्सेक जया (b) माउण्ट चिम्बराजो
(c) माउण्ट किलीमंजारो (d) माउण्ट एकांकागुआ

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (b) माउंट चिम्बराजों (इक्वेडोर) पर्वत की चोटी पृथ्वी के केन्द्र से दूरतम बिन्दु पर है। यह विषुवत रेखा पर स्थित देश (इक्वेडोर) में है। चूंकि पृथ्वी गोल नहीं है यह दीर्घवृत्ताकार है जिससे विषुवत रेखा पर इसका व्यास सबसे अधिक है।

5. **हिमालय के सर्वोच्च शिखर माउण्ट एवरेस्ट की ऊँचाई कितनी है?**

(a) 8,200 मीटर (b) 8,848 मीटर
(c) 8,500 मीटर (d) 9,000 मीटर

कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पटेटिव - 24-01-2016

Ans: (b) माउण्ट एवरेस्ट की ऊँचाई 8848 मी. है। माउण्ट एवरेस्ट हिमालय में स्थित विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है। यह नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित है। चीन और नेपाल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त रूप से एवरेस्ट की ऊँचाई 8848.86 मी. निर्धारित की है।

6. **निम्नलिखित में से कौन-सा उच्चतम पर्वत शिखर गैर–एशियाई है?**

(a) किलीमंजारो पर्वत (b) एल्ब्रुस पर्वत
(c) मैकिंले पर्वत (d) एकांकागुआ पर्वत

विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)

Ans. (d) : एशिया से बाहर विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर एकांकागुआ पर्वत अर्जेन्टीना में स्थित है।

4. वायुमण्डल (Atmosphere)

- पृथ्वी के चारों तरफ फैले गैसों के आवरण को वायुमण्डल कहते हैं। यह गैसों का असमांगी मिश्रण है और पृथ्वी के गुरुत्व बल के कारण ही इससे संबद्ध है। वायुमण्डल में उपस्थित कई गैसों में से नाइट्रोजन और ऑक्सीजन गैसें प्रमुख और सर्वाधिक मात्रा में है। वायुमण्डल में विभिन्न गैसों का संगठन निम्नलिखित रूप में है–

नाइट्रोजन –78.08%
ऑक्सीजन – 20.95%
आर्गन – 0.93%
कार्बन डॉईआक्साइड – 0.003%

- इसके अलावा निऑन, हीलियम, क्रिप्टॉन, जेनॉन, हाइड्रोजन, मीथेन, ओजोन आदि गैसे भी है।
- तापमान भिन्नता के आधार पर वायुमण्डल को निम्न परतों में विभाजित किया जाता है-

1. क्षोभमण्डल (Troposphere) – 8–18 किमी.
2. समतापमण्डल (Stratosphere) – 18-50 किमी.
3. मध्यमण्डल (Mesosphere) –50-80 किमी.
4. आयनमण्डल (Ionosphere) – 80 किमी. से ऊपर

- क्षोभमण्डल पृथ्वी के वायुमण्डल का सबसे निचला हिस्सा है जिसमें सभी उष्णकटिबंधीय परिवर्तन होते हैं। क्षोभमण्डल में ऊँचाई बढ़ने के साथ-साथ तापमान घटता जाता है। इस मण्डल को परिवर्तन मण्डल भी कहते हैं और समस्त मौसमी घटनाएँ (वर्षा, कोहरा) इसी मंडल में घटित होती है
- **समताप मण्डल–** क्षोभ सीमा से ऊपर 50 किमी. की ऊँचाई तक समताप मण्डल का विस्तार है। इस मण्डल के निचले भाग में 20 किमी. की ऊँचाई तक तापमान में कोई परिवर्तन नहीं होता है। अतः इसे समताप मण्डल कहा जाता है। इस मण्डल के 15 किमी. से 35 किमी. के बीच ओजोन परत पायी जाती है जो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है। समताप मण्डल मौसमी घटनाओं से मुक्त होता है। अतः वायुयान चालकों के लिए यह एक उत्तम मण्डल होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. **पृथ्वी की निम्न में से किस परत में वायुमंडलीय ओजोन परत अधिकतर केंद्रित है?**

(a) क्षोभमंडल (b) मध्यमंडल
(c) समताप मंडल (d) बाह्यमंडल

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (c) : पृथ्वी के वायुमण्डल में स्थित समताप मंडल में वायुमण्डलीय ओजोन परत अधिकतर केन्द्रित है। समताप मंडल 18 से 50 किमी. की ऊँचाई तक है। इसकी मोटाई ध्रुवों पर अधिक होती है। वायुयान उड़ने की आदर्श दशा समताप मंडल में पाई जाती है। ओजोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है जो पृथ्वी पर मनुष्यों में कैंसर रोग को जन्म देती हैं। इसीलिए इसे पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहा जाता है।

2. **ओजोन होल (Hole) किससे संबंधित है?**

(a) ओजोन परत में घनत्व में वृद्धि से।
(b) इनमें से कोई नहीं
(c) समताप मंडल में ओजोन परत की मोटाई में कमी से
(d) क्षोभ मंडल में ओजोन परत में वृद्धि से।

UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (c) : ओजोन ऑक्सीजन का एक विशेष रूप है जिसका रासायनिक सूत्र O_3 है। यह समताप मण्डल में स्थित है। पृथ्वी की सतह से लगभग 15 से 30 किमी. की ऊँचाई पर इसकी सान्द्रता

अधिक होती है। पृथ्वी पर बढ़ती ग्रीन हाउस गैसों के कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है जिससे समताप मंडल में ओजोन परत की मोटाई में कमी हो रही है। ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक किरणों (पराबैंगनी किरणों) को अवशोषित करती है।इसलिए ओजोन परत को पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहा जाता है।

3. सामान्य वर्षा में अचानक वृद्धि हो जाती है और कई दिनों तक लगातार जारी रहती है। इसे मानसून का .... कहा जाता है।

(a) अंत (b) विश्राम
(c) प्रस्फोट (फटना) (d) परीक्षण

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (c) : सामान्य वर्षा में अचानक वृद्धि हो जाती है और कई दिनों तक लगातार जारी रहती है तो इस घटना को मानसून का प्रस्फोट कहा जाता है। ध्यातव्य है कि मानसून शब्द, अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से निकला है, जिसका अर्थ मौसम होता है।

4. रेडियो-तरंग के संचरण के लिये प्रयुक्त वायुमण्डल का स्तर है ....।

(a) वर्णमंडल (b) क्षोभ-मंडल
(c) आयनमंडल (d) समताप मंडल

कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पटेटिव - 24-01-2016

Ans: (c) धरातल से 60-640 किमी. की ऊँचाई तक विस्तृत वायुमण्डल के भाग को 'आयनमंडल' कहते हैं। ऊँचाई के साथ इस मण्डल में तापमान की वृद्धि होती है। आयन मण्डल में सबसे नीचे स्थित D-Layer होता है। जिससे विद्युतीय एवं चुम्बकीय तरंगे परावर्तित होती रहती हैं। आयनमंडल की सबसे ऊपरी परत से सभी प्रकार की रेडियो तरंगें परावर्तित होती हैं।

5. वायु का लगभग कितना भाग ऑक्सीजन है?

(a) 1 : 5 (b) 1 : 4
(c) 2 : 3 (d) 2 : 5

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans : (a) पृथ्वी के चारो ओर घेरे हुए वायु के विस्तृत फैलाव को वायुमण्डल कहते हैं,

- आयतन के अनुसार वायुमण्डल में विभिन्न गैसों का मिश्रण इस प्रकार है -
  नाइट्रोजन- 78.08%, ऑक्सीजन- 20.95%, कार्बन डाई आक्साइड- 0.03%, आर्गन- 0.93%
  अर्थात् वायुमण्डल में आक्सीजन का भाग 1 : 5 है।

6. सामान्य वायुमण्डलीय दाब होता है...........।

(a) 760 सेमी. पारा स्तम्भ
(b) 1.013×10^4 डाइन सेमी.^{2}
(c) 1.013×10^6 न्यूटन/मी.^{2}
(d) 760 मिलीमीटर पारा स्तम्भ

कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पटेटिव - 24-01-2016

Ans: (d) पृथ्वी के चारों ओर उपस्थित वायु एवं विभिन्न गैसों को वायुमण्डल कहा जाता है। अतः वायुमण्डल में उपस्थित वायु भी हम सभी पर अत्यधिक दाब डालती है जिसे वायुमण्डलीय दाब कहा जाता है। वायुमण्डलीय दाब 760 मिलीमीटर पारा स्तम्भ के बराबर होता है।

7. कब अग्नि ज्वलनशील नहीं हो पाती?

(a) हवा में ऑक्सीजन 30 प्रतिशत से कम होने पर
(b) हवा में ऑक्सीजन 25 प्रतिशत से कम होने पर
(c) हवा में ऑक्सीजन 20 प्रतिशत से कम होने पर
(d) हवा में ऑक्सीजन 15 प्रतिशत से कम होने पर

चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)

Ans: (d) हवा में 15% से कम ऑक्सीजन होने से आग नहीं जलती है परन्तु 15% से अधिक ऑक्सीजन होने पर आग ज्वलनशील होती है।

8. निम्नलिखित में से कौन-सी गैस वातावरण का महत्तम भाग है?

(a) ऑक्सीजन (b) ऑर्गन
(c) नाइट्रोजन (d) कार्बन-डाईऑक्साइड

गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)

Ans : (c) वायुमंडल के संगठन में कई गैसों का योगदान होता है।
नाइट्रोजन - (78.08%)
ऑक्सीजन - (20.95%)
कार्बन-डाईआक्साइड- (0.03%)
शेष-(आर्गन, नियान, हीलियम, मेथेन, हाइड्रोजन, नाइट्रस ऑक्साइड, ओजोन, नियॉन, क्रिप्टॉन, जेनॉन आदि सम्मिलित रहती है)

5. रेगिस्तान (मरुस्थल)/ महासागर (Deserts/ Oceans)

- अटलांटिक महासागर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह सागर दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, यूरोप से आर्कटिक सागर तक फैला हुआ है। अटलांटिक महासागर के पूर्व में एशिया, यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप हैं तो इसके पश्चिम में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप। इस प्रकार स्पष्ट है कि अटलांटिक महासागर उत्तरी अमेरिका को यूरोप से अलग करता
- ओमान की खाड़ी और लाल सागर हिन्द महासागर का हिस्सा है। ओमान की खाड़ी को होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी से अलग करता है। ज्ञात हो कि फारस की खाड़ी भी हिन्द महासागर का हिस्सा है।
- रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर से संबंधित है। यह प्रशांत महासागर के बाहरी सीमा पर स्थित ऐसा क्षेत्र है जहां अधिकांश सक्रिय ज्वालामुखी और भूकम्प रिकॉर्ड किए जाते हैं। पृथ्वी के 75% ज्वालामुखी इसी क्षेत्र में स्थित है व 90% भूकम्प इसी रिंग आफ फायर क्षेत्र में आते हैं।
- आकार (सबसे बड़ें से सबसे छोटे) के अनुसार महासागरों का सही क्रम निम्न है-
  प्रशांत महासागार > अटलांटिक महासागर > हिंद महासागर > अंटार्कटिक महासागर > आर्कटिक महासागर
- महासागरीय जल के ऊपर उठने तथा गिरने को ज्वार भाटा कहते हैं। महासागरीय जल के ऊपर उठने की क्रिया को ज्वार तथा नीचे गिरने की क्रिया को भाटा कहा जाता है। यह प्रक्रिया सूर्य और चन्द्रमा की आकर्षण शक्तियों अर्थात् गुरुत्वाकर्षण बल के कारण महासागरों में घटित होती है। सूर्य की अपेक्षा चन्द्रमा पृथ्वी के अधिक नजदीक है, जिसके कारण चन्द्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल ज्वार उत्पन्न करने में सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल से अधिक होता है। 'मेसेटा पठार' स्पेन (यूरोप) में स्थित है।

क्रम	रेगिस्तान	विस्तार क्षेत्र
1.	कालाहारी	बोत्सवाना (मध्य अफ्रीका)
2.	तकला मकान	सीक्यांग (चीन)
3.	अटाकामा	उत्तरी चिली (दक्षिणी अमेरिका)
4.	नामिब	द. अफ्रीका (नामीबिया)
5.	काराकुम	तुर्कमेनिस्तान
6.	आस्ट्रेलियन	ग्रेट सेन्डी,ग्रेट विक्टोरिया, सिम्प्सन, गिब्सन तथा स्टुअर्ट रेगिस्तानी क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।
7.	काजिलकुम	उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान
8.	अरेबियन	द. अरब, सऊदी अरब, यमन, सीरिया, रूबअलखाली क्षेत्र एवं नाफुद क्षेत्र के रेगिस्तान सम्मिलित हैं।
9.	सहारा रेगिस्तान (11 देशों के सीमा रेखा को छूता है।)	अल्जीरिया, चाड, लीबिया, माली मारितानिया, नाइजर, सूडान ट्यूनीशिया, मिस्र और मोरक्को।
10.	दस्ते-ए-लुट	पूर्वी ईरान
11.	मोजावे	दक्षिणी कैलीफोर्निया (सं. रा. अमेरिका)
12.	सोमाली	सोमालिया (अफ्रीका)

- मृत्यु घाटी (Death Valley) कैलीफोर्निया (USA) के मोजावे मरूस्थल में स्थित एक रेगिस्तानी घाटी है, जो 134º F के उच्चतम वायु तापमान के विश्व रिकॉर्ड के साथ सबसे गर्म और सबसे शुष्क स्थान है। यहाँ अब तक का सर्वोच्च तापमान (134ºF अथवा 56.7ºC) 10 जुलाई 1913 ई. को रिकार्ड किया गया था।
- दस्त-ए-काविर एवं दस्त-ए-लुत दोनों मरुस्थल ईरान में अवस्थित हैं।

महासागरीय गर्त

गर्त का नाम	गहराई	स्थिति
सुण्डा गर्त	7,450	पूर्वी हिन्द महासागर
पोर्टोरिको गर्त	9,219	अटलांटिक महासागर
टोंगा गर्त	10,882	मध्य द. प्रशान्त महासागर
मेरियाना ट्रेंच गर्त	11,034	उ. प्रशान्त महासागर

- प्रशांत महासागर में फिलीपीन्स के पास स्थित मेरियाना गर्त विश्व का सबसे गहरा गर्त (11,022 मीटर) है।

चैनल/स्ट्रेट

विभाजित स्थल खण्ड	चैनल/खाड़ी/स्ट्रेट
• मालद्वीव व मिनीकाय के मध्य	8^0 चैनल
• लक्षद्वीव (कावारत्ती) व मिनीकाय के मध्य	9^0 चैनल
• छोटा अंडमान व कार निकोबार के मध्य	10^0 चैनल
• दक्षिणी अंडमान व लघु अंडमान के मध्य	डंकन पास
• कोको द्वीप (म्यान्मार) व उत्तरी अंडमान के मध्य	कोको स्ट्रेट
• सुमात्रा (इण्डोनेशिया) व निकोबार के मध्य	ग्रैण्ड चैनल
• तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य	पाक स्ट्रेट
• द. पू. तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य	मन्नार की खाड़ी

जलसंधियाँ/जलडमरुमध्य

जलडमरुमध्य	स्थलाकृतियाँ
पाक	भारत और श्रीलंका
मलक्का	मलय प्रायदीप और इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप
पनामा	उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका
जिब्राल्टर	अफ्रीका (मोरक्को) और यूरोप (स्पेन)

जलडमरुमध्य	विभाजित भू भाग	जुड़े जल निकाय
बेरिंग स्ट्रेट (जलडमरूमध्य)	अलास्का और साइबेरिया (रूस)	प्रशांत महासागर और आर्कटिक महासागर
सुंडा	इंडोनेशिया	जावा सागर एवं हिंद महासागर
जिब्राल्टर	स्पेन-मोरक्को	भूमध्य सागर एवं अटलांटिक महासागर
हडसन	कनाडा	हडसन की खाड़ी एवं अटलांटिक महासागर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. तनामी रेगिस्तान निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है?

(a) चीन (b) दक्षिण अफ्रीका
(c) ऑस्ट्रेलिया (d) भारत

Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)

Ans. (c) तनामी ऑस्ट्रेलिया के 'दि ग्रेट सेंडी रेगिस्तान' के पूर्व में स्थित है। इस रेगिस्तान का क्षेत्रफल 37500 वर्ग किमी. है। तनामी पृथ्वी का शुष्क स्थल और प्रमुख विलगित रेगिस्तान है। इस रेगिस्तान की मुख्य वनस्पतियों में 'स्पीनिफेक्स घास' जो नुकीली पत्ती वाली होती है, बबूल तथा अन्य छोटी झाड़ियाँ आदि होती हैं। यहाँ लाल रंग के कंगारू पाये जाते हैं।

2. विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल कौन-सा है?

(a) कालाहारी (b) गोबी
(c) थार (d) सहारा

UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022
व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)

Ans : (d) सहारा, विश्व का विशालतम गर्म मरुस्थल है। सहारा नाम रेगिस्तान के लिए अरबी शब्द 'सहरा' से लिया गया है जिसका अर्थ 'मरुस्थल' है। यह मरुस्थल लगभग 94,00,000 वर्ग किमी0 क्षेत्रफल में विस्तृत है तथा 11 देशों में फैला हुआ है, जिनके नाम- अल्जीरिया, चाड, मिस्र, लीबिया, माली, मॉरितानिया, मोरक्को, नाइजर, सूडान, ट्यूनीशिया और पश्चिमी सहारा है।

3. कजाईल कुम रेगिस्तान स्थित है-

(a) सउदी अरब (b) उत्तरी ईरान
(c) उज्बेकिस्तान (d) तुर्कमेनिस्तान

लोअर तृतीय - 26-06-2016

Ans: (c & d) कजाईल कुम रेगिस्तान उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 2,98,000 वर्ग किमी. है। यह रेगिस्तान 'सिर दरिया' तथा 'आमू दरिया' नामक दो नदियों के दोआब के मध्य स्थित है।

4. यूरोप का प्रमुख मछुवाही क्षेत्र 'डॉगर बैंक' कहाँ स्थित है?

(a) बाल्टिक सागर (b) इंग्लिश चैनल
(c) उत्तरी सागर (d) नार्वे सागर

UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (c) यूरोप का प्रमुख मछुवाही क्षेत्र ''डॉगर बैंक'' उत्तरी सागर में स्थित है। यह उत्तरी सागर में स्थित रेतीला किनारा है। इसका छिछला भाग 100 किमी॰ है तथा यह पूर्वी किनारे पर इंग्लैण्ड तक स्थित है। यूरोप महाद्वीप में स्थित छिछला होने के साथ-साथ चारों तरफ समुद्र से घिरा है। यह मछली उत्पादन के लिये उपयुक्त केन्द्र है।

6. प्रमुख नदियाँ/ झील/नहर (Major Rivers/ Lakes/ Canal)

- टिटिकाका झील विश्व की सबसे ऊँची नौगम्य झील है। यह दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है। यह झील बोलीविया और पेरू के बीच की सीमा पर स्थित है।
- नील नदी विश्व की सबसे लंबी नदी है। यह भूमध्य रेखा के दक्षिण से निकलकर उत्तरी पूर्वी अफ्रीका से होकर भूमध्य सागर में गिरती है। इसकी लम्बाई 6,695 किमी. है।
- कैस्पियन सागर एक झील है इसके वृहद आकार के कारण इसे सागर की संज्ञा दी जाती है। यह एशिया और यूरोप के जंक्शन पर स्थित है। यह क्षेत्रफल के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय (सागर) है।
- बैकाल झील रूस के दक्षिण भाग में स्थित है। बैकाल विश्व की सबसे अधिक गहरी व प्राचीन झील है। ध्यातव्य है कि कैस्पियन सागर विश्व की सबसे ज्यादा पानी वाली झील है।
- सबसे लम्बी नदी अमेजन (अपवाह क्षेत्र व जल आयतन की दृष्टि से) दक्षिण अमेरिका के उत्तरी भाग में प्रवाहित होती है। यह महाद्वीप के पश्चिम में स्थित एण्डीज पर्वत से निकलकर पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुई अटलांटिक महासागर में गिरती है।
- डेन्यूब नदी यूरोप में प्रवाहित होने वाली प्रमुख नदियों में से एक है। यह दक्षिण-पश्चिम जर्मनी के ब्लैक फारेस्ट पर्वतीय क्षेत्र से निकल कर लगभग 1725 मील लंबा भाग तय करती हुई काला सागर में गिरती है। डेन्यूब यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी नदी है यह यूरोप के 10 देशों (जर्मनी, ऑस्ट्रिया स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोशिया, सर्बिया, बुल्गारिया, रोमानिया, यूक्रेन एवं माल्डोवा) से होकर बहती है।

प्रमुख नदियाँ

नाम	**उद्‌गम स्थान**	गिरने का स्थान
गंगा	गोमुख हिमानी से	बंगाल की खाड़ी
कोलोरेडो	ग्रैंड कण्ट्री	कैलीफोर्निया की खाड़ी
इरावदी	माली और नामी नदी का संगम	बंगाल की खाड़ी
नाइजर	फूटा जलान पठार	गिनी की खाड़ी
मीकांग	तिब्बत के पठार	दक्षिणी चीन सागर
वोल्गा	ब्लडाई पठार (रूस)	कैस्पियन सागर
यांग्सीक्यांग	तिब्बत का पठार	चीन सागर
ह्वांगहो	क्युनलुन पर्वत	चिहिल की खाड़ी
कांगो	टांगानिका व मलावी झील	अटलांटिक महासागर
डार्लिंग	आस्ट्रेलियन	मर्रे नदी
मर्रे	आस्ट्रेलियन आल्प्स से	हिन्द महासागर
ब्रह्मपुत्र	मानसरोवर झील	बंगाल की खाड़ी
सिन्धु	मानसरोवर झील के पास	अरब सागर
डेन्यूब	ब्लैक फॉरेस्ट (जर्मनी)	काला सागर
नील	विक्टोरिया झील (बुरूडी)	भूमध्य सागर
अमेजन	लैगो विलफेरो (द. अमेरिका)	अटलांटिक महासागर
मिसीसिपी-मिसौरी	रेड रॉक स्रोत (उ. अमेरिका)	मैक्सिको की खाड़ी

- आस्वान बांध व नासिर झील नील नदी पर हैं एवं हूबर बाँध कोलोरेडो नदी पर है।
- मिसीसिपी- मिसौरी नदी विश्व का सबसे बड़ा नदी-तंत्र बनाती है। यह नदी पक्षी-पाद डेल्टा बनाती हैं। परित्यक्त डेल्टा का उदाहरण ह्वांगहो नदी द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं।
- विक्टोरिया जलप्रपात व करीबा बाँध जाम्बेजी नदी पर है।
- कांगो या जायरे नदी विषुवत रेखा को दो बार काटती है।
- लिम्पोपो नदी (द. अफ्रीका) मकर रेखा को दो बार काटती है।
- माही नदी (भारत) कर्क रेखा को दो बार काटती हैं।
- आमूर नदी चीन व रूस के मध्य सीमा बनाती है।
- ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित माजुली द्वीप दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। यहाँ मिशिंग, सोनोवाल कछारी तथा देवरी जनजातियाँ रहती हैं।
- विश्व का दूसरा सबसे बड़ा नदी द्वीप मराजो द्वीप है जो अमेजन नदी पर ब्राजील में स्थित है।

नाम	**स्थिति**	**जोड़ती है**
स्वेज नहर	मिस्र	लाल सागर एवं भूमध्य सागर
कील नहर	जर्मनी	उत्तरी सागर और बाल्टिक सागर
पनामा नहर	पनामा	कैरेबियन सागर (अटलांटिक महासागर) और प्रशान्त महासागर
कोरिथ नहर	ग्रीस (यूनान)	सरोनिक खाड़ी और कुरिन्थ की खाड़ी

- वोल्गा नदी यूरोप की सबसे लम्बी नदी है। यह कैस्पियन सागर में गिरती है। वोल्गा नदी यूरोप तथा यूरोपीय रूस की सबसे लम्बी नदी तथा रूस का महत्वपूर्ण जलमार्ग है।
- ह्वांग हो (Hwang Ho), जिसे पीली नदी भी कहा जाता है यह चीन में बहती है। लम्बाई के अनुसार यह विश्व में सांतवा स्थान रखती है। यह नदी अपने बेसिन के रूप में 'चीनी सभ्यता का उद्‌गम स्थल' कही जाती है। यह विश्व की सबसे विश्वघाती नदी के रूप में भी जानी जाती है और अक्सर विनाशकारी बाढ़ लाती है। अतः इसे 'चीन का दुःख' भी कहा जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. निम्नलिखित में से किन नदियों पर पंचेत हिल बांध का निर्माण किया गया था?
(a) दामोदर (b) महानदी
(c) कृष्णा (d) लूनी
UPSSSC JE 2018 Exam. Date:16-04-2022

Ans. (a) : झारखण्ड में धनबाद जिले के पंचेत क्षेत्र में दामोदर नदी पर पंचेत हिल बाँध बनाया गया है। वर्ष 1959 में इसका उद्घाटन किया गया। पंचेत बाँध 4 मल्टी प्रयोजन बाँधों में से चौथा है जो दामोदर घाटी निगम के पहले चरण में आता है।

2. निम्नलिखित में से कौन पृथ्वी का सबसे बड़ा अंतःस्थलीय जल निकाय है?
(a) इनमें से कोई नहीं (b) सुपीरियर झील
(c) कैस्पियन सागर (d) बैकाल झील
UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (c) : पृथ्वी का सबसे बड़ा अंतःस्थलीय जल निकाय कैस्पियन सागर है। इसकी सीमा तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान, रूस, ईरान तथा कज़ाकिस्तान से लगती है। यह क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी झील है। सुपीरियर झील अमेरिका तथा कनाडा की सीमा पर स्थित है। यह विश्व में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है। बैकाल झील रूस में स्थित है। यह विश्व की सबसे गहरी झील है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा सतह पर जल संसाधन का एक उदाहरण है?
(a) झील (b) कुंआ
(c) समुद्र (d) टैंकर
Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)

Ans. (a) : झील सतह पर जल संसाधन का एक उदाहरण है। जल एक प्राकृतिक संसाधन है, जिसको एक बार उपयोग के बाद पुनः शोधन कर उपयोग योग्य बनाया जा सकता है। जल का सर्वाधिक उपयोग-सिंचाई में 70 प्रतिशत, उद्योग में 23 प्रतिशत तथा घरेलू एवं अन्य में 7 प्रतिशत होता है।

4. उस सबसे बड़े देश का नाम बताएँ, जिसकी सीमा में एक भी नदी नहीं बहती है?
(a) संयुक्त अरब अमीरात (b) सऊदी अरब
(c) कुवैत (d) लीबिया
स्टेनोग्राफर - 10-03-2019

Ans : (b) सऊदी अरब विश्व का सबसे बड़ा नदी विहीन देश है। विश्व में ऐसे 17 अन्य देश भी हैं जहाँ कोई भी नदी नहीं बहती **जैसे-** ओमान, कतर, आदि।

5. कौन-सी नदी पूर्वी चीन सागर में बहती है?
(a) मेकांग (b) पर्ल
(c) गंगा (d) यांग्सी
UDA/LDA 29-11-2015

Ans: (d) यांग्त्सी नदी पूर्वी चीन सागर में बहती है। इसी नदी के किनारे सभ्यताओं का जन्म हुआ इसीलिये इसे **''सभ्यता का पालना घर''** कहते हैं। यह नदी उत्तरी शंघाई में बहती है। यह चीन की तथा एशिया की सबसे बड़ी नदी है। इसका बहाव उत्तर पश्चिम से दक्षिण-पूर्व में है। चीन की दूसरी बड़ी नदी ह्वांगहो (पीली नदी) है।

6. निम्नलिखित में से दुनिया की सबसे तंग घाटी कौन-सी है?
(a) कॉपर कैन्यन (b) कोल्फा कैन्यन
(c) फिश रीवर कैन्यन (d) दि ग्रैन्ड कैन्यन
[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]

Ans. (d) : दि ग्रैंड कैन्यन घाटी संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य से होकर बहने वाली कोलोरेडो नदी की धारा से बनी तंग घाटी है। यह घाटी 446 किलोमीटर लंबी और 6 हजार फीट गहरी है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी विषुवत रेखा को दो बार पार करती हैं?
(a) अमेजन (b) नील
(c) कांगो (d) नाइजर
असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट 22-11-2015

Ans: (c) कांगो नदी जिसे जायरे नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह अफ्रीका महाद्वीप की एक प्रमुख नदी है। 47,00 किमी. की दूरी तय करने वाली यह नदी पश्चिम मध्य अफ्रीका की सबसे विशाल और नील नदी के बाद अफ्रीका की सबसे लम्बी नदी है। यह भू-मध्य रेखा (Equator) को दो बार काटती है।
दक्षिण अफ्रीका की लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार तथा भारत की माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।

8. डेन्यूब नदी का उद्गम किस देश में है?
(a) हंगरी (b) जर्मनी
(c) रोमानिया (d) ऑस्ट्रिया
ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)

Ans : (b) डेन्यूब नदी मध्य यूरोप में बहने वाली नदी है। इस नदी का उद्गम जर्मनी देश में ब्लैक फॉरेस्ट (Black forest) के पहाड़ों में स्थित दोनाउएशिंगन कस्बे के पास से होता है और फिर पूर्व की ओर बहती है। अन्त में यह काला सागर में जाकर मिलती है। डेन्यूब नदी, वोल्गा नदी के बाद यूरोप की दूसरी सबसे लम्बी नदी है। डेन्यूब नदी की कुल लम्बाई 2842 किलोमीटर है जो दस देशों से होकर गुजरती है।

7. वन/घास के मैदान (Forest/Grass Lands)

- अमेजन वर्षावन विशाल उष्णकटिबंधीय वर्षावन है, जो दक्षिण अमेरिका में अमेजन नदी और इसकी सहायक नदियों के जल निकासी बेसिन में मौजूद है। यह 6,000,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करता है।
- टैगा जलवायु के प्रदेश उत्तरी गोलार्द्ध में 50°-65° अक्षांशों के मध्य पाए जाते हैं। इन प्रदेशों का विस्तार उत्तरी अमेरिका में मध्य कनाडा, यूरोप में स्वीडन, दक्षिणी फिनलैण्ड, पोलैण्ड तथा पश्चिमी रूस है। टैगा जलवायु के प्रदेश उत्तरी गोलार्द्ध में 50°-65° अक्षांशों के मध्य पाए जाते हैं। इन प्रदेशों का विस्तार उत्तरी अमेरिका में मध्य कनाडा, यूरोप में स्वीडन, दक्षिणी फिनलैण्ड, पोलैण्ड तथा पश्चिमी रूस है। टैगा वनों के प्रमुख वृक्ष चीड़, स्प्रूस, फर, बर्च, सिलवर आदि हैं।
- उष्ण कटिबंधीय सदाहरित वनों में सूर्य को रोशनी की पहुँच (उपस्थिति) के आधार पर इन वनों को उर्ध्वरूप (ऊँचाई के हिसाब) से पाँच स्तर (लेयर) में विभाजित किया गया-

(1) क्राउन (अकस्मिक परत)- इस स्तर की ऊँचाई 125-200 फीट तक होती है, इसमें सदाबहार वनों के सबसे लम्बे वृक्ष पाये जाते है।

(2) कैनोपी (चौदवा) परत- यह परत 100 से 125 फीट के बीच पायी जाती है। ट्रोपिकल वनों में सर्वाधिक जैवविविधता इसी परत में पायी जाती है।

(3) अण्डरस्टोरी परत- इनकी ऊँचाई 50 से 100 फीट तक होती है परंतु वनस्पतियों की सर्वाधिक सघनता 50-75 फीट के बीच होती हैं चौड़ी पत्ती वाले वनस्पतियों की यहाँ प्रचुरता होती है।

(4) स्लैब परत- इनकी ऊँचाई 0-25 फीट तक होती है। यहाँ सूर्य की रौशनी नहीं पहुँचती। यहाँ प्रकाश-विहीन दलदली झाड़ियां कहीं-कहीं पर उग आती हैं।

(5) फारेस्ट फ्लोर परत- यहाँ कभी सूर्य की रोशनी नहीं पहुँचती इसलिए किसी प्रकार की वनस्पति नहीं है। कहीं-कहीं भूमि दलदली रूप में होती है।

- पर्णपाती वन दो प्रकार के होते हैं। प्रथम मध्य अक्षांशीय पर्णपाती वन जो शीतल जलवायु के तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं। उत्तर पूर्व अमेरिका, दक्षिणी चिली आदि में इन वन क्षेत्रों की व्याप्ति है। इन वनों के प्रमुख वृक्ष ओक, वालनट, मैपल, ऐश, चेस्टनट आदि हैं। दूसरे प्रकार के पर्णपाती वन उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन या मानसूनी वन हैं। यह वन एशिया के मानसूनी प्रदेशों, ब्राजील, मध्य अमेरिका, उत्तरी आस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं। यहाँ सागवान, शीशम, साल, बाँस आदि प्रमुख वृक्ष पाए जाते हैं।
- वेल्ड दक्षिण अफ्रीका के खुले क्षेत्रों को कहते हैं जो काफी हद तक घास व छोटी झाड़ियों से ढ़के हुए मैदानी क्षेत्र हैं। वेल्ड विशेषकर जिम्बाब्वे, बोत्सवाना, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के कई क्षेत्र में विस्तृत है। इन्हें उत्तरी अमेरिका में प्रेयरी, यूरेशिया में स्टेपी, दक्षिण अमेरिका में पम्पास और दक्षिण अफ्रीका में वेल्ड कहा जाता है।

घास भूमि		**देश**
डाउन्स	–	आस्ट्रेलिया
प्रेयरी	–	संयुक्त राज्य अमेरिका
पम्पास	–	अर्जेंटीना
वेल्ड	–	दक्षिण अफ्रीका
स्टेपीज	–	यूरोप
लानोज	–	वेनेजुएला एवं कोलम्बिया
सवाना	–	सूडान (अफ्रीका)
स्टेपी	–	यूरेशिया

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. दक्षिण-पश्चिमी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किस प्रकार के वन हैं?

(a) वेलांचली और अनूप वन
(b) पर्वतीय वन
(c) उष्णकटिबंधीय कंटक वन
(d) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (c) : उष्ण कटिबंधीय कंटक (कांटेदार) वन उन भागों में पाए जाते हैं। जहाँ वर्षा 50 सेटीमीटर से कम होती है। ये वन दक्षिण-पश्चिमी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्द्ध शुष्क क्षेत्र में पाए जाते हैं। इन वनों में कई प्रकार के घास और झाड़ियाँ शामिल हैं। इनमें पाई जाने वाली मुख्य प्रजातियाँ बबूल, बेर, खजूर, खैर, नीम, खेजड़ी और पलास इत्यादि हैं।

2. सागौन, साल, शीशम, हुर्रा, महुआ, आँवला, सेमल, कुसुम और चंदन आदि . . . . की प्रमुख प्रजातियाँ हैं।

(a) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन
(b) उष्णकटिबंधीय कंटक वन
(c) उष्णकटिबंधीय सदाबहार और अर्ध सदाबहार वन
(d) पर्वतीय वन

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (a) : सागौन, साल, शीशम, हुर्रा, महुआ, आँवला, सेमल, कुसुम और चंदन आदि उष्णकटिबंधीय (आर्द्र) पर्णपाती वन की प्रमुख प्रजातियाँ हैं। ये वन भारतवर्ष में बहुतायत में पाए जाते हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है। ये वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 70 से 200 सेंटीमीटर होती है। जल उपलब्धता के आधार पर इन वनों को आर्द्र और शुष्क पर्णपाती वनों में विभाजित किया जाता है। आर्द्र पर्णपाती वन 100 से 200 सेमी.वर्षा वाले क्षेत्र में तथा शुष्क पर्णपाती वन 70 से 100 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्र में पाए जाते हैं।

3. वन में वनस्पति की परत जो निम्न वितान के ठीक नीचे होती है, ... कहलाती है।

(a) कैनोपी (b) श्रब लेयर
(c) हर्ब लेयर (d) वन तल

UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (b) : वन में वनस्पति निम्न वितान के ठीक नीचे की परत श्रब लेयर (झाड़ी की परत) होती है। श्रब लेयर में मुख्य रूप से परिपक्व झाड़ियाँ होती हैं। इसमें एक छोटी वनस्पति होती है जो वन तल से ऊँचाई में 1 मीटर से 2 मीटर के बीच होती हैं।
कैनोपी-ऊँचे वृक्षों की सबसे ऊपर की शाखाएँ और पत्तियाँ जो वन भूमि पर छत का कार्य करती हैं कैनोपी कहलाती हैं।
हर्ब लेयर-वन में वनस्पति की वह परत जो झाड़ी की परत के ठीक नीचे होती हैं।

4. जहाँ ऋतु के अनुसार पेड़ों से पत्तियाँ झड़ जाती हैं, उन्हें कहते हैं–

(a) सदाबहार वन (b) शंकुधारी वन
(c) पर्णपाती वन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (c) उष्ण कटिबन्धीय पतझड़ वन (पर्णपाती वन) : – हमारे देश के बहुत बड़े भाग में इस प्रकार के वन पाये जाते हैं। इन वनों को 'मानसूनी वन' भी कहा जाता है। ये कम घने होते हैं, और वर्ष के एक निश्चित समय में अपनी पत्तियाँ गिराते हैं। इन वनों में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण पेड़ साल, सागौन, पीपल, नीम एवं शीशम हैं। ये उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा तथा महाराष्ट्र के कुछ भाग में पाये जाते हैं।

5. भारत में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन का सबसे बड़ा क्षेत्र है?

(a) हिमालयी नम-शीतोष्ण वन
(b) उप-उष्ण कटिबंधीय शुष्क सदाबहार वन
(c) उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
(d) उष्ण कटिबंधीय गीला सदाबहार वन

राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)

Ans : (c) भारत में उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन (Tropical Dry Deciduous Forest) सर्वाधिक क्षेत्र में पाये जाते हैं, जबकि दूसरे स्थान पर उष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन (Tropical Moist Deciduous Forest) पाये जाते हैं।

परिवहन

प्रमुख रेलमार्ग	जुड़ने वाले स्टेशन
ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग	– सेंट पीट्सबर्ग एवं ब्लाडीवोस्टक
ट्रांस ऑस्ट्रेलियन रेलमार्ग	– सिडनी एवं पर्थ
केप काहिरा रेलमार्ग	– काहिरा एवं केपटाऊन
कनाडियन नेशनल रेलमार्ग	– हेलीफैक्स एवं प्रिंस रोपर्ट
मध्य ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्ग	– सैन फ्रांसिस्को एवं न्यूयॉर्क
दक्षिणी ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्ग	– लॉस एंजिल्स एवं न्यूयॉर्क

- जकार्ता (इण्डोनेशिया), मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया) तथा चेन्नई (भारत) हिन्द महासागर में अवस्थित बन्दरगाह शहर हैं;
- **बन्दरगाह** **स्थित**

बन्दरगाह	स्थित
योकोहामा (जापान)	प्रशान्त महासागर
रियो डि जेनेरो (ब्राजील)	अटलांटिक महासागर
शंघाई (चीन)	प्रशांत महासागर
सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)	प्रशान्त महासागर

- ट्रांस-साइबेरियाई रेलमार्ग विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग है जो रूस की राजधानी मास्को से लेनिनग्राड होते हुए व्लादिवोस्तोक शहर (रूस) को जोड़ती है। इसकी शाखाएँ चीन भी जाती है। यह लगभग 9,289 किमी. लम्बी है, इसका निर्माण 1891 से 1916 में हुआ था। एक छोर से दूसरे छोर तक जाने में कुल 8 दिन का समय लगता है।
- चीन में ग्रैंड नहर विश्व का सबसे लंबा मानव निर्मित नहर है। इसे 6 वीं शताब्दी में सुई राजवंश द्वारा बनवाया गया था। इसकी कुल ल. 1,776 किमी. है। इसे 2014 में विश्व विरासत स्थलों में सूचीबद्ध किया गया है।
- स्वेज नहर– 1869 में निर्मित यह नहर भूमध्य सागर और लाल सागर के बीच महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।
- गोथार्ड बेस सुरंग, स्विट्जरलैण्ड में स्थित है। यह सुरंग 1 जून 2016 से खोली गई है, । यह सुरंग विश्व की सबसे लम्बी और सबसे गहरी रेल सुरंग बन गयी है, इस सुरंग की कुल लम्बाई 57.09 किमी. है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. विश्व की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है

(a) शिनकानसेन (जापान) (b) जर्मन आई.सी.ई.-3
(c) फ्रांसीसी टी.जी.वी. (d) शंघाई की माग्लेव

अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)

Ans : (d) विश्व की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन शंघाई की माग्लेव है। इसकी अधिकतम चाल 430 किमी./घण्टा तथा औसत गति 251 किमी./प्रति घण्टा है। वर्ष 2021 में चीन ने 600किमी0 की रफ्तार से चलने वाली मैग्लेव/माग्लेव ट्रेन का परिचालन प्रारम्भ किया है।

2. कनैडियन पैसिफिक रेलवे चलती है -

(a) डुलुथ और मान्ट्रियल के मध्य
(b) सरकटून और क्यूबेक के मध्य
(c) सियाटिल और विनीपेग के मध्य
(d) वैंकूवर और हैलिफैक्स के मध्य

लोअर तृतीय - 26-06-2016

Ans: (d) कनैडियन पैसिफिक रेलवे बैंकूवर और हेलिफैक्स के मध्य कनैडियन पैसिफिक रेलमार्ग पर चलती है। यह मार्ग कनाडा के पूर्वी सिरे पर स्थित सेंटजॉन नगर को पश्चिम में बैंकूवर से जोड़ता है। यह मांट्रियल, ओटावा, विनीपेग (विश्व की सबसे बड़ी गेहूँ की मंडी) आदि प्रमुख नगरों को जोड़ती है। इसी के लगभग समान्तर स्थित कनैडियन नेशनल रेलमार्ग पूर्व में हैलिफैक्स नगर को पश्चिम में प्रिंस रूपर्ट नगर को जोड़ता है।

3. 'ग्लेशियर एक्सप्रेस' निम्नलिखित में से किस देश की प्रसिद्ध रेलगाड़ी है?

(a) अमरीका
(b) नॉर्वे
(c) भारत
(d) स्विटजरलैण्ड

कनिष्ठ सहायक - 24-04-2016

Ans. : (d) ग्लेशियर एक्सप्रेस स्विटजरलैण्ड की प्रसिद्ध रेलगाड़ी है। यह स्विस आल्प्स के केन्द्र में जर्मट और सेंट मोरित्ज के दो प्रमुख पर्वत रिसॉर्ट्स को जोड़ने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन है।

8. खनिज संसाधन (Mineral Resources)

खनिज	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
सोना	चीन	आस्ट्रेलिया	यु. एस. ए.
चाँदी	मैक्सिको	पेरू	चीन
कोयला	चीन	यू. एस. ए.	भारत
बॉक्साइट	आस्ट्रेलिया	ब्राजील	चीन
जस्ता	चीन	आस्ट्रेलिया	पेरू
प्राकृतिक गैस	रूस	यू. एस. ए.	कनाडा
लोहा	चीन	आस्ट्रेलिया	ब्राजील
यूरेनियम	कजाकिस्तान	कनाडा	आस्ट्रेलिया
खनिज तेल	रूस	सऊदी अरब	यू. एस. ए.
ताँबा	चिली	पेरू	चीन
मैंगनीज	चीन	द. अफ्रीका	आस्ट्रेलिया

* उत्पादन वर्ष - 2021

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक देश है। बॉक्साइट उत्पादन में चीन का विश्व में दूसरा स्थान है। बॉक्साइट एल्युमिनियम का एक अयस्क **है**
- अनुमानतः संपूर्ण विश्व में कुल कोयला भण्डार का 22.6% अमेरिका में है जो विश्व का सबसे बड़ा कोयला भण्डार है

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. विश्व में सोने का सर्वाधिक उत्पादन किस देश में होता है?

(a) दक्षिण अफ्रीका
(b) रूस
(c) चीन
(d) आस्ट्रेलिया

आबकारी सिपाही - 25-09-2016

Ans : (c) सोना अत्यन्त चमकदार तथा मूल्यवान धातु है जो दिखने में चमकदार सुनहरे पीले रंग का होता है और बहुत ही आकर्षक लगता है। इसका सर्वाधिक प्रयोग आभूषण बनाने में किया जाता है। वर्ष 2007 में सोने के उत्पादन में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ने के बाद में अब तक चीन शीर्ष पद पर बना है। चीन सोने का सबसे बड़ा उत्पादक तथा भारत के बाद दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। 2021 में भी चीन स्वर्ण उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।
नोटः–स्वर्ण उत्पादन में भारत के परिप्रेक्ष्य में कर्नाटक का कोलार तथा हट्टी क्षेत्र स्वर्ण उत्पादन में भारत का 99% स्वर्ण का उत्पादन करते हैं।

2. सिल्क का सर्वाधिक उत्पादक देश हैं-

(a) भारत
(b) जापान
(c) चीन
(d) ब्राजील

असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट 22-11-2015

Ans: (c) सिल्क का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला देश चीन है जबकि भारत दुनिया का दूसरा सर्वाधिक सिल्क उत्पादक देश है। भारत का 97% सिल्क उत्पादक राज्य- आंध्र प्रदेश, असम, झारखण्ड, पं. बंगाल, तमिलनाडु, मेघालय आदि।

3. किस देश में यूरेनियम का सर्वाधिक भण्डार है?

(a) कनाडा
(b) रुस
(c) अमेरीका
(d) ऑस्ट्रेलिया

चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)

Ans: (d) विश्व में यूरेनियम का सर्वाधिक भण्डार ऑस्ट्रेलिया में है जबकि उत्पादन की दृष्टि से सबसे पहला स्थान कजाकिस्तान और दूसरे नम्बर पर कनाडा तथा तीसरे नम्बर पर ऑस्ट्रेलिया है।

4. विश्व में प्लेटिनम का उत्पादन किस देश में सर्वाधिक होता है?

(a) दक्षिण अफ्रीका (b) भारत
(c) चीन (d) जापान

वन रक्षक - 11-12-2015

Ans : (a) विश्व में प्लेटिनम का सर्वाधिक उत्पादन दक्षिण अफ्रीका (68.32 %), रूस (15.52%), जिम्बाम्बे (6.82%) तथा कनाडा (4.47%), में होता है।

(ii) भारत का भूगोल (Indian Geography)

1. भारत एक संक्षिप्त परिचय (A Brief Introduction of India)

- भारत उत्तरी गोलार्द्ध में 8°4'–37°6' उत्तरी अक्षांश और 68°7' – 97°25' पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है।
- सम्पूर्ण भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4'–37°6' उत्तरी अक्षांश के मध्य है।
- भारत का क्षेत्रफल 32 लाख 87 हजार 263 वर्ग किमी है।
- क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से भारत विश्व का 7वाँ सबसे बड़ा देश है। क्षेत्रफल के दृष्टि से भारत से बड़े छः देश हैं– रूस, कनाडा, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील एवं आस्ट्रेलिया। (8वाँ बड़ा देश अर्जेण्टीना)
- भारत का क्षेत्रफल सम्पूर्ण विश्व के क्षेत्रफल का 2.4% है, जबकि इसकी जनसंख्या सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या का 17.5% है। (जनगणना 2011 के अनुसार)
- भारत का उत्तर से दक्षिण में विस्तार 3,214 किमी. है व पूरब से पश्चिम में विस्तार 2,933 किमी. है।
- भारत की स्थल-सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। इसके तटीय भाग की लम्बाई 7,516.6 किमी. है; परन्तु मुख्य भूमि के तटीय भाग की लम्बाई 6100 किमी. है।

भारत के सीमावर्ती देश

सीमावर्ती देश	सीमा की लम्बाई (km)	पड़ोसी देशों की सीमा से संबद्ध राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश
नेपाल	1,751.0	उ.प्र., बिहार, पं बंगाल, सिक्किम व उत्तराखंड।
म्यांमार	1,643.0	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम व मणिपुर।
भूटान	699.0	सिक्किम, असम, पश्चिम बंगाल व अरुणाचल प्रदेश।
अफगानिस्तान	106.0	लद्दाख (पाक-अधिकृत)।
बांग्लादेश	4,096.7	असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा व पश्चिम बंगाल।
चीन	3,488.0	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम एवं अरुणाचल प्रदेश।
पाकिस्तान	3,323.0	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख।

- भारत की जल एवं स्थल सीमा से लगे देश–बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान।

- भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु इन्दिरा प्वाइन्ट है। यह बृहत निकोबार द्वीप में स्थित है। यह भूमध्य रेखा से 876 किमी दूर है। भारत का सबसे उत्तरी बिन्दु इन्दिरा कॉल लद्दाख में है। पश्चिमी बिन्दु गुहार मोती (गुजरात) व पूर्वी बिंदु किबिथु (अरुणाचल प्र.) में है।
- भारत एवं चीन की सीमा को मैकमोहन रेखा कहते हैं। यह रेखा 1914 ई. में शिमला में निर्धारित की गयी थी।
- भारत और अफगानिस्तान के बीच डूरण्ड रेखा है, जो 1893 ई. में सर डूरण्ड द्वारा निर्धारित की गई थी।
- भारत एवं पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है, जो 15 अगस्त, 1947 ई. को सर सी. जे. रेडक्लिफ के द्वारा निर्धारित की गई थी।
- भारत और नेपाल के मध्य काली नदी सीमा बनाती है।
- पटकोई की पहाड़ियाँ भारत को म्यांमार से अलग करती है।
- दक्षिण में श्रीलंका भारत से पाक जलसंधि तथा मन्नार की खाड़ी द्वारा अलग होता है, पाक जलडमरू मध्य में ही राम सेतु स्थित है।
- श्रीलंका के बाद भारत का दूसरा निकटतम समुद्री पड़ोसी देश इंडोनेशिया है, जो निकोबार द्वीप समूह के अन्तिम द्वीप ग्रेट निकोबार के दक्षिण में स्थित हैं।
- भारत का मानक समय इलाहाबाद के निकट नैनी से गुजरने वाली $82\frac{1^o}{2}$ पूर्वी देशान्तर रेखा को माना गया है, जो ग्रीनविच समय से $5\frac{1}{2}$ घंटा आगे है।
- कर्क रेखा लगभग भारत के मध्य से गुजरती है। यह आठ राज्यों से होकर जाती है। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा एवं मिजोरम।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमाओं से लगा राज्य उत्तर प्रदेश, है। इसकी सीमा आठ राज्यों यथा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं बिहार से लगी है।
- भारतीय राज्यों में गुजरात राज्य की तट रेखा सर्वाधिक लम्बी (1663 किमी.) है।
- नेपाल के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले राज्य हैं–उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल,एवं सिक्किम।
- प. बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, एवं मिजोरम की सीमा बांग्लादेश से मिलती है।
- पाकिस्तानी सीमा से लगे भारतीय राज्य हैं–राजस्थान (1179 km), गुजरात (506 km) एवं पंजाब (425 km) तथा केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख हैं।
- सिक्किम की सीमा नेपाल, भूटान और चीन से मिलती है।
- तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य त्रिपुरा है। केवल उत्तर-पूर्व में यह असम और मिजोरम से जुड़ा है।
- भारत में सूर्योदय सबसे पहले उत्तर पूर्वी राज्य अरूणाचल प्रदेश में होता है, इसलिए इस राज्य को भारत में 'उगते सूरज की भूमि' भी कहा जाता है। जबकि वैश्विक दृष्टि से जापान को 'उगते सूरज का देश' कहा जाता है। डूबते सूर्य का देश 'नार्वे' को कहा जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Objective Question

1. भारत की मानक-याम्योत्तर रेखा हैः
(a) $82^0 30'$ पू. देशान्तर (b) $83^0 30'$पू. देशान्तर
(c) 82^0 पू. देशान्तर (d) $82^0 50'$ पू. देशान्तर
UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (a) : भारत में 82º30' पूर्वी देशान्तर जो कि प्रयागराज (इलाहाबाद) के निकट नैनी से गुजरती है, के समय को मानक समय माना गया है। भारत का मानक समय GMT से 82º30' पूर्व है। भारत का समय GMT से पाँच घंटे तीस मिनट आगे है।

2. निम्नलिखित में से कौन से भारत के दो पड़ोसी द्वीप देश हैं?
(a) सेशेल्स; ऑस्ट्रेलिया (b) मालदीव, म्यांमार
(c) श्रीलंका; मालदीव (d) लक्षद्वीप; श्रीलंका
UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II

Ans. (c) : श्रीलंका और मालदीव भारत के दो पड़ोसी द्वीपीय देश है। श्रीलंका की राजधानी श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे है। यह भारत के दक्षिण में हिन्द महासागर में स्थित है। मालदीव की राजधानी माले है। मालदीव जनसंख्या और क्षेत्रफल, दोनों ही प्रकार से एशिया का सबसे छोटा देश है।

3. भारत के कितने राज्य बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करते हैं?
(a) इनमें से कोई नहीं (b) 5
(c) 7 (d) 6
UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2

Ans. (b) :

पड़ोसी देश	भारतीय राज्य तथा केन्द्रशासित प्रदेश
बांग्लादेश	असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, पश्चिम बंगाल
चीन	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	लद्दाख, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर
नेपाल	बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
भूटान	पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम
अफगानिस्तान	लद्दाख

4. भारत का सबसे उत्तरी अक्षांश है-
(a) $97^0 25'$ N (b) $37^0 6'$ N
(c) $68^0 7'$ N (d) इनमें से कोई नहीं।
UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022

Ans. (b) : भारत का सबसे उत्तरी अक्षांश $37^0 6'$ N है। भारत की भौगोलिक स्थित उत्तरी गोलार्द्ध में $8^0 4'$ -$37^0 6'$ उत्तरी अक्षांश और $68^0 7'$-$97^0 25'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा देश भारत के साथ सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है?
(a) बांग्लादेश (b) भूटान
(c) नेपाल (d) इनमें से कोई नहीं
UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I

Ans. (a) : भारत कुल सात देशों के साथ स्थलीय सीमा तथा दो देशों के साथ जलीय सीमा साझा करता है। भारत के सात पड़ोसी देश हैं- पाकिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार, अफगानिस्तान तथा बांग्लादेश। बांग्लादेश भारत के साथ सबसे लम्बी सीमा (4096.7 km.) साझा करता है।

6. निम्नलिखित में से कौन भारत का पड़ोसी देश नहीं है?
(a) म्यांमार (b) चीन
(c) यू.ए.ई. (d) मालदीव

UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1

Ans. (c) : दिए गए विकल्पों में U.A.E.(यू.ए.ई.) भारत का पड़ोसी देश नहीं है। जबकि म्यांमार, चीन और मालदीव भारत के पड़ोसी देश हैं। भारत के 9 पड़ोसी देशों में से अन्य हैं-पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और बांग्लादेश। इनमें श्रीलंका एवं मालदीव के साथ समुद्री सीमा साझा होता है।

7. सिक्किम निम्नलिखित में से किस देश के साथ सीमा साझा करता है?
(a) नेपाल (b) भूटान
(c) चीन (d) ये सभी

UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022

Ans : (d) सिक्किम अपनी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा दक्षिण-पूर्व में भूटान के साथ पश्चिम में नेपाल के साथ और उत्तर-पूर्व में चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के साथ साझा करता है। अतः विकल्प (d) सही है।

8. पृथ्वी की सतह का लगभग कितना प्रतिशत भारत द्वारा कवर किया गया है?
(a) 3.5 (b) 2.4
(c) 4.4 (d) इनमें से कोई नहीं

UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022

Ans : (b) पृथ्वी की सतह का लगभग 2.4 प्रतिशत भू-भाग पर भारत का विस्तार है। भारत का पूर्वी-पश्चिमी विस्तार 2,933 किमी. तथा उत्तरी-दक्षिण विस्तार 3,214 किमी. है। भारत का कुल क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग किमी. है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवाँ स्थान है।

9. कौन-सा जल निकाय अंडमान द्वीपों को निकोबार द्वीपों से अलग करता है?
(a) 6° चैनल (b) 8° चैनल
(c) 9° चैनल (d) 10° चैनल

ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)

Ans : (d) 10^o चैनल एक जल अन्तराल है, जो बंगाल की खाड़ी में अंडमान द्वीप और निकोबार द्वीप समूह को एक दूसरे से अलग करता है। इसलिए इसे 10° चैनल नाम दिया गया है। यह भूमध्य रेखा के उत्तर में अक्षांश की 10° डिग्री रेखा पर स्थित है।

10. निम्नलिखित में से क्या 10-डिग्री चैनल से अलग किये गए हैं?
(a) लक्षद्वीप और मालदीव
(b) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(c) मिनिकॉय द्वीप और मालदीव
(d) कवरत्ती और मिनिकॉय द्वीप

Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)

Ans. (b) : 10-डिग्री चैनल भारत के अण्डमान व निकोबार द्वीपसमूह में छोटे अण्डमान द्वीप को निकोबार द्वीप से अलग करने वाली जलसन्धि है। यह लगभग 155 किमी. चौड़ी है और 10 डिग्री अक्षांश के समीप पश्चिम में बंगाल की खाड़ी को पूर्व में अंडमान सागर से जोड़ती है।

2. भारत की जनसंख्या (Indian Population)

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 1.21 बिलियन है, जिसमें पुरुषों की संख्या 51.47% तथा महिलाओं की संख्या 48.53% है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार सिक्किम राज्य की जनसंख्या सबसे कम है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला राज्य मेघालय (27.95%) था।
- जनगणना 2011 के अनुसार (अंतिम आकड़ो) बिहार में (51.5%) महिला साक्षरता सबसे कम दर्ज की गईं तत्पश्चात राजस्थान (52.1%) दूसरे स्थान पर है। भारत की महिला साक्षरता 65.46% है। सबसे अधिक महिला साक्षरता केरल राज्य (91.98%) में है।
- 2011 के जनगणना के अनुसार-
  सर्वाधिक घनत्व वाला राज्य- बिहार
  सबसे कम घनत्व वाला राज्य- अरुणाचल प्रदेश
  उच्चतम लिंगानुपात वाला राज्य- केरल
  न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य- हरियाणा
  उच्चतम साक्षरता वाला राज्य- केरल
  न्यूनतम साक्षरता वाला राज्य- बिहार

जनगणना, 2011	
कुल जनसंख्या (2011)	1,21,05,69,573
पुरुष	62,32,21,843 (51.4%)
महिला	58,74,47,730 (48.53%)
जनसंख्या वृद्धि दर (2001-11)	17.7% (18.18 करोड़)
पुरुष	17.10 %
महिला	18.30%
लिंगानुपात (2011)	943/1000
लिंगानुपात (0-6 आयु वर्ग)	919
साक्षरता (2011)	74.04%
पुरुष	82.14%
महिला	65.46%
जनसंख्या घनत्व (2011)	382 प्रति वर्ग किमी
सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले 3 राज्य	1. राजस्थान 2 म.प्र. 3. महाराष्ट्र
न्यूनतम क्षेत्रफल वाले 3 राज्य	1. गोवा 2. सिक्किम 3. त्रिपुरा
सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला केन्द्रशासित राज्य	अण्डमान निकोबार द्वीप समूह
न्यूनतम क्षेत्रफल वाला केन्द्रशासित राज्य	लक्षद्वीप